नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, रविवार, 14 सितंबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 119 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

रांची में वेटिकन सिटी की थीम पर बन रहा दुर्गा पूजा पंडाल

प्रधानमंत्री ने मिजोरम के आइजोल में 9,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया शिलान्यास और उद्घाटन

भारत का विकास इंजन बन रहा पूर्वोत्तर : मोदी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मिजोरम के आइज़ोल में 9000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्ज़ा, खेल सहित कई क्षेत्र लाभान्वित होंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने नीले पहाड़ों की इस खूबसूरत धरती के संरक्षक, परम पूज्य भगवान पाथियन को नमन किया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि वे मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे पर मौजूद हैं और मौसम खराब होने के कारण आइजोल में लोगों से मिल सके। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद वे इस माध्यम से भी लोगों के प्यार और स्नेह को महसूस कर सकते हैं। श्री मोदी ने कहा कि चाहे स्वतंत्रता आंदोलन हो या राष्ट्र निर्माण, मिजोरम के लोग योगदान देने के लिए हमेशा आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि लालनु रोपुइलियानी और पासल्था खुआंगचेरा जैसी विभूतियों के आदर्श राष्ट्र को प्रेरित करते रहते हैं। श्री मोदी ने कहा कि त्याग और सेवा, साहस और करुणा, मिज़ो समाज में गहराई से समाहित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मिजोरम भारत की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस दिन को देश, विशेषकर मिजोरम के लोगों के लिए ऐतिहासिक बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज से आइजोल भारत के रेलवे मानचित्र पर होगा। अतीत को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुछ वर्ष पहले उन्हें आइजोल रेलवे लाइन की नींव रखने का अवसर मिला था। उन्होंने इस रेलवे लाइन को देश को समर्पित किया। श्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि दुर्गम क्षेत्र सहित कई चुनौतियों के बावजूद बैराबी-सैरांग रेल लाइन अब एक वास्तविकता बन गई है। उन्होंने इंजीनियरों के कौशल और श्रमिकों की भावना की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग और देश हमेशा मन से सीधे जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहली बार मिज़ोरम का सैरांग राजधानी एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली से सीधे जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रेल संपर्क नहीं है बल्कि परिवर्तन की जीवन रेखा है और यह मिज़ोरम के लोगों के जीवन और आजीविका में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। श्री

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि मिजोरम के किसान और व्यवसाय अब देश भर के अधिक बाजारों तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के ज़्यादा विकल्प मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस विकास से पर्यटन, परिवहन और आतिथ्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय से देश में कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान ज्यादा वोट और सीटें पाने वाले क्षेत्रों पर रहा। परिणामस्वरूप मिज़ोरम जैसे राज्यों सहित पूरे पूर्वोत्तर को इस रवैये से भारी नुकसान उठाना पड़ा। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि वर्तमान दृष्टिकोण बहुत अलग है और जो लोग पहले उपेक्षित थे, वे अब सबसे आगे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी हाशिए पर थे, वे अब मुख्यधारा का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से सरकार पूर्वोत्तर के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश का विकास इंजन बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर के कई राज्य पहली बार भारत के रेल मानचित्र पर शामिल हुए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत सरकार ने सभी प्रकार की कनेक्टिविटी- ग्रामीण सड़कें और राजमार्ग, मोबाइल और इंटरनेट कनेक्शन, बिजली, नल से जल और एलपीजी कनेक्शन को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मिजोरम को हवाई यात्रा के लिए उड़ान योजना का भी लाभ मिलेगा और बताया कि इस क्षेत्र में जल्द ही हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू होंगी। श्री मोदी ने कहा कि इससे मिजोरम के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच में काफी सुधार होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक्ट ईस्ट नीति और उभरते उत्तर-पूर्व आर्थिक गलियारे, दोनों में मिज़ोरम की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने कहा कि कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और सैरांग-ह्मांगबुचुआ रेल लाइन से मिजोरम दक्षिण-पूर्व एशिया के माध्यम से बंगाल की खाड़ी से जुड़ जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि इस कनेक्टिविटी से उत्तर-पूर्व भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के समापन पर प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक परिवार और प्रत्येक क्षेत्र के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत का निर्माण उसके लोगों के सशक्तिकरण से होगा और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मिज़ोरम के लोग इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने आइज़ोल को हार्दिक बधाई दी और देश के रेलवे मानचित्र में शामिल होने पर उसका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हालांकि वे खराब मौसम के कारण आइज़ोल नहीं आ सके लेकिन उन्हें विश्वास है कि वे जल्द ही मिलेंगे। इस कार्यक्रम में मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी.के. सिंह, मुख्यमंत्री लालदुहोमा, केंद्रीय रेल एवं सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों पर होगी सख्त कार्रवाई : स्वास्थ्य मंत्री

राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में रिम्स शासी परिषद की बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) में शनिवार को रिम्स शासी परिषद की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की। इस क्रम में 16 एजेंडों की समीक्षा की गयी। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि वे रिम्स को देश के बेहतरीन संस्थानों की श्रेणी में लाना चाहते हैं। यह तभी संभव है जब सभी जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी गंभीरता से अपनी भूमिका निभाएं। सरकारी ड्यूटी के दौरान बाहर प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बहुत जल्द रिम्स में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 9 अक्टूबर 2025 को होगी। इसमें शेष प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में 16 प्रमुख एजेंडों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इनमें परचेजिंग में देरी और उससे उत्पन्न समस्याएं, ट्रॉमा सेंटर की सुविधाएं और खामियां, रखरखाव की व्यवस्था और खराब वेंटिलेटरों की स्थिति, आवश्यक मशीनों की खरीद और उपयोग, इलाज की वर्तमान स्थिति और

सुधार की रूपरेखा पर चर्चा की गयी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रिम्स निदेशक को एमआरआइ मशीन की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि सरकारी ड्यूटी के दौरान बाहर प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ट्रॉमा सेंटर में खराब पड़े वेंटीलेटरों को बदलने/मरम्मत करने, बिल्डिंग की मरम्मत और साफ-सफाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि रिम्स निदेशक को कई मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। आने वाले समय में रिम्स में ठोस बदलाव नजर आएगा। रिम्स शासी परिषद की बैठक में जस्टिस अमरेश्वर सहाय, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, रिम्स निदेशक डॉ प्रो राजकुमार, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति, रिनपास निदेशक, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मोबाइल पर कहासुनी के बाद प्रेमी जोड़े ने दी जान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुमला। जिले के बिशुनपुर प्रखंड में मोबाइल पर कहासुनी के बाद पहले प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर जान दे दी। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा और 10वीं का 17 वर्षीय छात्र ने अलग-अलग स्थानों पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने न केवल दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है बल्कि पूरे गांव को भी शोकाकुल कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार छात्रा अपने घर में अकेली थी। उसी दौरान नवागढ़ सेरका गांव का निवासी उसके प्रेमी ने उसे फोन किया। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। परिजनों का कहना है कि इसी विवाद से आहत होकर छात्रा ने घर में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना जब प्रेमी को मिली तो वह भी गहरे सदमे में चला गया। इसके बाद उसने भी अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों को बिशुनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिशुनपुर थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। गांव में इस घटना को लेकर गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आसपास के ग्रामीण भी इस बात को लेकर हैरान हैं कि इतनी कम उम्र में मासूम बच्चों ने इतना बड़ा कदम क्यों उठा लिया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे से युवक का शव बरामद

साहेबगंज (नबिटा ब्यूरो)। समशेरगंज थानांतर्गत जयकृष्णपुर के समीप एनएच-12 किनारे शनिवार की सुबह स्थानीय पुलिस ने एक 26 वर्षीय युवक का शव बरामद किया। समशेरगंज आइसी ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ी से युवक का शव बरामद किया गया था, जिसे पोस्टमार्टम के लिए जंगीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया। शव की पहचान जयकृष्णपुर निवासी नीरज मोमिन के रूप में की गयी है। वहीं, परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आवेदन दिया है, जिसके आधार पर छानबीन की जा रही है।

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाने की पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध खरीद-बिक्री व सेवन पर रोक लगाने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने माल गोदाम रोड स्थित बीड़ी श्रमिक अस्पताल में छापेमारी कर 2.28 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान कित्ताझोर निवासी मिंटू शेख के रूप में हुई है। एसडीपीओ दयानंद आजाद ने पत्रकारों को बताया कि एसपी को सूचना मिली थी कि माल गोदाम रोड में एक व्यक्ति मादक पदार्थ का क्रय-विक्रय के साथ-साथ सेवन कर रहा है। सूचना पर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त कर छापेमारी की गयी। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा लेकिन पुलिस ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 11 पुड़िया ब्राउन शुगर कुल वजन 2.28 ग्राम बरामद हुआ। मौके से एक अपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की गयी है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध नगर थाना कांड संख्या 245/25 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी दल में अंचल निरीक्षक शंभू शरण दत्त, नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार, दिलीप बास्की, अभिषेक कुमार, कुंदन कुमार, अंकित कुमार, गंगासागर आदि पुलिस बल शामिल थे।

पलामू से एक करोड़ की हथनी गायब, चिप के जरिए लोकेशन ट्रैक कर रहा वन विभाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू में एक करोड़ रुपए कीमत की हथनी के गायब होने का मामला सामने आया है। मेदिनीनगर सदर थाना में इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर जिले के विंध्याचल निवासी नरेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि उन्हें जयमति नाम की हथनी यूपी के रहने वाले संगम लाल से जिम्मेनामा पर मिली थी। खाने-पीने की व्यवस्था न होने के कारण वे हथनी को झारखंड ले आए थे। हथनी की देखभाल की जिम्मेदारी मिर्जापुर के रहने वाले मुन्ना पांडेय और चुनार के रहने वाले मन्ना पाठक को दी गई थी। मुन्ना और मन्ना की मुलाकात एक अन्य हाथी मालिक तारकेश्वर नाथ से हुई। देखभाल करने वाले दोनों महावत मुन्ना और मन्ना हथनी को लेकर पलामू के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके में आए थे। हाथी मालिक नरेंद्र कुमार 11 अगस्त को जोरकट पहुंचे, जहां उन्हें हथनी और महावत मिले। 13 अगस्त को दुबारा जोरकट गए तो महावत हथनी समेत गायब मिला। उन्होंने झारखंड के कई इलाकों में खोजबीन की लेकिन न ही हथिनी का कोई सुराग मिला और न ही महावत से संपर्क हो पा रहा है। 12 सितंबर को नरेंद्र शुक्ला ने पलामू पुलिस को लिखित शिकायत दी। सदर थाना प्रभारी लालजी के अनुसार हथनी में लगी चिप की जानकारी वन विभाग को दी गई है। इसके आधार पर हथनी का लोकेशन ट्रैक किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धनबाद में सौ फीट ऊंचा साइलो प्लांट ध्वस्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के बाघमारा स्थित बीसीसीएल ब्लॉक-2 क्षेत्र के न्यू मधुबन वाशरी में शुक्रवार देर रात करीब एक बजे बड़ा हादसा हो गया। वाशरी में बने करीब 100 फीट ऊंचे साइलो प्लांट का नंबर-1 सेलो अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ ढह गया। हादसे के समय अधिकांश कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं थे जिससे बड़ा जानमाल का नुकसान टल गया। हालांकि एक कर्मचारी मलबे में फंस गया जिसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय गोपाल महतो के अनुसार राधा इंजीनियरिंग कंपनी का कर्मचारी धर्मेंद्र कुमार साइलो प्लांट के अंदर फंसा हुआ था। मौके पर मौजूद नरेश महतो ने बताया कि हादसे के समय वे जांच कर रहे थे और गिरने की आहट मिलते ही वहां से भाग निकले।

हालांकि 12 घंटे की मशक्कत के बाद धर्मेंद्र को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। धर्मेंद्र ने साहस का परिचय देते हुए रस्सी के सहारे साइलो में प्रवेश किया और कर्मी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बीसीसीएल वाशरी डिवीजन के महाप्रबंधक सोहेल इकबाल ने पुष्टि की कि करीब 100 फीट ऊंचा साइलो प्लांट गिरा है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। गौरतलब है कि यह वाशरी चेन्नई की राधा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के जिम्मे है, जो इसका संचालन और रखरखाव करती है। विधायक शत्रुघ्न महतो ने पांच साल पहले बनी इस वाशरी में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने हादसे के लिए कंपनी की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया और सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कहा कि यह वाशरी डेढ़ साल से ही संचालित हो रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद ढुल्लू महतो मौके पर पहुंचे और बीसीसीएल प्रबंधन पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से बनी वाशरी का उद्घाटन 2023 में हुआ था लेकिन डेढ़ साल में ही साइलो का ढह जाना गंभीर लापरवाही है। संसद में यह मुद्दा उठाया जाएगा और दोषी अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा।

हेमंत सरकार युवाओं को दे रही नौकरी : हेमलाल मुर्मू

नवनियुक्त चौकीदारों और दर्जनों सेविका-सहायिकाओं को मिला चयन पत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिला प्रशासन की ओर से शनिवार को पाकुड़ के रविंद्र भवन में जिलास्तरीय चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के हाथों 247 नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस मौके पर विधायक स्टीफन मरांडी, हेमलाल मुर्मू, डीसी मनीष कुमार, एसपी निधि द्विवेदी आदि मौजूद रहे। इस मौके पर दर्जनों सेविका और सहायिकाओं के बीच भी चयन पत्र बांटा गया। मौके पर विधायक हेमलाल मुर्मू ने नवनियुक्त चौकीदारों को संबोधित करते हुए कहा कि योग्य बेरोजगारों को नौकरी मुहैया कराने का काम हेमंत सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि चौकीदार अपने दायित्वों का निर्वहन सेवा भाव से करें। साथ ही उन्होंने नवनियुक्त चौकीदारों से अपने-अपने क्षेत्र में समाज

को विकसित और शिक्षित करने के अलावे समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की। वहीं विधायक स्टीफन मरांडी ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों, सेविका-सहायिकाओं को ईमानदारी पूर्वक ड्यूटी करने, अपने कर्तव्य का सही तरीके से निर्वहन करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने की अपील की। वहीं डीसी मनीष कुमार ने नवनियुक्त चौकीदारों से कहा कि नौकरी को जनसेवा का आधार बनाएं। पाकुड़ डीसी ने कहा कि अबुआ सरकार का विजन था कि सभी जिलों में चौकीदार नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि पाकुड़ जिले में चौकीदारों की बहाली पारदर्शी तरीके से की गई और इस बहाली में किसी प्रकार का कोई सवाल नहीं उठा है बल्कि बहुत ही अच्छे तरीके से हमारे पदाधिकारियों और कर्मियों ने बहाली प्रक्रिया को संपन्न कराया और आज 247 चयनित चौकीदारों के बीच स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। डीसी ने बताया कि नवनियुक्त चौकीदारों को दो माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा और उसके बाद ड्यूटी पर लगाया जाएगा। डीसी ने बताया कि आने वाले दिनों में डॉक्टर, को-ऑर्डिनेटर आदि की भी बहाली होगी।

रांची में धूमधाम से मनेगा पीएम नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन (17 सितंबर) रांची में धूमधाम से मनाया जाएगा। हवन अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। काफी संख्या में लोगों को सम्मानित किया जाएगा। रांची के जवाहर नगर में नमो पार्क का शुभारंभ किया जाएगा। इस पत्रकार वार्ता में रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू और रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष धीरज महतो प्रमुख रूप से मौजूद थे। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस मौके पर 75 स्वच्छता दूतों, 75 पैरामेडिकल स्टाफ, 75 नर्स, 75 किसान, 75 साहित्यकार, 75 सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर, 75 ठ्ठधदथ्‍द्य क्ष्धन- ख्रधदथ्‍द्य दूत, 75 खिलाड़ी, 75 भूतपूर्व सैनिक, 75 कलाकार, 75 शिक्षक सहित समाज की सेवा कर रहे ऐसे अलग-अलग क्षेत्रों के 75 लोगों को सम्मानित किया जाएगा। काजू बागान स्थित सांसद के आवास परिसर में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसी दिन स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाएगा। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रांची लोकसभा क्षेत्र में 3000 सोलर लाइट का शुभारंभ किया जाएगा। प्लास्टिक मुक्त भारत की ओर एक कदम के तहत 25000 जूट बैग का वितरण पूरे लोकसभा क्षेत्र में किया जाएगा। रांची लोकसभा क्षेत्र के हर परिवार को भी निःशुल्क उपलब्ध करायी जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 69 हजार 227 मामलों का हुआ निस्तारण

तीन करोड़ 95 लाख 93 हजार 912 रुपये का मामला हुआ सेटल

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडेय की देखरेख में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 69 हजार 227 मामले का निस्तारण किया गया। वहीं तीन करोड़ 95 लाख 93 हजार 912 रुपए का मामला सेटल हुआ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मामले निस्तारण को ले 15 पीठों का गठन किया गया था। इसमें 13 पीठ सिविल कोर्ट पलामू में बना था। जबकि पीठ संख्या 14 हुसैनाबाद अनुमंडलीय कोर्ट के मामले का निस्तारण किया गया। मामले का निस्तारण एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता व अधिवक्ता रामचंद्र सिंह कर रहे थे। वहीं पीठ संख्या 15 में छतरपुर अनुमंडलीय न्यायालय से संबंधित मामले का निस्तारण अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार व अधिवक्ता राकेश कुमार

मिश्रा कर रहे थे। राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री- लिटीटिगेशन के 63 हजार 401 मामले का निस्तारण किया गया। वहीं कोर्ट में लंबित पांच हजार 826 मामले का निस्तारण किया गया। प्री- लिटीटिगेशन के मामले में एक करोड़ 13 लाख 90 हजार 670 रुपए का मामला सेटल हुआ। वही कोर्ट में लंबित केस में दो करोड़ 82 लाख तीन हजार 242 रुपये का मामला सेटल हुआ। मामले निस्तारण के लिए रिजर्व पीठ में जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवम आभाष कुमार व एसीजेएम, सुशीला सोरेंग को रिजर्व में रखा गया था । जबकि रिजर्व अधिवक्ता में अजय कुमार पांडेय व संजीव सिंह को रखा गया था।

एक हेल्प डेस्क बनाया गया था। इसमें लोगों को मदद के लिए एक अधिवक्ता पुष्कर राज व एक पीएलभी कृपा शंकर दुबे को लगाया गया था। मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास, जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम अखिलेश कुमार, द्वितीय प्रतीक चतुर्वेदी, तृतीय शंकर महाराज, चतुर्थ पवन कुमार, पंचम स्वेता ढींगरा, षष्टम राजकुमार मिश्रा, अष्टम आयशा खान, नवम आभाष कुमार, सीजेएम मनोरंजन कुमार, एसीजेएम सुशीला सोरेंग, एसडीजेएम कमल प्रकाश, रेलवे जेएम प्रज्ञेष निगम, एसके गौतम, सोनम विश्नोई, रविशंकर पांडेय, निशिकांत, निर्भय प्रकाश, शम्भू महतो, जेएम रश्मि चंदेल, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, सदर एसडीएम सुलोचना मीणा, अधिवक्ता वीणा मिश्रा, शशि भूषण, हुसैन बारिश, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द्र सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश, संतोष कुमार तिवारी, एलएडीसी के असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय, अधिवक्ता संजय कुमार सिन्हा, कुमार शिवाजी सिंह, स्थाई लोक अदालत के सदस्य महिमा श्रीवास्तव, अधिवक्ता रामचंद्र सिंह, राकेश कुमार मिश्र, इन्सुरेंस कम्पनी के अधिवक्ता युदिष्ठिर गिरी के अलावे विभिन्न बैंक, वन विभाग, उत्पाद विभाग, बीएसएनएल के अलावे दर्जनों विभाग के कर्मी उपस्थित थे।

कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की पहल पर राजी-खुशी विदा हुए बच्चे संग पति-पत्नी

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को एक दम्पति के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद को कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास के प्रयास से सुलह कराया गया। पति पत्नी बच्चे संग राजी खुशी घर के लिए विदा हुए। विदित हो कि पलामू जिला अंतर्गत चैनपुर थाना के कनकारी निवासी कन्हाई ठाकुर ने अपने पत्नी रेखा देवी को विदा कराने को ले सेक्शन 9 के तहत कुटुंब न्यायालय पलामू में एक मुकदमा दायर किया था। कन्हाई ठाकुर की शादी छतरपुर थाना अंतर्गत डाली गांव निवासी रेखा देवी के साथ 12 जून 2023 को हुई थी।

दोनों के दांपत्य जीवन से आठ माह का एक पुत्र है। आपसी मनमुटाव के कारण 20 जून 2025 से पत्नी, पति से अलग रह रही थी। पति कन्हाई ठाकुर ने अपनी पत्नी को विदा कराने वास्ते कुटुंब न्यायालय में 29 जुलाई 2025 को ओएस 172/ 2025 दाखिल किया था। इसमें कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के प्रयास से दोनों पक्ष के बीच राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह कराया गया। वे दोनों राजी खुशी से बच्चे को लेकर पति के घर चली गई। मौके पर पति व पत्नी ने एक दूसरे को माला पहनाकर स्वागत किया व साथ रहने की वचनबद्धता दोहराई।

झारखंडी धाम के पंडा समाज ने बाल विवाह रोकने का किया आह्वान

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बाल विवाह मुक्त विश्व अभियान के अंतर्गत बाल विवाह के उन्मूलन को लेकर चलाए जा रहे वैश्विक अंतरधार्मिक सप्ताहांत अभियान 12-14 सितम्बर 2025 के तहत आज झारखण्ड धाम के धर्मगुरुओं ने बाल विवाह के खिलाफ लोगों को जागरूक करने का वचन दिया धाम के पुजारी श्री निधि पंडा ने भक्तों को जागरूक करते हुए कहा कि बाल विवाह एक अपराध है। बाल विवाह से शिक्षा स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है इसे रोकना बहुत जरूरी है। झारखंडी धाम परिसर में बाल विवाह पूर्णतः प्रतिबंधित है उम्र का पता लगाने तथा उम्र संबधित प्रामाणिक दस्तावेज लेने के बाद ही विवाह की पर्ची काटा जाता है जनार्दन पंडा ने अपने सन्देश में कहा कि हमारे शास्त्रों में बेटियों को गृह लक्ष्मी समृद्धि और आशीर्वाद का प्रतिक मानते हैं। उन्हें समय से पहले विवाह के लिए वाध्य करना विवाह जैसे पवित्र विश्वास का अपमान है उदय कुमार पंडा ने अपने सन्देश में कहा कि बाल विवाह को समाप्त करना केवल बेटियों की रक्षा करना नहीं है, यह भारत के भविष्य की रक्षा करना है सनातन धर्म हमें सिखाता है कि बचपन शिक्षा विकास और आध्यात्मिक प्रगति का समय है। गृहस्थ आश्रम, ब्रम्भचर्य आश्रम के बाद आता है यहाँ दशार्ता है कि विवाह शिक्षा और परिपक्वता के पाश्चात्य ही होना चाहिए हमारे बाबा मंदिर में बाल विवाह पूरी तरह निषेध है। हमारे धर्म ग्रन्थ, वेद पुराण भी बच्चों के शिक्षा को प्रोत्साहित करता है बनवासी विकास आश्रम के सचिव सुरेश कुमार शक्ति ने कहा कि बाल विवाह मुक्त अभियान अब सिर्फ भारत में नहीं अपितु यह अभियान भारत सहित दुनिया के 100 से अधिक देशों का साझा अभियान है यह कार्यक्रम चाइल्ड मैरिज फ्री वर्ल्ड अभियान का हिस्सा है, जो दुनियाभर में बच्चों के अधिकार और सुरक्षित भविष्य के लिए संघर्ष कर रहा है बनवासी विकास आश्रम देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए देश के नागरिक समाज के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी का सहयोगी संगठन है। जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठन देश के 418 जिलों में जमीन पर बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण और बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ काम कर रहे हैं।

गिरिडीह के नगर भवन में चौथी इंडो नेपाल कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता शुरू

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वर्ल्ड फूनाकोशी शोतोकान कराटे झारखंड गिरिडीह और कपूर सिंह मॉडर्न मार्शल आर्ट अकादमी गिरिडीह के द्वारा चौथी इंडो नेपाल कराटे प्रतियोगिता का आयोजन गिरिडीह के नगर भवन में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भारत और नेपाल के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं इसका जानकारी वर्ल्ड फूना कोसी झारखंड के चीफ सेंसेई उज्जवल सिंह ने दी।

उज्जवल सिंह ने यह भी बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ झारखंड के खेल मंत्री संदीप कुमार सोनू जी के द्वारा किया जाएगा वही संघ के साथ संघ संरक्षक देवेंद्र सिंह, चुन्नू कांत, अमरजीत सिंह, सलूजा अध्यक्ष डॉ विजय सिंह और राजधनवार प्रखंड के प्रमुख श्री गौतम कुमार सिंह गिरिडीह कॉलेज के प्रोफेसर विनीता कुमारी एवं कई और लोग शामिल होंगे और कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे यह कार्यक्रम 13 से लेकर 14 सितंबर तक आयोजन किया गया है वहीं संघ के संरक्षक देवेंद्र सिंह कोच सहित सभी खिलाड़ियों को खिलाड़ियों स्वागत और अभिनंदन करने के लिए तैयार हैं।

पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग द्वारा जिले में समीक्षा बैठक सम्पन्न

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विभागवार सभी बिंदुओं पर की गई विस्तृत समीक्ष पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग द्वारा आज परिसदन भवन, गिरिडीह में जिले के सभी पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री जानकी प्रसाद यादव एवं सदस्य श्री नरेश वर्मा द्वारा की गई उपायुक्त रामनिवास यादव द्वारा पुष्पगुच्छ देकर माननीय अध्यक्ष एवं सदस्य का स्वागत किया गया।

अपर समाहर्ता, गिरिडीह द्वारा माननीय सदस्यों का बैठक में स्वागत करते हुए एजेंडानुसार सभी बिंदुओं के बारे में जानकारी दी गई। पिछड़े वर्गों के कल्याण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय, कौशल विकास, स्वरोजगार तथा आरक्षण से संबंधित प्रावधानोंके क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। आयोग ने विभागवार प्रस्तुत प्रतिवेदन पर विस्तृत चर्चा की साथ ही योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक पहुंचे इस हेतु

आवश्यक निर्देश दिए। पिछड़े वर्ग के नागरिकों के जाति आवासीय एवं नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र निर्गत हेतु लंबित आवेदनों की समीक्षा, प्राकृतिक आपदा से होने वाले मृत्यु तथा आर्थिक स्थिति में पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को प्रदान किए गए मुआवजा की समीक्षा छात्रवृत्ति, आरटीइ के तहत स्कूलों में नामांकन भू अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए आयोग के अध्यक्ष श्रीजानकी प्रसाद यादव ने कहा कि किसी भी योग्य लाभुक को कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े एवं सभी पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है जिसके लिए कई योजनाएं भी चलाई जा रही है परन्तु आवश्यकता है योजनाओं का धरातल पर शत प्रतिशत क्रियान्वयन करने का सभी पदाधिकारी जिम्मेदारीपूर्वक इसका निर्वहन करें बैठक के दौरान यह भी निर्देश दिया गया कि योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने के लिए अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभुक योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। आपदा के दौरान मिलने वाले मुआवजे से लोगों को अवगत कराया जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत दिए जाने वाले लाभ की समीक्षा की एवं मत्स्य, पशुपालन, गव्य विकास की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संचालित योजनाओं को जल्द से जल्द निर्धारित समय के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, अनुमंडल पदाधिकारी खोरी महुआ, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी गिरिडीह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी/ कर्मी उपस्थित थे।

डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को हिंदी दिवस पर मिला विश्व हिंदी रत्न सम्मान

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखण्ड के ख्याति प्राप्त कवि तथा वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को विश्व हिंदी दिवस पर सम्मानित किया गया है। नेपाल की प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा हिंदी दिवस के संदर्भ में आयोजित विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कविता के आधार पर डॉ ब्रजेश बर्णवाल को विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि सम्मान से प्रशस्ति पत्र सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

ज्ञात हो कि डॉ ब्रजेश बर्णवाल, गिरिडीह जिले में सरस्वती शिशु मंदिर बरगंडा में हिंदी आचार्य पद पर कार्यरत हैं इनकी सैकड़ों रचनाएं देश विदेश की विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिल चुके हैं। सम्मान ग्रहण करते हुए डॉ. ब्रजेश बर्णवाल ने कहा- हम सभी कवियों की

कविता का मूल्यांकन अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा होना गौरव का विषय है। शब्द प्रतिभा निष्ठा और लगन से देश विदेश के कवि, लेखक और साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने का कार्य करती आई है जो प्रशंसनीय है। आयोजित प्रतियोगिता में देश विदेश से हजारों प्रतिभागियों की सहभागिता थी जिसमें से उत्कृष्ट कविता के आधार पर 265 कवि कवयित्रियों का चयन किया गया है। डॉ. ब्रजेश बर्णवाल को सम्मानित करते हुए संस्था के अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने कहा- डॉ. ब्रजेश बर्णवाल बहुआयामिक व्यक्तिव के धनी लेखक और कवि हैं। इनके लेखन में एक सहजता सरलता पाई गई है समाज को रूपांतरण करने की क्षमता है इनकी कविताओं में। डॉ. ब्रजेश बर्णवाल जिले की ख्याति लब्ध रचनाकार हैं गद्य तथा पद्य विद्या में समान रूप से सृजन करती आई है। मंचों पर इनकी कविता सुनकर लोग झूम उठते हैं। इनकी एक काव्य संग्रह शीघ्र प्रकाशित होने वाली हैं। नेपाल से सम्मान की खबर पाकर डॉ ब्रजेश बर्णवाल के परिचितों ने शुभ कामनाएं प्रदान की हैं।

बिजली विभाग के जेई अमित कुमार, जनता का कार्य करने में हैं असफल : राजेश सिन्हा

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बिजली विभाग के एसी सकील जी ने कहा कि 2- 3 दिन में केबल के साथ ट्रांसफार्मर चालू होगा गिरिडीह नगर निगम बनखन्जो में 15 दिन से नया ट्रांसफॉर्मर लगाने के बाद भी नहीं मिला बिजली।

माले नेता राजेश सिन्हा पहुँचे जनता की आवाज पर गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र, बनखंजो बोरो इमारत पब्लिक स्कूल के पास 15 दिन पहले लगा ट्रांसफॉर्मर अब तक बेकार पड़ा था। कनेक्शन न मिलने से लोगों को भारी बिजली संकट झेलना पड़ रहा है। जनता की शिकायत पर माले नेता राजेश सिन्हा तुरंत मौके पर पहुँचे और बिजली विभाग एसी सकील अधिकारियों से बात किया गया, उन्होंने कहा कि 2-3 में सब ठीक हो जाएगा, केबल भी लगाने का मामला था अधिकारियों का आश्वासन 2-3 दिन में सभी कनेक्शन जोड़कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी, अब लोगों में उम्मीद जल्दी ही अंधेरा खत्म होगा, रोशनी लौटेगी। मो. अब्बास अंसारी, मो. अरमान, मो. सिराज, मो. बाबर, मो. तबारक, मो. सद्दाम अंसारी, मो. सलीम, मो. नुनमान मियां, मो. राजा आदि उपस्थित थे।

जिला परिषद की बैठक संपन्न

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त सभागार में जिला परिषद बोर्ड की बैठक हुई।

बैठक में सर्वप्रथम पिछली बोर्ड की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुपालन की समीक्षा की गयी साथ ही विभागवार समीक्षा के दौरान राजस्व संग्रहण एवं जनहित के कई एजेंडों पर निर्णय लिये गये। बैठक में निर्णय लिया गया कि सील हुए दुकानों का किराया जिनके द्वारा जमा नहीं कराया जा रहा है, उन्हें अंतिम नोटिस देते हुए उनके सामानों को जब्त करते हुए नीलाम पत्रवाद दायर करने की कार्रवाई की जायेगी। जिला परिषद में विलय होने के पश्चात डीआरडीए कर्मियों का वेतन नहीं आने की स्थिति में उनके दो माह का वेतन जिला परिषद निधि से देने का निर्णय लिया गया। कोयल आजीविका अप्रैल पार्क के बिजली बिल भुगतान करने का निर्णय लिया गया। इस तरह डाकबंगला, विभिन्न बहुउद्देशीय भवनों का मरम्मती कराने के पश्चात उसे किराए पर लगाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा के दौरन जिला परिषद सदस्य प्रमोद सिंह द्वारा यूरिया वितरण की जानकारी ली गयी तथा वितरण के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। इसपर जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जांच कमेटी बनाकर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। इसी तरह जिप सदस्य विजय रविदास द्वारा आंगनबाड़ी सेविका की सूची की मांग की गयी।बैठक में पड़वा प्रखंड में सीडीपीओ नहीं रहने से आंगनबाड़ी से संबंधित कार्यों का बाधित होने का मामला उठाया गया। जिप सदस्य प्रमोद सिंह द्वारा जर्जर बिजली के तार एवं पोल को दुरुस्त करने को लेकर आग्रह किया। इसी तरह विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई एवं विभिन्न निर्णय भी लिये गये।बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी,जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह सहित जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,विभिन्न जिला परिषद सदस्य सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीएनटी जमीन कब्जा मामले में फॉरवर्ड ब्लॉक ने अंचल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने आज गिरिडीह अंचल अधिकारी के नाम एक लिखित आवेदन देकर सदर प्रखंड के सेनादोनी पंचायत क्षेत्र में कोल आदिवासियों की सीएनटी जमीन पर कथित कब्जा मामले को लेकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, विद्युत अधीक्षण अभियंता के नाम भी कुछ गांवों में जले हुए ट्रांसफार्मर नहीं बदलने पर 12 सितंबर को आंदोलन का अल्टीमेटम दिया है इस बाबत श्री यादव ने कहा कि, कोल आदिवासी परिवारों ने उनकी जमीन पर कब्जा

किए जाने की शिकायत की है, जिसके बाद सदर प्रखंड के बुढ़ियाटांड़ में स्थानीय लोगों के साथ कोल आदिवासी परिवार के लोगों की भी एक मीटिंग हुई है, जिसमें भी उक्त बातों पर चर्चा हुई। इसलिए मीटिंग में की गई घोषणा अनुसार आज अंचल अधिकारी गिरिडीह के नाम लिखित ज्ञापन देकर उचित जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन को के नाम लिखित आवेदन देने के समय पीड़ित परिवार के कई सदस्य भी मौजूद थे। आवेदन देने के बाद फोन पर अंचल अधिकारी से बात भी की गई। कहा कि, इस आवेदन की प्रति राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग सहित अन्य कई जगहों पर भी भेजा जाएगा। दूसरी ओर श्री यादव ने कहा कि, विद्युत अधीक्षण अभियंता, गिरिडीह के नाम भी एक अल्टीमेटम दिया गया है, जिसमें कोवाड़ तथा मानिकबाद गांव में कई महीनो से ट्रांसफार्मर जला होने पर भी उसे नहीं बदलने के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए 11 सितंबर तक ट्रांसफार्मर नहीं बदलने पर 12 सितंबर को आंदोलन की बात कही गई है। आवेदन देने के समय मुख्य रूप से फॉरवर्ड ब्लॉक नेता मनोज कुमार यादव, विष्णु कोल, बिरजू कोल, राजेंद्र कोल, राजेश कोल सहित अन्य मौजूद थे।

अभिभावक-शिक्षक बैठक में बच्चों की उपस्थिति व शैक्षणिक विकास पर जोर

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, बरही (बुंडू) में शनिवार को विशेष द्वितीय अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, बरही प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष सह मलकोको पंचायत के मुखिया विजय कुमार यादव, विद्यालय प्रबंधक अशोक कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्र प्रबंधक गौरव कुमार तथा प्रभारी प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद मेहता सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर करीब 200 अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रभारी प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद मेहता ने स्वागत संबोधन करते हुए बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने पर अपने विचार रखे। बैठक में छात्र-छात्राओं की पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित करने, विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा हुई।

अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की पढ़ाई की गति को बढ़ाने और नियमित रूप से विद्यालय भेजने पर बल दिया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय केवाल में शिक्षक-अभिभावक बैठक सह साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। उत्क्रमित उच्च विद्यालय, केवाल में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक सह साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को और सुदृढ़ बनाने हेतु अभिभावकों से सक्रिय सहयोग की अपील की। इस दौरान उन्होंने कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल एवं कॉपी का वितरण किया गया।

मौके पर मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भूषण प्रताप सिंह, प्राचार्य अयोध्या कुम्हार एवं शिक्षकगण मथुरा प्रसाद, पीताम्बर प्रसाद, ऋषिकेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार, सुनीता कुमारी, पूनम कुमारी और बसंत कुमार शामिल हुए।

झारखंड में 20 लाख से अधिक वादों का निष्पादन, 925 करोड़ का सेटलमेंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के न्यायिक इतिहास में शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। राज्य के सभी न्यायालयों में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में एक ही दिन में 20,61,878 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें से 19,01,846 मामले प्री-लिटिगेशन स्तर पर और 1,60,032 लंबित वाद शामिल थे। वहीं झारखंड हाईकोर्ट में भी लंबित 48 मामलों का समाधान हुआ। इन मामलों में 9,24,93,44,880 रुपये का सेटलमेंट किया गया। सिर्फ रांची सिविल कोर्ट में ही 40,836 लंबित वाद और 2,08,097 प्री-लिटिगेशन मामलों का निष्पादन हुआ, जिससे लगभग 296 करोड़ 58 लाख 41 हजार 924 रुपये का निपटारा संभव हो सका।

उच्च न्यायालय से ऑनलाइन उद्घाटन

राष्ट्रीय लोक अदालत का ऑनलाइन उद्घाटन झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने किया, राज्यभर में कुल 288 पीठों का गठन किया गया था। केवल रांची में ही न्यायिक दंडाधिकारियों के लिए 34 बेंच और कार्यपालक दंडाधिकारियों के लिए 19 बेंच बनाई गई।

पीड़ितों को मिली राहत

लोक अदालत के अवसर पर झारखंड पीड़ित मुआवजा योजना के तहत 12 लाभुकों के बीच 27.15 लाख रुपये के चेक बांटे गए। वहीं वाहन दुर्घटना मुआवजा मामलों में 82 पीड़ितों को 8.70 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया।

इसके अतिरिक्त दीपाटोली स्थित केरकेट्टा ऑडिटोरियम से नालसा वीर परिवार सहायता योजना-2025 का भी वर्चुअल शुभारंभ किया गया। इस योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 14 लाख 51 हजार 714 रुपये की सहायता राशि विभिन्न पीड़ित परिवारों को प्रदान की गई।

पहले हुई थी व्यापक तैयारी

लोक अदालत को सफल बनाने के लिए पहले से ही व्यापक तैयारी की गई थी। इसके लिए न्यायिक अधिकारियों, बैंकों, बीमा कंपनियों, पुलिस और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बैठकें की गई थीं। इसका नतीजा रहा कि लाखों वादों का आपसी सहमति से निष्पादन हो सका और बड़ी संख्या में आम जनता को तत्काल न्याय मिला। इस तरह झारखंड की राष्ट्रीय लोक अदालत ने एक ही दिन में 20 लाख से अधिक मामलों के समाधान और 925 करोड़ रुपये से अधिक के सेटलमेंट कर न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में न्याय वितरण प्रणाली की प्रभावशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया।

झारखंड में छह दिन तक वर्षा-वज्रपात की आशंका, आईएमडी ने जारी किया यलो अलर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में अगले छह दिन तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के लिए 13 से 18 सितंबर तक येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान कहीं-कहीं गरज, आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। वहीं, कई जगहों पर वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। अलर्ट 18 सितंबर की सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहेगा।

15 सितंबर को 14 जिलों में विशेष अलर्ट

आईएमडी ने 15 सितंबर के लिए अलग से येलो अलर्ट जारी किया है। इस दिन राज्य के 14 जिलों — सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज — में गर्जन के साथ वर्षा-वज्रपात होने की संभावना है।

16 सितंबर को भारी बारिश का अनुमान

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि 16 सितंबर को हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में भारी वर्षा हो सकती है। इन जिलों में कहीं-कहीं 70 से 110 मिलीमीटर (7 से 11 सेंटीमीटर) तक बारिश दर्ज की जा सकती है।

क्या है येलो अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार येलो अलर्ट का अर्थ है — सावधान रहें और जरूरी सतर्कता बरतें। लोगों को खुले आसमान के नीचे खड़े होने से बचने, बिजली के खंभों, पेड़ों और ऊँची इमारतों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने आमजन से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

500 रुपये में मासूम की सौदेबाजी, रांची पुलिस ने बचाई चार वर्षीय अनमोल की जिंदगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। रांची के बीआईटी ओपी क्षेत्र से चार वर्षीय मासूम को महज 500 रुपये में बेच दिया गया। हालांकि, रांची पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्चा सुरक्षित बरामद कर लिया गया और इस घिनौने खेल में शामिल महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया।

महिला ने 500 रुपये में किया था सौदा

बीआईटी ओपी क्षेत्र निवासी चार वर्षीय अनमोल कुमार, पिता बबलू पंडित, माता गुड़िया देवी, अचानक गायब हो गया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस हरकत में आई। जांच के दौरान स्थानीय इनपुट पर पुलिस ने अनिता देवी नामक महिला को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ में उसने खुलासा किया कि उसने मात्र 500 रुपये लेकर बच्चे को जगतपाल करमाली के हाथों बेच दिया है।

शोरूम के बेसमेंट से मिला बच्चा

जगतपाल करमाली टोयोटा शोरूम में कार्यरत था। उसने बच्चे को छिपाने के लिए शोरूम के बेसमेंट का सहारा लिया और सहकर्मियों को बताया कि बच्चा उसके भाई का बेटा है। पुलिस टीम ने शोरूम में छापेमारी कर बच्चे को सुरक्षित बरामद किया।

पुलिस की तत्परता से लौटी मुस्कान

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश में गठित विशेष टीम ने न सिर्फ मासूम की जान बचाई, बल्कि आरोपियों को भी दबोच लिया। बच्चा सकुशल माता-पिता को सौंप दिया गया है। इस अमानवीय घटना ने समाज को झकझोर दिया है, लेकिन पुलिस की तत्परता ने मासूम के परिवार में फिर से मुस्कान लौटा दी।

सैनिकों को दी जाएगी कानूनी सहायता

सेल की शुरुआत, मुख्य न्यायाधीश ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पलामू। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर शनिवार को पलामू व्यवहार न्यायालय में सैनिकों और उनके परिजनों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए डेडिकेटेड सेल की स्थापना की गई। इस विशेष पहल का उद्घाटन झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद तथा मेजर जनरल सज्जन सिंह ने ऑनलाइन किया। यह सेल नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत खोला गया है। इसमें तीन पैनल अधिवक्ता और दो पीएलवी की तैनाती की गई है। इसका उद्देश्य सैनिकों व उनके परिवारों को शीघ्र और प्रभावी कानूनी मदद उपलब्ध कराना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 69,227 मामलों का निस्तारण

इसी दौरान पलामू व्यवहार न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 69,227 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें 63,401 प्री-लिटीगेशन और 5,826 लंबित मामलों का समाधान हुआ। अदालत में कुल 3 करोड़ 95 लाख 93 हजार 912 रुपये के दावों का निपटारा समझौते के आधार पर किया गया। प्री-लिटीगेशन मामलों में ही 1 करोड़ 13 लाख 90 हजार 670 रुपये का सेटलमेंट हुआ। लोक अदालत की कार्यवाही के लिए 15 अलग-अलग पीठ गठित किए गए थे।

न्याय तक आसान पहुंच

झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष दिवाकर पांडे की देखरेख में आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत ने हजारों पक्षकारों को राहत दी। साथ ही, डेडिकेटेड सेल की स्थापना सैनिक परिवारों के लिए न्याय तक पहुंच आसान बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगी।

किसान की मौत, चार मवेशियों की भी गई जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। जिले में शुक्रवार की शाम वज्रपात की दो अलग-अलग घटनाओं में एक किसान की मौत हो गई, जबकि चार मवेशी भी असमय काल का ग्रास बन गए। पहली घटना बारियातू थाना क्षेत्र के राजगुरु पहाड़ी के समीप हुई। यहां राजगुरु गांव निवासी गणेश गंझू उर्फ बिजली गंझू (42 वर्ष), पिता कैइल गंझू अपने मवेशियों को चराने के लिए गए थे। इसी दौरान अचानक वज्रपात हुआ और वे इसकी चपेट में आ गए। साथ मौजूद चरवाहों और ग्रामीणों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी। लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें घर लाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस ने शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे से मृतक की पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री का रो-रोकर बुरा हाल है। दूसरी घटना चंदवा प्रखंड के डुमारो पंचायत अंतर्गत उरांवटोली के छाताबर जंगल में हुई, जहां वज्रपात से चार मवेशियों की मौत हो गई।

2.28 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, अपाची बाइक भी जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। नगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.28 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। छापेमारी माल गोदाम रोड स्थित बीड़ी श्रमिक अस्पताल परिसर में की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कित्ताझोर निवासी मिंटू शेख के रूप में हुई है।

एसडीपीओ दयानंद आजाद ने प्रेस वार्ता में बताया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि माल गोदाम रोड में एक युवक ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री और सेवन कर रहा है। सूचना के आधार पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन उसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 11 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल वजन 2.28 ग्राम) बरामद की गई। इसके अलावा मौके से एक अपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नगर थाना कांड संख्या 245/25 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। छापेमारी दल में अंचल निरीक्षक सह दंडाधिकारी शंभू शरण दत्त, नगर थाना प्रभारी बबलू कुमार, दिलीप बास्की, अभिषेक कुमार, कुंदन कुमार, अंकित कुमार और गंगासागर समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे।

अपनी संतानों की सुख-समृद्धि एवं लंबी आयु की मनोकामना के साथ माताएं आज रखेंगी जितिया व्रत

माता के ममत्व और मातृत्व का पर्व है जितिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। माताएं अपने जीवित पुत्रों के सुख- समृद्धि , ऐश्वर्य और मंगल जीवन की कामना मन में लिए उनके दीर्घायु होने की मनोकामना पूर्ति के लिए आज जितिया का निर्जला व्रत रखी हैं। जितिया व्रत भारतीय सनातन संस्कृति में एक महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। जितिया व्रत जो माताओं के अपने संतान के प्रति असीम प्रेम और त्याग को दर्शाता है।जितिया व्रत, जिसे 'जीवित्पुत्रिका व्रत' के नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत माताओं के लिए विशेष महत्व रखता है। माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र, सुख, और समृद्धि के लिए इसे करती हैं। यह व्रत बड़े श्रद्धा और आस्था के साथ माताएं मनाती हैं। पुत्रों के संख्या के हिसाब से गले में जितिया जिसे चांदी या सोने के धातु में मढाकर माताएं धारण करती हैं।

पंचांग के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को यह व्रत रखा जाता है। इस वर्ष जितिया व्रत 14 सितंबर शनिवार को पड़ रहा है। जितिया व्रत बहुत कठिन होता है। इस दिन माताएं निर्जला उपवास रखकर व्रत करती हैं। यानी कि व्रती माताएं इस दिन 24 घंटे अन्न जल कुछ भी नहीं ग्रहण करेंगी।अगले दिन 15 सितम्बर को प्रातः काल पारण समय में व्रती माताएं प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलेंगी।

जितिया व्रत का महत्व

जितिया व्रत माताओं द्वारा अपने बच्चों की दीर्घायु और कल्याण की कामना के लिए कि जाती है।व्रत रखने वाली माताएं बिना अन्न- जल ग्रहण किए इस व्रत को करती हैं, जो उनकी संतान के प्रति असीम वेदना और ममता का प्रतीक है। माना जाता है कि यह मां के अपने संतान के प्रति स्नेह और ममत्व का प्रतीक पर्व है। जितिया व्रत की कथा महाभारत काल से जुड़ी मानी जाती है। कहा जाता है कि जीमूतवाहन नामक एक राजा थे, जो अपनी निःस्वार्थ सेवा और त्याग के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने नागवंश के लोगों की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना अपने आप को बलिदान करने के लिए तैयार हो गए। उनके इस निस्वार्थ भाव से प्रसन्न होकर देवताओं ने उन्हें वरदान दिया। माना जाता है कि तभी से जितिया व्रत रखने की परंपरा की शुरुआत हुई। इस व्रत में माताएं जीमूतवाहन की पूजन करती हैं और उनसे अपने संतान की रक्षा तथा उनके सुख - समृद्धि की कामना करती हैं। देखा जाए तो जितिया व्रत का धार्मिक महत्व के साथ-साथ इसके सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व भी हैं।

जितिया व्रत वैसे तो मूल रूप से 14 सितंबर को उपवास के साथ मनाया जाएगा लेकिन यह व्रत तीन दिनों तक चलता है। जिसमें पहले दिन 13 सितंबर को मातायें नहाए- खाए के साथ इस व्रत का रखना सुनिश्चित की थी। इस दिन माताएं नहाए खाए के साथ पवित्र भोजन ग्रहण करती हैं जिसमें लहसुन- प्याज या अन्य खाद्य पदार्थ जिसे व्रत रखने में अशुद्ध माना जाता है ऐसे चीजों का सेवन नहीं करती हैं। व्रत के दिन यानि दुसरे दिन माता निराहार निर्जल व्रत रखकर पूरे श्रद्धा और विश्वास के साथ जीमूतवाहन की पूजा करती हैं। व्रत के तीसरे दिन जब व्रत का समापन होता है जिसे पारण कहा जाता है माताएं पूरे विधि विधान से पूजा करने के पश्चात बनाए गए मूर्ति का विसर्जन कर स्नान पूजा कर प्रसाद ग्रहण करने के बाद अन्न - जल ग्रहण करती हैं।

जितिया व्रत विधि

हुलासगंज संस्कृत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य आचार्य डॉक्टर श्रीनिवास शर्मा जितिया व्रत रखने की विधि का विस्तार से जानकारी देते हुए बताते हैं कि जितिया व्रत के दिन सूर्योदय से पहले उठकर व्रती माताएं स्नान करें।फिर सूर्य देव को जल अर्पित करें। शाम में मिट्टी से चील और सियारिन की मूर्ति बनाएं और उनको भोग लगाएं।इसके बाद जीमूतवाहन की मूर्ति को धूपबत्ती और दीपक भी दिखाएं। इसके पश्चात् जितिया व्रत की कथा पढ़ें या सुने तत्पश्चात आरती करें।

व्रत के बाद अगले दिन सुबह सूर्योदय से पूर्व पारण करें। इस दिन मरुआ के आंटे की रोटी और नोनी साग बनाकर खाएं, सतपुतिया का सब्जी, कुशही मटर का तडका इत्यादि खाना भी शुभ और फलदाई माना जाता है।पारण के बाद पूजा में इस्तेमाल किया गया तेल अपने बच्चों के सिर पर लगाएं।

आधुनिक जीवन में भी कम नहीं हुआ है जितिया व्रत का महत्व

समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया है, लेकिन जितिया व्रत की परंपरा धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से आज भी माताओं के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है। मातृत्व की भावना, बच्चों के लिए स्नेह, प्रेम, उनके सुरक्षा और कल्याण के लिए माता का कठिन व्रत रखना यह प्रतिबद्धता मां और बेटे के प्रेम को और भी पवित्र बनाता है। वर्तमान समय में भी माताएं इस व्रत को उसी श्रद्धा के साथ रखती हैं, जैसे पहले व्रत रखा जाता था।

डोभी-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग के देवकली टोल प्लाजा पर मारपीट और लूटपाट का मामला आया सामने, जांच में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर(जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के टेहटा थाना क्षेत्र के देवकली टोल प्लाजा पर शुक्रवार की देर रात टोल कर्मियों से मारपीट एवं लूटपाट का मामला सामने आया है। इस मामले में टेहटा थाना की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। टेहटा थाना में टोल मैनेजर रंजन कुमार यादव द्वारा दिए आवेदन में उन्होंने कहा है कि जबसे उनकी कम्पनी टोल ली है तभी से ही कुछ स्थानीय लोगो द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में पूर्व में भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी, वहीं शुक्रवार की देर रात कुछ लोगों द्वारा उनके टोल पर आकर मारपीट किया गया और वाहनों को बगैर टोल लिए भगा दिया गया, साथ ही टोल बूथ से लगभग 40 हज़ार रुपया लूट लिया गया है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु टेहटा थाना में आवेदन दिया गया है। मामले में टेहटा थाने की पुलिस ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। पूरे मामले को लेकर टेहटा थाने की पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत : बिखरे परिवार में लौटी खुशियां, दंपती ने साथ रहने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को एक बिखरे परिवार के जीवन में फिर से खुशियां लौट आईं। पारिवारिक विवाद से अलग रह रहे दंपती ने आपसी गिले-शिकवे भुलाकर बच्चे के साथ साथ रहने का निर्णय लिया। मामला चैनपुर थाना क्षेत्र के कनकारी निवासी कन्हाई ठाकुर और उनकी पत्नी रेखा देवी से जुड़ा है। कन्हाई ठाकुर ने पत्नी को मायके से विदा कराने को लेकर सेक्शन-9 के तहत कुटुंब न्यायालय, पलामू में वाद दायर किया था। लंबे समय से चल रहे इस विवाद को राष्ट्रीय लोक अदालत में कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास के प्रयास से सुलझा लिया गया।

सुलह के दौरान पति-पत्नी ने एक-दूसरे को माला पहनाकर स्वागत किया और आगे कभी अलग न होने की शपथ ली। इसके बाद दंपती अपने बच्चे के साथ खुशी-खुशी घर लौट गए। लोक अदालत के इस फैसले ने न सिर्फ एक परिवार को टूटने से बचा लिया, बल्कि न्यायालय की पहल ने समाज के सामने आपसी समझौते और मेल-मिलाप की एक मिसाल भी पेश की है।

एसपी सहित कई लोगो ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। छत्रपति शिवाजी सेवा संस्थान के सचिव एवं बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक जितेंद्र प्रताप जीतू के जन्म दिवस पर सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान सेवा शिविर लगाया गया। 12 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। पहले रक्तवीर जिसमें नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने इस रक्तदान पर रक्तदान करके नवादा के युवाओं को मैसेज दिया और अपील किया कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से हर युवा को रक्तदान करना चाहिए। कुल 13 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था के सचिव जितेंद्र प्रताप जीतू ने बताया कि कई वर्षों से मैं अपने जन्मदिन पर और सालगिरह पर रक्तदान शिविर लगाते आ रहा हूं। छत्रपति शिवाजी सेवा संस्थान सर्व समाज से अपील करता है कि अपने जन्मदिन पर और शादी की सालगिरह पर पार्टी नहीं मना कर अगर रक्तदान शिविर लगाते हैं तो कई लोगों की जान बचती है। जितेंद्र प्रताप जीतू ने सभी रक्त वीरों को साधुवाद दिया और खुशी जाहिर करते हुए बताया कि मेरे जन्मदिन का असली तोहफा मुझे मिल गया। मौके पर मौजूद बजरंग दल के

जिला सहसंयोजक अनीश सिंह, कौशल यादव, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी जितेंद्र, स्वाभिमानी पतंजलि व भारत के राज्य कार्यकारिणी सदस्य शंभू शंकर, ब्लड बैंक प्रभारी डाक्टर विभूति कश्यप, ब्लड टेक्नीशियन मिथिलेश कुमार सिन्हा, जीएनएम शर्मिला देवी, लैब टेक्नीशियन जुली कुमार, काउंसलर शिल्पी कुमारी, ऑपरेटर राजीव रंजन आदि मौजूद थे।

हिंदी दिवस पूर्व संध्या पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। प्रखंड क्षेत्र के बलिया गांव स्थित उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को हैंड इन हैंड इंडिया द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति की क्षमता को प्रोत्साहित करना था। हिंदी दिवस जैसे अवसर न केवल भाषा के महत्व को रेखांकित करते हैं, बल्कि बच्चों को अपनी मातृभाषा पर गर्व करने और उसे सशक्त बनाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान हैंड इन हैंड इंडिया के परियोजना प्रबंधन राजेश कुमार तथा लेखापाल सुमंत कमार सिंह उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के

परिणामस्वरूप प्रथम स्थान कक्षा 10 की छात्रा बेबी कुमारी, द्वितीय स्थान कक्षा 9 की तनीषा कुमारी एवं तृतीय स्थान कक्षा 10 की प्रियंका कुमारी को प्राप्त हुआ। उत्तीर्ण सभी छात्राओं को संस्था द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमारी पहचान और संस्कृति की धरोहर है। इसे केवल एक भाषा के रूप में नहीं बल्कि अपने संस्कार और सभ्यता के प्रतीक के रूप में संरक्षित करना प्रत्येक छात्र का दायित्व है। उन्होंने छात्रों को मातृभाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं के अध्ययन पर भी बल दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिनमें रंजीत कुमार, गौतम कुमार, रीना रंजन , ज्योत्सना कुमारी, स्वाती कुमारी, शन्नी कुमार, सुधीर दास, अभिमन्यु कुमार पांडे, मोहम्मद कैफ, नीरज यादव, सराजूल आलम, कौशिक राज,चंद्रभूषण कुमार एवं नितेश उपाध्याय विशेष रूप से शामिल थे।

'अस्मिता महिला भारोत्तोलन' सिटी लीग का जहानाबाद में आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। भारतीय खेल प्राधिकरण एवं भारतीय भारतोलन महासंघ के दिशा निर्देश से बिहार भारोत्तोलन संघ द्वारा जहानाबाद के खेल भवन सह व्यायामशाला में शनिवार को 'अस्मिता महिला भारोत्तोलन सिटी लीग' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा पूनम कुमारी एवं बिहार भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा के द्वारा किया गया। इस दौरान बिहार भारोत्तोलन संघ के सचिव उपेंद्र कुमार, राज्य भारोत्तोलन संघ के विकास समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार केसरी, जहानाबाद जिला भारोत्तोलन संघ की अध्यक्ष सह भारतीय भारोत्तोलन संघ की कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर शिप्रा सोनी, उपाध्यक्ष पंकज कुमार कोषाध्यक्ष अंशु कुमार, तथा जिला भारोत्तोलन संघ के सचिव सह खेलो इंडिया कोच गिरिजेश कुमार मौजूद रहे। उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा ने अस्मिता महिला भारोत्तोलन लीग में भाग ले रहे खिलाड़ियों को जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे के शुभकामना संदेश से अवगत कराया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि जहानाबाद जिला भारोतोलन के क्षेत्र में लगातार राष्ट्रीय स्तर पर भी विजेता खिलाड़ी तैयार कर रहा है। इसमें जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला प्रशासन के प्रयासों के बारे में भी उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा के द्वारा बताया गया। साथ ही उनके द्वारा गिरिजेश कुमार के देखरेख मे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खेलो इंडिया स्माल सेंटर की पूरी टीम के प्रयासों की भी सराहना की गई। उन्होंने विश्वास जताया कि आज के इस लीग से न केवल महिला खिलाड़ियों में खेल के प्रति नई ऊर्जा का संचार होगा बल्कि इस तरह के आयोजनो से राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के संवर्धन को नई दिशा मिलेगी तथा जिले एवं राज्य को गौरवान्वित होने के अवसर मिलेंगे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर 1 एवं 2 के रेफरी मौजूद रहे, जिसमे राष्ट्रीय स्तर 1 रेफरी उपेंद्र कुमार, राष्ट्रीय स्तर 2 रेफरी में अभय सुंदर, मुकेश कुमार, डॉ. शिप्रा सोनी, जसू कुमारी, जिया कुमारी, कानन कुमारी, अमरजीत कुमार, अंशु कुमार, गोपाल खत्री और गिरिजेश कुमार ने इस स्पर्धा के टेक्निकल ऑफिशियल की भूमिका निभाई।

राजगीर का चप्पा-चप्पा एनडीए सरकार की विकास गाथा का प्रतीक : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री सह भाजपा विधायक डॉ. सुनील कुमार ने शनिवार को राजगीर ग्लास ब्रिज और जू सफारी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजगीर का चप्पा-चप्पा एनडीए सरकार की विकास गाथा का प्रतीक है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि बिहार ने पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार से पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को जोड़कर विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। वह पूरे देश के लिए एक मिसाल है। डॉ. सुनील कुमार ने सफारी ऑडिटोरियल में आयोजित कार्यक्रम में देशभर से आए प्रख्यात चिकित्सकों का स्वागत किया और उन्हें राजगीर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार लगातार पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है और राजगीर जू सफारी इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। यहां बाघ, शेर, तेंदुआ, भालू और हिरण जैसे वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण में संरक्षित किया गया है।

मंत्री डॉ सुनील कुमार ने कहा कि राजगीर जू सफारी एशिया का पहला जू सफारी है, जो न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। इसका निर्माण इस दृष्टिकोण से किया गया है कि पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा सके। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियों का विस्तार और वैश्विक स्तर पर राजगीर की पहचान और मजबूत हुई है। ग्लास ब्रिज का भी जिक्र करते हुए डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि यह आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत संगम है। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल रोमांच का अनुभव करते हैं बल्कि आसपास की पर्वतीय श्रृंखलाओं और हरियाली से भी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार ने इसे सुरक्षित और आकर्षक बनाने में विशेष ध्यान दिया है। जिससे यह देश-विदेश के पर्यटकों का केंद्र बन गया है। डॉ. सुनील कुमार ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि राजगीर का महत्व केवल पर्यटन तक सीमित नहीं है। यह स्थल बौद्ध, जैन और मगध साम्राज्य की गौरवशाली परंपरा से भी जुड़ा हुआ है। यहां भ्रमण कर न केवल शांति और सुकून की अनुभूति होती है बल्कि यह आत्मा को भी आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। यही कारण है कि राजगीर हर दृष्टिकोण से बिहार की पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। आगामी दुर्गा पूजा 2025 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, सदर व बरही एसडीओ सहित सभी संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि दुर्गा पंडाल मजबूत बनाए जाएं और समय रहते भवन प्रमंडल, विद्युत विभाग तथा अग्निशमन विभाग से समन्वय स्थापित किया जाए। प्रत्येक पंडाल में पुरुष व महिला प्रवेश-निकासी की अलग व्यवस्था होगी। थमाकील व नायलॉन कपड़े का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा तथा आयोजकों को छोटे अग्निशमन यंत्र लगाने होंगे। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, कूड़ा प्रबंधन और सीसीटीवी कैमरे लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। पंडालों के आसपास खाने-पीने के स्टालों पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा नियमित जांच व कार्रवाई होगी। यातायात को सुचारू रखने के

लिए बैरिकेडिंग और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। भड़काऊ व अश्लील गानों पर रोक रहेगी। अवैध शराब, अफीम व नशाखोरी पर रोक लगाने हेतु उत्पाद विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जबरन चंदा वसूली पर भी सख्त रोक लगाने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ नागरिक सुरक्षा संहिता 126 के तहत कार्रवाई की बात कही गई। साइबर सेल के माध्यम से सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जाएगी, वहीं पंडाल व आसपास की सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरा व वीडियोग्राफी की व्यवस्था की जाएगी। प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा व बचाव व्यवस्था जिला प्रशासन सुनिश्चित करेगा।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया जाए, डीजे व आयोजकों के साथ बैठक कर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएं, मेडिकल प्लान थाना स्तर पर तैयार किया जाए और थाना प्रभारी व सीओ संयुक्त रूप से पंडालों का निरीक्षण करें। नगर निगम को स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने और खाद्य सुरक्षा टीम को नियमित जांच के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग को एडवाइजरी जारी कर पंडाल व आसपास सुरक्षा पुख्ता करने को कहा गया।अंत में उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने स्पष्ट किया कि सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो ताकि दुर्गा पूजा 2025 शांति, सौहार्द और व्यवस्था के साथ संपन्न हो सके।

मानगढ़ विद्यालय में साइकिल वितरण, बच्चों के चेहरे खिले

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के पंचायत मानगढ़ स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शनिवार को साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रंजीत सिंह ने छात्र-छात्राओं को साइकिल प्रदान की।

रंजीत सिंह ने कहा कि इस योजना से बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सहूलियत होगी और वे समय पर स्कूल पहुंच पाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बेटे-बेटियों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें ताकि शिक्षा के क्षेत्र में उनका भविष्य संवर सके।

साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्राओं के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ अभिभावक भी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने वाला सराहनीय कदम बताया।

चौपारण में अवैध कोयला तस्करी पर शिकंजा, ट्रक जप्त

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण में अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ प्रादेशिक वन विभाग ने बीती रात बड़ी कार्रवाई की। गुप्त सूचना पर गठित विशेष दल ने जीटी रोड पर घेराबंदी कर कोयला लदा ट्रक (संख्या JH 02 AB 1029) जप्त किया। यह कार्रवाई देर रात करीब 2 बजे शुरू हुई और 3 बजे ब्लॉक मोड़ के पास ट्रक को पकड़ लिया गया। हालांकि, चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

वनपाल पंकज कुमार ने जानकारी दी कि डीएफओ मौन प्रकाश को सूचना मिली थी कि विष्णुगढ़ के जंगल से कोयला निकालकर बिहार भेजा जा रहा है। उसी के आधार पर यह छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि अब तक कुल पांच ट्रक जब्त किए जा चुके हैं और अभियान लगातार जारी रहेगा। अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जप्त ट्रक को कड़ी मशक्कत के बाद रेंज कार्यालय लाया गया और चालक समेत अन्य के खिलाफ वन वाद दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार, इस अवैध कारोबार में बिहार के कई वाहनों की भी संलिप्तता सामने आई है। ग्रामीणों ने विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की और उम्मीद जताई कि इससे जंगल और पर्यावरण की लूट पर रोक लगेगी। वहीं, कई लोगों ने यह सवाल भी उठाया कि वर्षों से जारी तस्करी पर अब जाकर कार्रवाई क्यों हो रही है। साथ ही यह चर्चा भी रही कि घेराबंदी के बावजूद चालक कैसे भाग निकला। छापेमारी दल में वनपाल पंकज कुमार, वनरक्षी कृष्ण कुमार, अजीत गंझु और विभाग के दैनिक कर्मी शामिल थे। वन विभाग ने साफ किया कि दोषियों को किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा।

उपायुक्त ने बरकट्ठा प्रखंड में योजनाओं व स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न योजनाओं, पंचायत सचिवालयों और स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिलाडीह पंचायत के बाराडीह ग्राम में आम बागवानी योजना का अवलोकन किया और लाभुक से संवाद कर पौधों की देखभाल व संवर्धन के लिए आवश्यक सलाह दी। उपायुक्त ने बागवानी हेतु किए गए गड्ढों की गहराई, योजना की राशि और अन्य पहलुओं की बारीकी से जांच की तथा बीडीओ और संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने बेलकपी पंचायत सचिवालय का निरीक्षण कर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार सीडिंग, आवास योजना और विवाह पंजीयन सहित विभिन्न

रिकॉर्ड की समीक्षा की। सचिवालय सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बरकट्ठा स्थित सूर्यकुण्ड का भी उन्होंने अवलोकन किया और परिसर की सफाई, जाली निर्माण एवं सोलर सिस्टम की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। लैंढी नदी निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों द्वारा पुल निर्माण की मांग पर उपायुक्त ने ग्राम सभा कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। उनका मानना है कि पुल बनने से गोरहर पंचायत का शिलाडीह और बेलकपी पंचायत से बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होगा।

बरकट्ठा स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने जन्म-मृत्यु पंजीकरण, डॉक्टरों की उपलब्धता, जीवन रक्षक दवाओं का स्टॉक, वैक्सीन्स, जांच गृह और ओपीडी संचालन की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने मरीजों से संवाद कर सेवाओं की प्रतिक्रिया भी ली और स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों का वेतन समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और अधिक मरीज आने वाले क्षेत्रों के पानी का सैंपल जांचने का निर्देश दिया। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य, पंचायत सेवाओं और बागवानी योजनाओं सहित प्रखंड के समग्र विकास कार्यों को प्रभावी व सुचारू रूप से लागू करने के लिए अधिकारी सतत और गंभीरता से कार्य करें।

चौपारण में नकली मिठाई धंधा उजागर सेहत के साथ खिलवाड़ पर उठे सवाल

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के कई होटलों और दुकानों में मिठाई की बिक्री के नाम पर लोगों की सेहत से खुला खिलवाड़ किया जा रहा है। गिरिडीह के डुमरी और बिहार के डोभी, गया से आए कुछ कारोबारी धड़ल्ले से नकली व घटिया मिठाई की सप्लाई कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वे बच्चों के लिए मिठाई खरीदते हैं, लेकिन असल में उन्हें जहरीला व स्वास्थ्य के लिए खतरनाक सामान परोसा जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खराब और सड़ी-गली मिठाइयों को रासायनिक प्रक्रिया से दोबारा तैयार कर बेचा जा रहा है। इसे स्थानीय स्तर पर फाइटर मिठाई कहा जाता है, जो पाचन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करने के साथ बच्चों और बुजुर्गों की जान तक जोखिम में डाल सकती है।

जानकारी के अनुसार, चौपारण बाजार के कई खीरमोहन दुकानों पर हजारीबाग से आई टीम ने जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि खराब खीरमोहन को फिल्टर कर फिर से बाजार में बेचा जा रहा है। जांच टीम ने कई जगहों से नमूने एकत्र किए हैं और कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

ग्रामीणों व सामाजिक कार्यकताओं ने प्रशासन से तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि चौपारण में मिठाई के नाम पर जहर परोसा जा रहा है और प्रशासन अब तक मूकदर्शक बना हुआ है। खबर लिखे जाने तक जांच जारी थी।

पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल, पटना में जल्द ही मिलेगी लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा

पटना/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अब बिहार के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल, पटना में अब इसकी विधिवत सुविधा मिलेगी ये बातें लिवर ट्रांसप्लांट एंड जीआई सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. वैभव कुमार मिश्रा ने हॉस्पिटल परिसर में शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से जल्द ही लिवर ट्रांसप्लांट का लाइसेंस मिल जाएगी, जिसके बाद मरीजों को बाहर के राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। लिवर प्रत्यारोपण में हालिया प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाएँ एंव लिवर प्रत्यारोपणः कौन, कब और क्यों? पर सीएमई का भी आयोजन होटल मोर्या मे किया गया है जिसमे प्रदेश भर के सैकड़ो डॉक्टरों ने भाग लिया।

> ■ लिवर ट्रांसप्लांट के लिए जल्द ही मिल जाएगी हॉस्पिटल को लाइसेंस
>
> ■ बिहार, झारखंड, नेपाल समेत आस-पास के इलाकों के मरीजों को होगी सुविधा

इस अवसर पर हॉस्पिटल के जोनल डाइरेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल, पटना में इससे पहले लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी की सुविधा थी, जहां लिवर संबंधित स्क्रीनिंग और काउंसेलिंग होती थी। लाइसेंस मिलने के बाद बिहार, झारखंड सहित नेपाल और आस-पड़ोस के मरीजों को भी सुविधा हो जाएगी साथ ही बताया कि रविवार को निःशुल्क लिवर ट्रांसप्लांट परामर्श शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें लिवर से संबंधित सभी प्रकार के बिमारी का परामर्श निःशुक्ल होगा साथ ही लैब और रेडियोलॉजी सेवाओं पर 50% की बड़ी छूट भी दी जाएगी।

इस मौके पर लिवर ट्रांसप्लांट एंड जीआई सर्जरी के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. अंकुर गंग, डॉ. कपिलदेव यादव, गैस्ट्रो टीम से डॉ सत्यम सिंहा, डॉ. करण भार्गव, डॉ. शाहिद सिद्दीकी ने भी अपने अनुभव साझा किए।

पारस एचएमआरआई के बारे में

पारस एचएमआरआई पटना ने 2013 में परिचालन शुरू किया। यह बिहार का पहला कॉर्पोरेट अस्पताल है जिसके पास परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा लाइसेंस प्राप्त कैंसर उपचार केंद्र है। जून 2024 में एक्सेस किए गए एनएबीएच पोर्टल के अनुसार, पारस एचएमआरआई अस्पताल, पटना 2016 में एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने वाला बिहार का पहला अस्पताल था। 30 सितंबर 2024 तक इस अस्पताल की बेड क्षमता 350 बेडों की है, जिसमें 80 आईसीयू बेड शामिल हैं।

विधायक प्रदीप ने जनता दरबार में सुनी समस्याएँ अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने शनिवार को अपने कार्यालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया। यह उनका नियमित कार्यक्रम है, जिसमें आम लोग सीधे अपने जनप्रतिनिधि से मिलकर समस्याएँ रखते हैं और समाधान की उम्मीद करते हैं।

जनता दरबार में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से पहुँचे नागरिकों ने सड़क, नाली, बिजली, जलापूर्ति, पेंशन, राशन, स्वास्थ्य सेवाओं और स्थानीय प्रशासनिक कार्यों से जुड़ी समस्याएँ रखीं। विधायक ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक ने कहा कि जनता की परेशानी को टालना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि हजारीबाग की जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जनता की अपेक्षाएँ उनकी ताकत हैं और जनता का विश्वास ही उन्हें सेवा और विकास के लिए प्रेरित करता है।

विधायक ने भरोसा दिलाया कि जनता दरबार से प्राप्त हर समस्या पर संज्ञान लिया जाएगा और समाधान तक निगरानी रखी जाएगी।

इस अवसर पर आराभुसाई मुखिया आदित्य दाँगी, पूर्व जिला परिषद सदस्य कालेश्वर रजक, कुमुद गुप्ता, रामअवतार शर्मा, सदर प्रखंड के विधायक कार्यालय प्रतिनिधि बिरजू रवि सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल का 32वां अधिवेशन सम्पन्न

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरीडीह। आज बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल का 32वां अधिवेशन, संगम गार्डन होटल, गिरीडीह में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता हेमंत मिश्रा ने किया पूर्वांचल बीमा कर्मचारी संघ के सहायक सचिव अनिल कुमार के द्वारा अधिवेशन का उदघाटन किए पूर्वांचल बीमा कर्मचारी संघ के सहायक सचिव राजीव शंकर और पटना मंडल के अध्यक्ष अशोक प्रसाद अतिथि के रूप में उपस्थित थे अधिवेशन के कन्वेनर धर्म प्रकाश थे कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को बुके देकर किया गया।

सीसीएल डीएवि स्कूल के बच्चियों के द्वारा स्वागत गाना पेश किया गया। कोलायांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज गिरिडीह तथा आविष्कार डायग्नोस्टिक के द्वारा हजारीबाग मंडल के एल आई सी के 20 शाखाओं से आए 400 से अधिक डेलीगेट और आब्जर्वर का ब्लड शुगर और एचबीए 1 सी का जॉच किया गया। बीएसएसआर यूनियन के द्वारा मेडिसीन कैंप लगाया गया। महासचिव जेसी मित्तल के द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियां, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के निजीकरण का आक्रमण और मेहनतकश लोगों के कड़ी मेहनत से अर्जित अधिकारों पर हमलों के जरिये श्रमिक कानूनों को नियोक्तापरक बनाने और सार्वजनिक सम्पदाओं को चहेते पूंजीसखाओं के हाथ में लूटने की बनाई विनाशकारी अर्थव्यवस्था के विरोध में बैठक में चर्चा की गई। आप अवगत हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा उद्योग पर हमले में कोई कमी नहीं आई है, सरकार संसद के आगामी सत्र में बीमा कानून संशोधन विधेयक पेश करने पर आमदा है। विधायक का ढांचा वित्तीय सेवा विभाग के नवंबर 2024 के प्रस्ताव पर आधारित है। इसमें तीन कानून बीमा अधिनियम 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 और बीमा विनियम विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 में संशोधन लाने का प्रस्ताव है। इन प्रस्ताव में सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा उद्योग को राष्ट्रीयकरण से पहले के दिनों में वापस ले जाने की क्षमता है ।दीपम के सचिव अरुनिश चावला ने हाल ही में कहा है कि सरकार आने वाले महीना में ऑफर फॉर सेल के जरिए एल आईसी में 6.5% हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है ।इसी तरह से सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों का निजीकरण भी सरकार की मेज पर है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को 74% से बढ़कर 100% करने की सरकार की जिद समझ से परे है। क्योंकि विदेशी बीमा कंपनियां भारत की बीमा क्षेत्र में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिख रही हैं। नतीजन बीमा उद्योग में वास्तविक एफडीआई अनिवार्य 74% के मुकाबले केवल 32% के आसपास है।इसी तरह एल आईसी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती एक ऐसा मुद्दा है जिसका समाधान लंबे समय से मांगा जा रहा है एलआईसी के कुल कर्मचारियों की संख्या में चिंताजनक गिरावट आई है लेकिन तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या में यह गिरावट और भी अधिक है। 31 मार्च 1995 से 31 मार्च 2024 के बीच एलआईसी में पॉलिसीयों की संख्या में 410% की वृद्धि हुई है जबकि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या में 49% की गिरावट आई है। इसलिए एलआईसी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती की मांग पर अपना-अपना अभियान और संघर्ष तेज करना होगा। देश के सभी सरकारी सार्वजनिक क्षेत्र में खाली पड़े लाखों पदों पर भरती की एक साथ उठने वाली मांग एलआईसी में हमारी नयी भारती की मांग को ताकत देग.। भारत सरकार 29 मौजूद श्रम कानून को मिलाकर नए चार श्रम संहिता लाई है इसका मुख्य उद्देश्य संसाधनों को आम लोगों से अमीरों तक स्थानांतरित करना है।

श्रम संहिताओं का उद्देश्य संघर्ष के माध्यम से श्रमिकों द्वारा हासिल किए गए सीमित अधिकारों को छीनकर अमीरों के लिए अधिक से अधिक मुनाफा सुनिश्चित करना है। यह कानून वास्तव में अमीरों के लिए अधिक से अधिक मुनाफा सुनिश्चित करने के लिए गरीब मेहनतकश लोगों के विशाल बहुमत पर हमला करता है। यह वर्ग षड्यंत्र है जिसे समझना होगा। देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई व कम होती मजदूरी के कारण लोगों की बीमा खरीदने की क्षमता में होती गिरावट हमारे उद्योग को गंभीरता से प्रभावित कर रही है एलआईसी के आईपीओ और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के खिलाफ हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार इसके शेयरों को बेचने के बीमाधारक विरोधी निर्णय का परित्याग नहीं कर देती आज हमारी मुख्य समस्या बेतहाशा महंगाई प्रचंड बेरोजगारी गरीबी। भूखमरी, शिक्षा और स्वास्थ्य की गंभीर समस्या को और विकराल करता सरकार की इन क्षेत्रों में निजीकरण की नीतियों को लागू करना, किसानों की बदहाली और देश की परिसंपत्तियों का अत्यधिक केन्द्रीयकरण किया जाना है। पर यह सरकार सांप्रदायिक उन्माद और नफरत फैला कर इन मूल मुद्दों से देश के आम लोगों का ध्यान भटका कर अपनी तमाम जन विरोधी नीतियों को लागू करने के अभियान पर अग्रसर है। सरकार की ये तमाम नीतियाँ संविधान की मूल प्रस्तावना के विपरीत हैं क्योंकि ये लोक कल्याणकारी की चरित्र से हट कर अपने कुछ प्रिय चंद कोपोरेट घरानों के मुनाफाखोरी के हित साधन हेतु लाये जा रहे हैं। इसी कड़ी का एक कदम है एलआईसी का विनेविशीकरण एवं बीमा उद्योग में 100% एफडीआई की नीति कोषाध्यक्ष विजय चौबे ते द्वारा वर्ष 2024 के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया अधिवेशन को उपाध्यक्ष अरविंद कुमार और अजीत मिंज , संयुक्त सचिव रामायण गुप्ता सुशील सिंह और शंकर कुमार, सांगठनिक सचिव अमित कुमार राकेश शर्मा, सहायक सचिव अर्जुन तिवारी राजेश शर्मा सहित कई पदाधिकारीयो तथा शाखा सचिवों के द्वारा संबोधित किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय शर्मा विजय कुमार राजेश कुमार उपाध्याय उमानाथ झा कुमकुम बाला वर्मा स्वेता प्रीतम कुमार रोशन कुमार राजेश कुमार विजय कुमार नीरज सिंह स्वेता कुमारी अंशु कुमारी सिंघानिया नीतीश गुप्ता देवनाथ दास प्रभाष शर्मा अभय कुमार सुनील कुमार वर्मा पंकज कुमार गौरव सिंह माहेश्वरी वर्मा प्रदीप कुमार प्रदीप प्रसाद संजय कुमार शर्मा विजय मंडल संजय गुप्ता सहित गिरिडीह के तमाम कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल ने जेएमएस राइजिंग पब्लिक स्कूल को 3-0 से हराया

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

बरही (हजारीबाग)। सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल और जेएमएस राइजिंग पब्लिक स्कूल के बीच फुटबॉल का रोमांचक मैच हुआ। जिसमें सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल ने 3-0 से जीत हासिल किया। इस मैच में पहला गोल अनुज कुमार क्लास 8, दूसरा गोल पीयूष कुमार क्लास 5 और तीसरा गोल चंदन कुमार क्लास 8 के द्वारा किया गया। सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल के खेल टीचर अजय कुमार जीत की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी।

सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल के प्लेइंग 11 में कुणाल कुमार (कैप्टन), अमित कुमार (उप कप्तान), चंदन कुमार, रोशन कुमार (गोलकीपर), अनुज कुमार, दीपेश कुमार, रितिक कुमार ,पीयूष कुमार, आनंद कुमार, रोबिन कुमार, सूरज कुमार ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। मौके पर आयुष कुमार ,रोशन कुमार, सूरज कुमार ,चंदन कुमार, रोहित कुमार, मनीष कुमार, शिवम कुमार, कुलदीप कुमार, सतीश कुमार, आसिफ अंसारी, सूरज कुमार, रोशन कुमार, सोनू कुमार मौजूद रहे।

संविधान देश का मौलिक कानून : रविशंकर प्रसाद

बी डी कॉलेज द्वारा भुवनेश्वरी दयाल व्याख्यानमाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी डी कॉलेज द्वारा शनिवार को भुवनेश्वरी दयाल व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला की पहली कड़ी में मुख्य वक्ता पटना साहिब के सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और संविधान विशेषज्ञ रविशंकर प्रसाद रहे। अन्य अतिथियों में विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो गिरीश चौधरी, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह और मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शशि प्रताप शाही उपस्थित थे। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि संविधान देश का मौलिक कानून है और भारत अपने 75 वर्षों के संवैधानिक सफ़र में लगातार परिपक्व हुआ है। उन्होंने संविधान की मूल प्रति सभागार में दिखाते हुए बताया कि भारत का संविधान यहां की सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाता है। यह केवल भौगोलिक आईडिया नहीं बल्कि सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि संविधान का निर्माण ऐसे समय में हुआ जब देश आजादी के तुरंत बाद तनाव के दौर से गुजर रहा था। इस क्रम में राजेंद्र प्रसाद और सरदार पटेल जैसे नेताओं के योगदान को उन्होंने विशेष रूप से याद किया। उन्होंने बताया कि आज विश्व के 36 प्रतिशत हिस्से पर लोकतंत्र कायम है जिसमें भारत का हिस्सा 17 प्रतिशत है। प्रो गिरीश चौधरी ने उच्च शिक्षा की गिरती स्थिति पर चिंता जताई और शिक्षकों को इसे सुधारने का दायित्व निभाने की बात कही। प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने कर्तव्य पालन के माध्यम से देश सेवा करने का आह्वान किया। प्रो शशि प्रताप शाही ने प्रो रत्ना अमृत की कार्यशैली की सराहना की और कहा कि ए एन कॉलेज को नैक से ए प्लस ग्रेड दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बी डी कॉलेज को पटना का अग्रणी संस्थान बनाने के लिए सामूहिक प्रयास पर बल दिया। प्रो रत्ना अमृत, प्रधानाचार्या बी डी कॉलेज ने एक माह की अवधि में किए गए कार्यों जैसे एमएसटीसी से एमओयू, नैक की तैयारी के लिए आईक्यूएसी का गठन आदि की जानकारी दी और कॉलेज को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। संचालन डॉ दिव्या कुमार ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित कुमार ने दिया। कार्यक्रम का प्रायोजन इंडियन बैंक द्वारा किया गया।

बांका के कटोरिया में बनेगा चौथा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में साल में औसतन 20 हजार सिपाहियों की बहाली की जा रही है। इन्हें समुचित प्रशिक्षण देने के लिए नए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करने की कवायद भी शुरू हो गई है। इसके तहत ही बांका जिला के कटोरिया में चौथा पुलिस ट्रेनिंग केंद्र की स्थापना होने जा रही है। इसके लिए 51.40 एकड़ जमीन को ट्रांसफर करने की स्वीकृति दे दी गई है। वर्तमान में दो पुलिस प्रशिक्षण केंद्र डुमरांव और नाथनगर (भागलपुर) में मौजूद है। तीसरे केंद्र के लिए सिमुलतला में स्वीकृति पहले से मिली हुई है। इसका निर्माण भी जल्द पूरा होने के बाद यह चालू हो जाएगा। चौथा केंद्र कटोरिया में बनने जा रहा है।

इस मामले में एडीजी (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने बताया कि वर्तमान में मौजूज सिपाही प्रशिक्षण केंद्रों में 11 हजार सिपाहियों के प्रशिक्षण की क्षमता है। जबकि हर वर्ष 20 हजार के आसपास सिपाहियों की बहाली हो रही है। अभी इनकी ट्रेनिंग अलग-अलग बीसैप की वाहिणियों समेत अन्य स्थानों पर कराया जा रहा है। ट्रेनिंग केंद्रों के चालू होने से सिपाहियों का प्रशिक्षण समुचित तरीके से हो सकेगा। उन्होंने बताया कि बांका में बनने वाले इस सिपाही प्रशिक्षण केंद्र में सिपाहियों का बुनियादी प्रशिक्षण के अलावा समय-समय पर दिने जाने वाले सेवाकालीन प्रशिक्षण भी कराया जाएगा। एडीजी ने बताया कि सिपाही प्रशिक्षण केंद्र के अलावा अन्य पुलिस प्रतिष्ठानों के भवनों के निर्माण की भी स्वीकृति दी गई है। पुलिस की आधारभूत संरचना को सुधारने का प्रयास निरंतर जारी है।

पर्यावरण मंत्री डॉ सुनील कुमार ने किया ग्लास ब्रिज और जू सफारी का भ्रमण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ सुनील कुमार ने शनिवार को नालंदा स्थित राजगीर के ग्लास ब्रिज और जू सफारी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजगीर का चप्पा-चप्पा एनडीए सरकार की विकास गाथा का प्रतीक है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि बिहार ने पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार से पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को जोड़कर विकास की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, वह पूरे देश के लिए एक मिसाल है। डॉ. सुनील कुमार ने सफारी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में देशभर से आए प्रख्यात चिकित्सकों का स्वागत किया और उन्हें राजगीर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार लगातार पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, और राजगीर जू सफारी इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। यहां बाघ, शेर, तेंदुआ, भालू और हिरण जैसे वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण में संरक्षित किया गया है। मंत्री ने कहा कि राजगीर जू सफारी एशिया का पहला जू सफारी है, जो न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है।

पीएम की यात्रा में जीविका दीदियों का कंडक्टर बनना शिक्षकों की मजबूरी : राजेश राठौड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष राजेश राठौड़ ने एनडीए सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर 2025 को प्रस्तावित पूर्णिया दौरे के लिए की जा रही व्यवस्था की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा यह क्या नौटंकी है? बिहार सरकार 200 बसों में जीविका दीदियों को सभा स्थल तक ले जाने और वापस लाने के लिए शिक्षकों को जबरन कंडक्टर बनने पर मजबूर कर रहे हैं। शिक्षक, जो बच्चों का भविष्य संवारते हैं, उन्हें अब भीड़ जुटाने और टिकट चेक करने का ठेका दिया जा रहा है। यह बिहार के शिक्षा तंत्र का खुलेआम मखौल है। राठौड़ ने तंज कसते हुए कहा, लगता है एनडीए का 'विकसित बिहार' का सपना यही है- स्कूलों को ताला लगाओ, शिक्षकों को बस की खिड़की पर बिठाओ और बच्चों को सड़कों पर छोड़ दो! अगर यही सुशासन है तो बिहार की जनता को ऐसी तरक्की की जरूरत नहीं। पहले शिक्षकों को वेतन के लिए तरसाया, अब उनकी गरिमा को रैली की बसों में कुचलने की साजिश-यही है बीजेपी का असली चेहरा। अब शिक्षकों को जबरन रैली में ढकेलकर क्या साबित करना चाहते हैं कि बिहार में घोटालों की फेहरिस्त में शिक्षा का दुरुपयोग भी जुड़ जाए। एक तरफ हिंदू-मुस्लिम की बातें करके वोट की खेती, दूसरी तरफ शिक्षकों को कंडक्टर बनाकर लोकतंत्र का मजाक- यह है एनडीए का डबल ड्रामा। एक वक्त था जब चोर शरीफों को खदेड़ते थे, अब शरीफ शिक्षकों को रैलियों में खदेड़ने की तैयारी है। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का एसआईआर ठीक नहीं हो सकता, दो वोटर आइडी के साथ 420 का खेल चला रहे हैं और ऊपर से रुपया गिरा रे... महंगाई का बोझ और रैलियों का यह तमाशा-यही है मोदी सरकार का 'अच्छे दिन' का नमूना! 'वोट चोर दस्ता' तो तैयार है, लेकिन जनता अब इनके फ्लॉप बंद और फ्लॉप साजिशों को नाकाम कर देगी। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की राहुल गांधी जी की वोटर अधिकार यात्रा में जनता का सैलाब देखकर ये घबरा गए हैं।

डॉ. बी. झा मृणाल पुनः भाजपा प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक नामित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल एवं संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया के निर्देश पर डॉ. बी. झा मृणाल को भाजपा प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ का दोबारा प्रदेश संयोजक नामित किया गया। डॉ. मृणाल की कुशल नेतृत्व क्षमता की वजह से उन्हें भाजपा नेतृत्व द्वारा दूसरे कार्यकाल के लिए मनोनीत किया गया है। इसके साथ ही डॉ. मृणाल द्वारा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्य समिति के सदस्यों की भी घोषणा की गई है। डॉ. मृणाल ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में नवगठित चिकित्सा प्रकोष्ठ के सभी मनोनीत पदाधिकारी, सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए पार्टी के नीति निर्देश, लोकहित के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने नवगठित चिकित्सा प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मजबूत व सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट तैयार करें छात्र : सत्य कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सोशल मीडिया आज हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। विद्यार्थी वर्ग इसका सबसे अधिक उपयोग करते हैं इसलिए इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को समझना आवश्यक है। छात्र अपना मजबूत व सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट तैयार करें ताकि भविष्य में उनके करियर पर इसका अच्छा प्रभाव पड़े। उक्त बातें बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क पदाधिकारी सत्य कुमार ने कही, वे शुक्रवार को संजय गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी, पटना में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत नवप्रवेशित बी.टेक. (डेयरी टेक्नोलॉजी) सत्र 2025 के छात्रों को 'सोशल मीडिया के जिम्मेदाराना उपयोग' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने छात्रों को सोशल मीडिया के कारण समय की बर्बादी और स्क्रीन टाइम की बढ़ती आदत से बचने की सलाह दी और कहा कि विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई और सोशल मीडिया के बीच संतुलन बनाकर चलना चाहिए। उन्होंने विशेष तौर पर डेयरी प्रौद्योगिकी के छात्रों को यह संदेश दिया कि वे सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखें, बल्कि अपने क्षेत्र और संस्थान के लिए ब्रांड एम्बेसडर बने। कुमार ने दूध और डेयरी उत्पादों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, किसानों के बीच नवाचारों को साझा करने और अपने संस्थान की उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और फेक न्यूज से सतर्क रहने की सलाह दी।

दानापुर स्कूल में शिक्षकों ने किया कार्यशाला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। नासरीगंज स्थित संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल के जेपी गॉल्स्टन सभागार में येशु समाजी संवाद आयोग द्वारा भारत के विकास में महत्वपूर्ण धर्मों का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन पटना शांति आयोग के फादर डा जोस कालापूरा व जीवन संघम बोधगया के फादर डा एस लौरेंस ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला में वक्ताओं ने बौद्ध, ईसाई, सिख, हिंदू व इस्लाम धर्म के योगदान पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। डा कालापूरा व डा लौरेंस ने कहा कि सभी धर्मों ने भारत को एक सशक्त विश्व गुरू के रूप में पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुधार तथा राष्ट्रीय सेवा में इन धर्मों के योगदान पर भी चर्चा की। भारत को एक लोकतांत्रिक और सहिष्णु राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाने में सभी लोग शांति व सदभाव के साथ निवास करते है। स्कूल निदेशक जीजे गॉल्स्टन ने कहा कि धार्मिक त्योहार भी महान राष्ट्र-निर्माता रहे हैं और लोगों को एकता के सूत्र में पिरोया है। ईद, बैसाखी, गुरुपर्व और क्रिसमस जैसे त्योहारों में लोग समान उत्साह से भाग लेते हैं। कार्यशाला में पटना येशु समाजी संवाद आयोग के पूर्व निदेशक डा जोस कालापूरा, जीवन संघम बोधगया के डा एस लौरेंस, सरदार गुरूदयाल सिंह, डा नवीन कुमार व खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाईब्रेरी के पूर्व निदेशक डा. इम्तियाज अहमद ने अपने -अपने विचार व्यक्त किये।

हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर प्रभु तारा स्कूल में संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

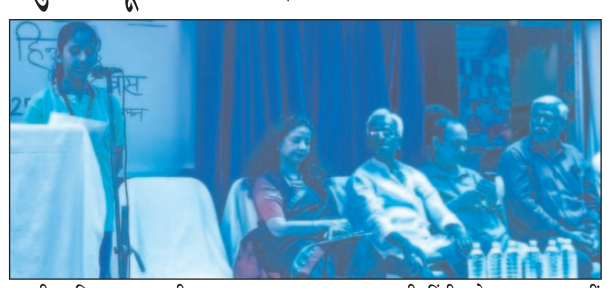

पटना सिटी। हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर सकरी गली, पटना सिटी स्थित प्रभु तारा स्कूल में संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के बाल कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृष, सोनाक्षी, पुष्पांजलि, शिक्षा, समृद्ध ,आयांश, खुशी, प्रियांशी, सुहानी, मौसम, सावर्णी, मोनी, साक्षी आदि बाल कवियों की कविताएं सराही गयीं। इस अवसर पर डॉ. अविनाश भारती की कविता कहीं जो मुकद्दर का मारा मिला है तथा श्वेता गजल की कविता बोलना जिसको सदा मेरे लिए सम्मान है ने अपनी प्रभावी रचनाएं सुनाईं। गजलकार विजय कुमार की कविता हां दस्तुर यही है जीवन का ने श्रोताओं पर गहरा असर छोड़ा। डॉ. सुनील कुमार उपाध्याय ने भोजपुरी कविता राम के नाम रही रसना पर तथा प्रभात वर्मा ने अपनी मगही कविता प्रस्तुत की। प्रभात कुमार धवन ने अपनी कविता में बच्चों को आंधी तूफान में भी खड़ा रहने का हौसला दिया। ब्रह्मानंद पाण्डेय ने हिंदी दिवस पर हर्षित भाव से मैं हिंदी का अभिनंदन करता हूं-कविता सुनाई। मनोज कुमार उपाध्याय ने अपनी कविता में रूपये के गिरते मूल्य पर चिंता जताई। युवा रचनाकार अमन आकाश ने हिंदी की प्रगति पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कमल नयन श्रीवास्तव ने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी हिंदी को वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। अध्यक्षीय भाषण के दौरान उन्होंने सरकारों के उदासीन रवैये को भी रेखांकित किया। केवल हिंदी दिवस पर कार्यक्रम मनाने से हिंदी का विकास नहीं होगा। इसके लिए पूरे साल प्रयत्नशील रहना होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत की अन्य भाषाओं से हिंदी का कोई विरोध नहीं है, हिंदी तो सभी भारतीय भाषाओं को आपस में जोड़ती है। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद पाण्डेय ने किया।

उन्नीसवां 'उदयराज सिंह स्मृति सम्मान' कथाकार जयनन्दन को

रजतरानी मीनू, राम अवतार बैरवा, प्रतिभा चौहान को 'नई धारा रचना सम्मान'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। चर्चित साहित्यक पत्रिका 'नई धारा' द्वारा वर्ष-2025 का उन्नीसवां उदयराज सिंह स्मृति सम्मान' प्रसिद्ध कथाकार जयनंदन को दिया जाएगा जिसके तहत उन्हें 1 लाख रुपए सहित सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न आदि अर्पित किए जाएंगे। इसके साथ ही चर्चित लेखिका डॉ. रजतरानी मीनू (गाजियाबाद), गजलकार राम अवतार बैरवा (दिल्ली) एवं चर्चित कवयित्री प्रतिभा चौहान (सिवान) वर्ष -2025 के 'नई धारा रचना सम्मान' से नवाजे जाएंगे जिसके तहत सभी लेखकों को 25-25 हजार रुपए सहित सम्मान पत्र, प्रतीक चिह्न आदि अर्पित किए जाएंगे। यह घोषणा प्रेस सम्मेलन में 'नई धारा' के प्रधान संपादक डॉ. प्रमथराज सिंह ने की।

यूनेस्को के पूर्व निदेशक एवं मॉरीशस के पूर्व शिक्षा मंत्री का भव्य स्वागत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा तथा अभियान के संरक्षक डॉ अनिल कुमार चौबे ने पटना हवाई अड्डा पर यूनेस्को के पूर्व निदेशक, मौरीशस के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं रैनबो फाउंडेशन के अध्यक्ष अरमुगम परशुरामन का भव्य स्वागत अंग -वस्त्र, पुष्पगुच्छ तथा पुष्पमाला से किया। डॉ मुकेश कुमार ओझा ने बताया कि अरमुगम परशुरामन पटना स्थित महावीर मंदिर गए तथा महावीर मंदिर में प्रसाद चढ़ाए। उन्होंने गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी और सर शिवसागर राम गुलाम की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। परशुरामन मौरीशस में तेरह वर्ष शिक्षा मंत्री तथा यूनेस्को के बारह वर्ष निदेशक रहे। वर्तमान में ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। आधुनिको भव संस्कतं वद अभियान के प्रधान संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व गृह सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह ने दूरभाष वार्ता में अभियान के संस्कृत भाषा के प्रगति के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी तथा मारीशस में संस्कृत संभाषण शिविर आयोजित करने का अनुरोध किया। अभियान निरन्तर 36 वां अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय शिविर चल रहा है। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एजुकेशन एंड रिसर्च में भी व्याख्यान दिया। पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका तथा सिरोपा देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर भारत मौरीशस मैत्री संघ के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ, पूर्व उपमहापौर विनय कुमार, विभा रानी श्रीवास्तव, एहसास मणिकांत आदि अनेक संस्कृत एवं हिन्दी के विद्वान उपस्थित थे।

जांच प्रतिवेदन के आधार पर राज्य खाद्य निगम के 12 पदाधिकारी निलंबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने राज्य खाद्य निगम के 6 सहायक प्रबंधक एवं 6 गुणवत्ता नियंत्रक को खराब गुणवत्ता के खाद्यान्न की आपूर्ति किए जाने के संबंध में विभागीय जांचोपरांत निलंबन की कार्रवाई की गई है।

इससे पूर्व विभाग द्वारा 6 आपूर्ति निरीक्षकों/प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निलंबित किया गया था। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग पूरे राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकानों में खाद्यान्नों की गुणवत्ता, मात्रा एवं समय पर खाद्यान्न की उपलब्धता के संबंध में राज्यव्यापी अभियान के तहत निरीक्षण अभियान चला रहा है।

जोगबनी और दानापुर के मध्य वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर फारबिसगंज-अररिया कोर्ट-पूर्णिया-दौरम मधेपुरा-सहरसा-खगड़िया-हसनपुर रोड-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर के रास्ते जोगबनी और दानापुर के मध्य एक नये वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। 15.09.2025 को जोगबनी और दानापुर के मध्य चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन का शुभारंभ गाड़ी सं. 02631 फारबिसगंज-दानापुर वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल के रुप में किया जायेगा। 15.09.2025 को गाड़ी सं. 02631 फारबिसगंज-दानापुर वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल फारबिसगंज से 15.30 बजे खुलकर 15.55 बजे अररिया कोर्ट, 16.50 बजे पूर्णिया, 17.26 बजे बनमनखी, 17.53 बजे दौरम मधेपुरा, 18.20 बजे सहरसा, 19.13 बजे खगड़िया, 19.36 बजे सलौना, 19.51 बजे हसनपुर रोड, 20.26 बजे समस्तीपुर, 21.05 बजे मुजफ्फरपुर, 21.50 बजे हाजीपुर रुकते हुए 23.40 बजे दानापुर पहुंचेगी। दानापुर और जोगबनी के मध्य गाड़ी सं. 26302/26301 दानापुर-फारबिसगंज -दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दानापुर से 17.09.2025 से मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छः दिन तथा फारबिसगंज से 18.09.2025 से बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छः दिन परिचालित किया जायेगा।

पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल में जल्द मिलेगी लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अब बिहार के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल, पटना में अब इसकी विधिवत सुविधा मिलेगी ये बातें लिवर ट्रांसप्लांट एंड जीआई सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. वैभव कुमार मिश्रा ने हॉस्पिटल परिसर में शनिवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार से जल्द ही लिवर ट्रांसप्लांट का लाइसेंस मिल जाएगी जिसके बाद मरीजों को बाहर के राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। लिवर प्रत्यारोपण में हालिया प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाएं एवं लिवर प्रत्यारोपणः कौन, कब और क्यों? पर सीएमई का भी आयोजन होटल मोर्या में किया गया है जिसमें प्रदेश भर के सैकड़ों डॉक्टरों ने भाग लिया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के जोनल डाइरेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल, पटना में इससे पहले लिवर ट्रांसप्लांट ओपीडी की सुविधा थी जहां लिवर संबंधित स्क्रीनिंग और काउंसेलिंग होती थी। लाइसेंस मिलने के बाद बिहार, झारखंड सहित नेपाल और आस-पड़ोस के मरीजों को भी सुविधा हो जाएगी साथ ही बताया कि रविवार को निःशुल्क लिवर ट्रांसप्लांट परामर्श शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें लिवर से संबंधित सभी प्रकार के बिमारी का परामर्श निःशुक्ल होगा साथ ही लैब और रेडियोलॉजी सेवाओं पर 50% की बड़ी छूट भी दी जाएगी। इस मौके पर लिवर ट्रांसप्लांट एंड जीआई सर्जरी के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. अंकुर गंग, डॉ. कपिलदेव यादव, गैस्ट्रो टीम से डॉ सत्यम सिंहा, डॉ. करण भार्गव, डॉ. शाहिद सिद्दीकी ने भी अपने अनुभव साझा किए।

गलत खानपान की आदतें लिवर रोगों के बढ़ने का प्रमुख कारण : डॉ. विभा वर्मा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी, रोड नंबर 7, राजेन्द्रनगर, पटना द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क लिवर रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया।

मौके पर अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी द्वारा स्वास्थ्य सेवा और जागरूकता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लीलावती अस्पताल, मुंबई की लिवर रोग विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ. विभा वर्मा के मार्गदर्शन में निःशुल्क लिवर जांच शिविर का सफल आयोजन किया। इस शिविर में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए करीब सौ लोगों ने भाग लिया और निःशुल्क लिवर जांच कराई। प्रतिभागियों को जांच रिपोर्ट के साथ-साथ लिवर रोगों के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय तथा संतुलित जीवनशैली अपनाने के सुझाव भी दिए गए। डॉ. विभा वर्मा ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत खानपान की आदतें लिवर रोगों के बढ़ने का प्रमुख कारण हैं। समय-समय पर जांच कराना और संतुलित जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के शिविर आमजन के लिए बेहद उपयोगी हैं। सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि आने वाले समय में मारवाड़ी हेल्थ सोसाइटी और भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेगी जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। सचिव दिनेश अग्रवाल ने डॉ. विभा वर्मा और लीलावती अस्पताल की टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष महावीर अग्रवाल, विजय किशोरपुरिया, सुनील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्यगण सक्रिय रूप से जुड़े रहे। शिविर के माध्यम से न केवल लोगों को निःशुल्क जांच की सुविधा मिली, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी समाज तक पहुंचा।

निर्माता निर्देशक रंजीत महापात्र ने आलोक कुमार के गाए गानों की शूटिंग पूरी की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जाने माने निर्माता-निर्देशक रंजीत महापात्र ने आलोक कुमार के गाए गानों की शूटिंग विंटेज विला रिजॉर्ट में पूरी कर ली है। इस गाने में अभिनेत्री माही खान, सोनू मितवा, मृत्युंजय यादव और अन्य कलाकार शामिल रहे। यह गाना अनुराग मूवीस के बैनर पर बना है। कैमरामैन राजीव जी, मेकअप आकाश कुमार, कोरियोग्राफर पवन पीसी हैं। सह निर्माता बबली चंद्रा की टीम ने बेहद खूबसूरत तरीके से इस गाने को शूट किया है। यह गाना जल्द ही म्यूजिक चैनल पर देखने को मिलेगा।

संपाकीय

नेपाल की चुनौती

नेपाल में जेन-जेड ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, अब वक्त है उसे अंजाम तक ले जाने का। हिंसा और अराजकता की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार संभालने के लिए चर्चा में कई नाम हैं और इनमें से किसी एक पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इसमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाली सेना की भूमिका अहम हो जाती है। अच्छी बात यह है कि सड़कों पर आक्रोश जताने वाली नई पीढ़ी अब संवाद की तरफ बढ़ रही है। जेन-जेड ने इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी चेहरे के खड़ा किया। यह भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सरकार की नाकामी से उपजा गुस्सा था, जिसके चलते युवा सड़कों पर उतरते चले गए। उन्होंने केपीएस ओली की सरकार को तो उखाड़ दिया, लेकिन अब देश को नया नेतृत्व चाहिए। युवाओं को मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं और इसलिए वे बाहर से किसी ईमानदार छवि वाले शख्स को चाहते हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था को बहाल करने की होगी। अभी पूरे देश में सेना ने कमान संभाल रखी है, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

नेपाल पहले भी इस तरह का संकट देख चुका है और कोई नहीं चाहता कि वैसी स्थिति दोबारा बने। दूसरी चुनौती होगी जितनी जल्दी हो सके, निष्पक्ष चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की। राजनेताओं और मौजूदा राजनीतिक पार्टियों को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी को भागीदारी से रोका नहीं जा सकता। देखना होगा कि अंतरिम सरकार कैसे बैलेंस बनाती है। संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा। नेपाल में कुछ अरसे से राजशाही की वापसी की मांग चल रही है। इस आंदोलन के दौरान भी यह चर्चा फिर जोर पकड़ी। हालांकि इसे सकारात्मक माना जाना चाहिए कि राजनेताओं के प्रति अविश्वास के बावजूद जेन जेड का भरोसा संवैधानिक व्यवस्था में बना हुआ है। हालांकि वे 2015 के संविधान में संशोधन की मांग कर रहे हैं। नेपाल का लोकतंत्र अभी दो दशक पुराना भी नहीं हुआ और दुर्भाग्य से इतने कम समय में ही इस देश ने चुनावी राजनीति की सारी बुराइयां देख लीं। जेन जेड का आक्रोश बरसों से जनता के मन में दबे असंतोष का परिणाम है। यह वो पॉइंट है, जहां लिया गया हर एक फैसला नेपाल का भविष्य तय करेगा। और किसी भी फैसले में आम लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी। 1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

राष्ट्रसंत की राष्ट्र आराधना का सनातन पथ

(प्रणय विक्रम सिंह)

समाज के आकाश में जब-जब अंधकार के बादल गहराए, जब अन्याय और असमानता की आंधियां जनमानस को झकझोरने लगीं, और जब सनातन संस्कृति की सरिता पर संक्रमण की छाया छाने लगी, तब कोई संत दीप बनकर दिशा दिखाने आता है, ज्योति बनकर जनपथ को आलोकित करता है। राष्ट्रसंत, ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज वही दिव्य दीप थे, जो स्वयं जलकर भी युगों तक समूचे समाज को उजियारा देते रहे।

वे उस दीपशिखा की तरह थे, जो तमस को तपाकर प्रकाश में बदल देती है। उस पावन गंगा-धारा की तरह, जो ऊंच-नीच की शिलाओं को चीरकर समरसता का समतल रचती है। और उस वज्र-संकल्प जैसे, जो राममंदिर आंदोलन के रण में आस्था को विजय का वरण कराता है।

हिमालय की उपत्यकाओं में 1921 में जन्मे कृपाल सिंह बिष्ट ने समय की धाराओं को चीरते हुए गोरक्षपीठ के महंत अवेद्यनाथ का रूप धारण किया। गुरु महंत दिग्विजयनाथ से मिली विरासत केवल मठ की परंपरा नहीं, बल्कि धर्म, समाज और राष्ट्र की दिशा दिखाने का दायित्व था। अवेद्यनाथ जी ने इस पावन ध्वज को न केवल संभाला, बल्कि उसे आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे तपस्वी भी थे और तर्कशक्ति से परिपूर्ण योद्धा भी। समाज के सेवक भी थे और राष्ट्रधर्म के संगठक भी।

सामाजिक समरसता के साधक - भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार

महंत अवेद्यनाथ जी ने गोरक्षपीठ को केवल साधना और उपासना का केंद्र नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सेवा, संस्कार और समरसता का सशक्त सेतु बना दिया। मीनाक्षीपुरम में हुए सामूहिक धर्मांतरण ने उनके अंतर्मन को गहराई तक उद्वेलित किया। यह आघात केवल आस्था पर आक्रमण नहीं था, बल्कि समाज की संवेदना पर असमानता का असहनीय आघात था। उसी क्षण उन्होंने प्रण किया कि भेदभाव की दीवार ढहाना और भाईचारे की बुनियाद गढ़ना ही उनकी तपस्या होगी।

उन्होंने समाज को यह स्मरण कराया कि सनातन की मूल आत्मा ही समरसता है। वह संस्कृति, जो प्राणि मात्र से प्रेम का संदेश देती है, और वह जीवन-पद्धति, जो नर-सेवा को नारायण-सेवा के समतुल्य मानती है, उसमें छुआछूत और ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं हो सकता। इसी दृष्टि से आरंभ हुआ सहभोज का समरस अभियान।

वे स्वयं दलित बस्तियों में पहुंचे, संतों और आचार्यों को साथ लेकर वंचित समाज के बीच बैठे, और थालियों में प्रेम परोसकर समानता का संदेश दिया। काशी में डोमराजा के घर संत-महात्माओं के संग भोजन करना केवल परंपरा को चुनौती देना नहीं था, बल्कि यह शताब्दियों से जमी विषमता पर वज्राघात और समानता की संजीवनी, समरसता की सरस्वती का सजीव उद्घोष था। गोरखपुर और पूर्वांचल के गांवों में जब उन्होंने सहभोज किया, तो वह भोजन नहीं रहा, वह बंधुत्व का बिगुल और भाईचारे का ब्रह्मनाद बन गया।

वे बार-बार स्मरण कराते थे कि श्रीराम ने शबरी के बेर स्वीकारे, निषादराज को गले लगाया और जटायु का संस्कार किया, यही है समरस समाज का सनातन संदेश।

उनकी दृष्टि में दुर्गा की आठ भुजाएं केवल दैवीय आयुध नहीं थीं, बल्कि समाज के चारों वर्णों की संयुक्त शक्ति का प्रतीक थीं। वे कहा करते थे कि जब वर्ण मिलेंगे, वर्ग संगठित होंगे और समाज एक सूत्र में बंधेगा, तभी वह दुर्गा-शक्ति की भांति दुर्जेय और अजेय बनेगा।

इस प्रकार महंत अवेद्यनाथ जी का प्रत्येक कार्य भेदभाव के विरुद्ध भव्य पुकार, प्रत्येक अभियान समरसता का सशक्त संदेश और प्रत्येक संकल्प समानता के संग्राम का साक्षी था।

छुआछूत की जड़ें जलाकर,
समरसता का दीप जलाया।
भेद मिटाकर, भक्ति मिलाकर,
बंधुत्व का बिगुल बजाया॥
नर-सेवा में नारायण देखा,
प्राणि-मात्र में परमात्मा पाया।
महंत अवेद्यनाथ ने जीवनभर,
सनातन का सन्देश सुनाया॥

राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत - आस्था के अरुणोदय

महंत दिग्विजयनाथ जी से मिली परंपरा को महंत अवेद्यनाथ जी ने संकल्प की सरिता और संघर्ष की सरस्वती में रूपांतरित कर दिया। यह केवल विरासत का निर्वाह नहीं था, बल्कि उसे जन-जन की चेतना और राष्ट्र की धड़कन में बदल देने का संकल्प था। उनका योगदान संगठनात्मक कौशल से कहीं आगे, समाज की आत्मा को जाग्रत करने का अभियान था।

सन 1984 में जब श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ, तो महंत अवेद्यनाथ सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। उद्घाटन सभा में उनका उद्घोष गूंजा राम केवल अयोध्या के राजा नहीं, वे भारत की आत्मा हैं। जब तक जन्मभूमि बंधनमुक्त नहीं होगी, तब तक यह आत्मा चैन से नहीं बैठ सकती।

उनकी पुकार पर शैव और वैष्णव, संत और महात्मा, धर्माचार्य और तपस्वी सभी एक मंच पर संगठित हुए। यह दृश्य ऐसा था, मानो विभिन्न नदियां मिलकर गंगा का रूप ले रही हों।

1986 में जब अदालत के आदेश से रामलला का ताला खुला, तो यह केवल एक ताले का खुलना नहीं था, बल्कि शताब्दियों से जकड़ी आस्था का कपाट खुलना था। महंतश्री ने उसी समय घोषणा की आज अयोध्या में केवल द्वार नहीं खुले हैं, आज हिंदू समाज की आत्मा के बंधन टूटे हैं। उनका स्वर उस क्षण आस्था का आलोक बनकर पूरे राष्ट्र में फैल गया।

9 नवंबर 1989 को शिलान्यास का शुभक्षण आया। महंत अवेद्यनाथ जी ने पहली शिला रखने का सम्मान अनुसूचित जाति के साधक कामेश्वर चौपाल को दिया। यह केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि समरसता का शंखनाद था। उन्होंने घोषणा की राममंदिर जाति-भेद का नहीं, समरसता और समर्पण का प्रतीक होगा। यह शिला हिंदू समाज की एकता की नींव बनेगी।उस दिन की शिला ईंट नहीं, एकता की आधारशिला थी। पत्थर नहीं, परस्पर प्रेम का प्रतीक थी।

1990 की कारसेवा में अयोध्या को सैनिक छावनी में बदलकर जब मुलायम सिंह यादव ने कहा कि यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता तो उस परिंदे के पंखों में प्राण-शक्ति फूंकने वाले महंत अवेद्यनाथ जी ही थे। जब पुलिस की गोलियां कारसेवकों पर बरसीं, तब भी महंतश्री का संकल्प अडिग रहा। 30 अक्टूबर 1991 को कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनका उद्घोष गूंजा कि राम मंदिर किसी की दया से नहीं, हिंदुओं के शौर्य से बनेगा। उनके इस वचन ने आंदोलन को अमराग्नि की ज्वाला में बदल दिया।

और फिर 6 दिसंबर 1992 का दिन आया। जब विवादित ढांचा गिरा, तो यह केवल पत्थरों का ढेर नहीं टूटा, बल्कि युगों का बोझ ढहकर गिर पड़ा। भारत की आत्मा ने शताब्दियों बाद स्वाभिमान की सांस ली। उस क्षण का अग्रदूत भी यही गोरक्षपीठ और उसके महंतश्री थे। महंत अवेद्यनाथ जी ने उस ऐतिहासिक क्षण पर कहा कि आज अन्याय का प्रतीक टूटा है। कल इसी भूमि पर न्याय का मंदिर खड़ा होगा। रामलला का भव्य मंदिर बनकर रहेगा। यह इतिहास की नहीं, आस्था की प्रतिज्ञा है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह संघर्ष केवल ईंट और पत्थर का नहीं था। यह आस्था का आंदोलन था, समरसता का संग्राम था, सनातन का स्वाभिमान था। उनके शब्दों में राममंदिर का निर्माण केवल अयोध्या का नहीं, भारत की आत्मा का पुनर्जन्म है।

अवेद्यनाथ अडिग रहे,
टूटी ताले की रोक।
राममंदिर की ज्योति से,
जगमग भारत लोक।।

शिक्षा में संस्कार-बीज से वटवृक्ष तक

महंत दिग्विजयनाथ जी ने जिस महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का बीज रोपा था, उसे महंत अवेद्यनाथ जी ने अपने परिश्रम, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प से वटवृक्ष में परिणत कर दिया। उनके लिए शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं थी, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला थी। वे मानते थे कि पुस्तकों में बंद ज्ञान अधूरा है, जब तक उसमें भारतीयता का भाव, राष्ट्रवाद की चेतना और संस्कारों की सुगंध न मिले। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को केवल कक्षा और पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उसमें सेवा, अनुशासन और संस्कृति का समावेश किया।

आज उनके प्रयत्नों का परिणाम है कि गोरक्षपीठ से संचालित पांच दर्जन से अधिक विद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी और चिकित्सा संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश की शिक्षा का मेरुदंड बने हुए हैं। इन संस्थानों से हर वर्ष हजारों छात्र- छात्राएं केवल डिग्रियां लेकर नहीं निकलते, बल्कि जीवन-मूल्यों, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना लेकर आगे बढ़ते हैं।

इन संस्थानों में शिक्षा का वातावरण केवल आधुनिक विषयों का अध्यापन नहीं करता, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जोड़ता है। तकनीकी और चिकित्सा महाविद्यालयों में जहां विज्ञान और शोध की साधना होती है, वहीं प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में प्रार्थना, योग, अनुशासन और राष्ट्रगान से बच्चों के भीतर 'नैतिकता और राष्ट्रीयता' का बीजारोपण किया जाता है।

ग्रामीण परिवेश से आए हजारों विद्यार्थियों ने यहां से शिक्षा पाकर प्रशासन, सेना, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ाया है। इसी तरह गोरखपुर का महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज और गोरखपुर मेडिकल कॉलेज उत्तर भारत की उस शिक्षा-धारा के प्रतीक हैं, जहां आधुनिक विज्ञान और भारतीय संस्कार का संगम होता है।

महंत अवेद्यनाथ जी का यह प्रयास केवल संस्थानों की संख्या बढ़ाने का नहीं था, बल्कि शिक्षा को 'संस्कार और समर्पण की संजीवनी' बनाने का था। उनके लिए शिक्षा वही है, जो विद्या के साथ विनय और ज्ञान के साथ सेवा भी सिखाए।

राजनीति में साधुता - सत्ता नहीं, साधना का संकल्प

महंत अवेद्यनाथ जी का राजनीति में प्रवेश सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए नहीं था, बल्कि समाज को समरस और राष्ट्र को सशक्त करने के लिए था। वे मानते थे कि साधुता यदि समाज तक न पहुंचे और समाज-सुधार राजनीति में न बहे, तो धर्म अधूरा रह जाता है। उनकी राजनीति का लक्ष्य सिंहासन नहीं, सेवा थी। कुर्सी नहीं, कर्तव्य था। और शासन नहीं, शुचिता थी। इसीलिए वे कहते थे राजनीति यदि समाज-सुधार का साधन न बने, तो वह केवल स्वार्थ का साधन रह जाती है।

उन्होंने पांच बार उत्तर प्रदेश विधानसभा और चार बार लोकसभा में जनता का प्रतिनिधित्व किया। लेकिन उनका स्वर हमेशा सत्ता के गलियारों की गूंज से परे, जनसाधारण की वेदना का व्याख्यान रहा। वे संसद और विधानमंडल की बहसों में केवल क्षेत्रीय प्रश्न नहीं उठाते थे, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और समाज-सुधार का स्वर मुखर करते थे।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा में उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में उनका योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा। उन्होंने संगठन को केवल राजनीतिक मंच नहीं रहने दिया, बल्कि उसे एक राष्ट्रधर्मी आंदोलन का रूप दिया। उनके नेतृत्व में महासभा ने शिक्षा के पुनर्जागरण, सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्रीय अखंडता को अपनी प्राथमिकताओं का केंद्र बनाया।

उनकी राजनीति में साधुता का संतुलन और संघर्ष की सजगता का अनूठा संगम था। वे न कभी स्वार्थ के लिए झुके, न कभी दबाव के लिए रुके। वे राजनीति को तपस्या मानते थे, जिसमें ईमानदारी धूप की तरह तपाती है और जनता का विश्वास गंगाजल की तरह पवित्र करता है। उनकी छवि केवल संत-नेता की नहीं थी, बल्कि 'संत-सैनिक' की थी, जो लोकसभा के मंच पर भी उसी साहस से बोलते थे, जिस साहस से समाज की जटिलताओं का सामना करते थे।

महंत अवेद्यनाथ जी ने सिद्ध कर दिया कि संत राजनीति को भी साधना बना सकता है। उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा को संसद और विधानमंडल तक पहुंचाकर यह दिखा दिया कि जब नेतृत्व में सत्य, तप और सेवा हो, तो सत्ता भी साधना का साधन बन जाती है।

शिष्य निर्माण - योगी के रूप में युग-उपहार

यही आंदोलन, यही जनजागरण, यही संघर्ष वह भूमि थी जहां नियति ने नया इतिहास गढ़ा। महंत अवेद्यनाथ जी का सबसे बड़ा योगदान केवल अपने युग का नेतृत्व करना नहीं था, बल्कि आने वाले युग का नेतृत्व गढ़ना था। उन्होंने समझ लिया था कि संस्था, समाज और राष्ट्र का वैभव केवल वर्तमान पर निर्भर नहीं करता, उसका भविष्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसी दूरदृष्टि से उन्होंने अजय सिंह बिष्ट को अपना शिष्य बनाया।

यह शिष्यत्व केवल धार्मिक संस्कार तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सामाजिक सेवा की संवेदना और राजनीतिक नेतृत्व की सजगता भी थी। महंत अवेद्यनाथ जी ने उन्हें तप और त्याग की शिक्षा दी, संघर्ष और समरसता की साधना कराई, और साथ ही समाज व राष्ट्र के व्यापक नेतृत्व के लिए तैयार किया।

आज वही शिष्य योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। वे गुरु के आदर्शों को केवल मठ की परंपरा में नहीं, बल्कि शासन और समाज की नीतियों में साकार कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था से लेकर शिक्षा, संस्कृति और विकास की योजनाओं में गुरु का मार्गदर्शन उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है।

यह गुरु-शिष्य परंपरा का एक अद्वितीय उदाहरण है, जहां गुरु ने केवल शिष्य को नहीं गढ़ा, बल्कि आने वाले समय के लिए संपूर्ण युग का उपहार दिया।

महंत अवेद्यनाथ जी का ब्रह्मलीन होना कोई सामान्य घटना नहीं था, यह तो मानो एक संत की इच्छा-मृत्यु थी। उनके शिष्य योगी आदित्यनाथ के शब्दों में मेरे गुरुदेव की इच्छा थी कि वे अपने गुरु महंत दिग्विजयनाथ जी की पुण्यतिथि पर ही मंदिर में ब्रह्मलीन हों और हुआ भी वही।

योगी आदित्यनाथ जी ने अपने पूज्य गुरु जी के कान में कहा कि आप मंदिर में आ चुके हैं। और बड़े महाराज जी के चेहरे पर संतुष्टि की आभा झलक आई। आश्विन कृष्ण चतुर्थी (12 सितंबर 2014) को गोरखनाथ मंदिर में गुरु की स्मृति के दिन ही उन्होंने अंतिम श्वास ली।

विस्मृत करने वाली बात है कि 2001 में कैंसर से घिरे होने पर भी वे चौदह वर्षों तक जीवित रहे। यह केवल चिकित्सा का परिणाम नहीं, बल्कि साधना की सिद्धि और इच्छाशक्ति का चमत्कार था।

हिन्दी भारत के माथे की बिंदी

डॉ ध्रुव कुमार

दुनिया भर में पा रही विस्तार है हिंदी,
देश के स्वाभिमान का आधार है हिंदी।

प्रसिद्ध लघुकथाकार-कवि रामेश्वर कांबोज हिमांशु की यह पंक्तियां किसी भी हिंदी भाषी के लिए गर्व का अहसास है किन्तु यह गर्वोक्ति हर हिंदुस्तानी का हो, इसके लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। सबसे पहले तो यह विचार करना जरूरी है कि आखिर आजादी के इतने वर्षों के बाद भी हिंदी सही मायने में राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई ?

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत यह महसूस किया गया कि एक राष्ट्र, एक संविधान, एक ध्वज, एक राष्ट्गान की तरह देश की एक राष्ट्रभाषा का होना भी आवश्यक है। 1915 के लखनऊ अधिवेशन गांधी जी ने हिंदी में भाषण देते हुए स्पष्ट घोषणा की थी - हिंदी का प्रश्न मेरे लिए स्वराज्य के प्रश्न से कम नहीं है। एक भाषा के मुद्दे पर इस अधिवेशन में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित कर हिंदी भाषा और देवनागरी के प्रचार प्रसार एवं राष्ट्रीय एकता की स्थापना के लिए सबों से एकजुट होने की अपील की गई थी। लेकिन वैश्विक भाषा बनने की योग्यता रखने के बावजूद हिंदी को आज भी वह स्थान हासिल नहीं हो पाया है जिसकी वह हकदार है।

यह देशवासियों के लिए गौरव की बात है कि विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में एक प्रमुख स्थान हिन्दी का है। हिन्दी और हिन्दी साहित्य के पुरोधाओं ने समस्त विश्व-पटल पर हिन्दुस्तान को एक विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पर यह विडम्बना ही है कि जन-जन की भाषा हिन्दी अपने ही देश में उपेक्षित रही है। अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त हुए 78 वर्ष हो गए, पर अंग्रेजी भाषा की गुलामी ने पूरे भारतवर्ष को अब भी जकड़ रखा है और यही कारण है कि हिन्दी भाषा को कभी समुचित सम्मान नहीं मिल सका। हम आज भी हिन्दी को राष्ट्रभाषा का गौरव दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। हिन्दी दिवस के अवसर पर समेकित रूप से यह विचार करने की आवश्यकता है कि हमारे लिए हिन्दी दिवस कहीं ऐसे आयोजन मात्र औपचारिकता भर तो नहीं रह गई हैं। हमें हिंदी को मां की तरह सम्मान देना होगा। जब तक हम इसे स्व-भावना से इसे नहीं जोड़ेंगे, तब तक वैश्विक स्तर पर इसको पूर्ण सम्मान नहीं मिलेगा। अपनी लोक संस्कृति व आंचलिक भाषा का हम अवश्य इस्तेमाल करें, लेकिन एक व्यक्ति जिस तरह अपनी मां का त्याग नहीं करता क्योंकि वो अपनी मूल भावना से उसके साथ जुड़ा रहता है, उसी प्रकार हिन्दी को अपनी आत्म - संस्कृति से जोड़ना होगा।

वस्तुतः हिंदी की इस दशा के लिए अहिंदी भाषियों से अधिक हिंदी भाषी ही ज्यादा दोषी हैं। अक्सर देखा जाता है कि हिंदी भाषी लोग राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी बोलने में अपना अपमान समझते हैं जबकि हिंदी हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी चाहते थे कि हिंदी जनमानस की भाषा बने, लेकिन आजादी के इतने वर्षों के बाद भी यह कार्य संभव नहीं हो पाया है, यह दुखद है।

वैश्वीकरण के दौर में अधिकांश कार्य भारत में अंग्रेजी में हो रहें हैं, जिससे हिन्दी की उपयोगिता कम हो रही है। हिंदी राष्ट्रभाषा या राष्ट्रीय होने लायक है। वही भाषा राष्ट्रीय बन सकती है जिसे अधिक संख्या में लोग बोलते व समझते हों और जो सीखने में सुगम हो। वैसे भारत सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हिन्दी भाषा को प्रमुखता देकर प्रशंसनीय कार्य किया है। हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस ढंग से विदेशों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में अपने उदगार व्यक्त किए हैं, उससे हिंदी का मान सम्मान बढ़ा है। हिंदी को रोजगार की भाषा नहीं बनाया जाना, इसके विकास में सबसे बड़ी रुकावट है। नवयुवकों के मन में हिंदी के प्रति जो उदासीनता का भाव है, उसका कारण शायद यही है। सरकारी स्तर पर इसके विकास के लिए थोड़ा और ध्यान देने की आवश्यकता है। आज कार्य क्षेत्र में हिन्दी भाषा का अधिकाधिक प्रयोग, हिन्दी में तकनीकी ज्ञान के विकास तथा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए हिन्दी को सर्वोपरि भाषा बनाने के प्रयास करने होंगे। जब तक हम सभी मिलकर हिन्दी की उन्नति के लिए प्रयासरत नहीं होंगे, हिन्दी को उसका वास्तविक अधिकार नहीं मिल पाएगा। हिंदी दिवस पर हम अपने संकल्पित लक्ष्य की प्राप्ति की शपथ लें, तभी विश्व रूपी आकाश में हिन्दी का परचम लहरा पायेंगे। हिंदी की प्रसिद्ध साहित्यकार और गोवा की पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा की इन पंक्तियों को हमें हमेशा याद रखना होगा- हिन्दी भारत के माथे की बिंदी है और हमें इस पर अभिमान करना सीखना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार हैं)

सी.पी. राधाकृष्णन- एक नये अध्याय की शुरुआत

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है।

(ललित गर्ग)

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से

डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे। सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

सुप्रसिद्ध शुगर रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार ने की मोतिहारी सिविल सर्जन से शिष्टाचार भेंट

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार के सुप्रसिद्ध और अपने चिकित्सा पद्धति से सुर्खियों में रहने वाले चीनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार आज मोतिहारी जिला पूर्वी चंपारण के सिविल सर्जन से उनके सदर अस्पताल मोतिहारी स्थित कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें पौधा भेंट किया, इस दौरान उनके बीच चिकित्सा क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई.

उमवि बिशनपुर के विद्यार्थी किये गये सम्मानित

इटखोरी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खेलो झारखंड प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिशनपुर के छात्र-छात्राओं को प्रमुख प्रिया कुमारी व जिप सदस्य सरिता देवी ने सम्मानित किया. विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. मौके पर प्रमुख ने कहा कि खेल जीवन के दिनचर्या का एक अंग बन गया है. खेल के क्षेत्र में भी करियर का अवसर है. खेल से कई तरह का फायदा होता है. जिप सदस्य ने कहा कि खेलने से प्रतिभा का पता चलता है. प्रधानाध्यापक मणिकांत कुमार ने सभी विद्यार्थियों के प्रदर्शन की तारीफ की. कार्यक्रम में उप प्रमुख संजय गुप्ता थे.

बैटरी से संचालित स्कूटी शोरूम का उदघाटन

मयूरहंड/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। करमा स्थित पेट्रोल पंप के समीप बैटरी से संचालित स्कूटी शोरूम का उदघाटन पूर्व विधायक योगेंद्रनाथ बैठा व जिप सदस्य देवेंद्र प्रसाद ने किया. मौके पर श्री बैठा ने कहा कि घर गांव में महिलाएं, लड़कियों व बुजुर्गों को सफर करने के लिए बैटरी से संचालित स्कूटी कारगर है. संचालक प्रेम कुमार भुइयां ने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सुविधा दी जायेगी. मौके पर मंझगावां मुखिया मंजीत सिंह, कदगावां कला मुखिया अशोक भुइयां, लखन यादव, मनोज यादव, रामसेवक यादव, कृष्णा केशरी, अजीत पासवान समेत कई लोग उपस्थित थे.

दुर्गा पूजा समिति की बैठक, कमेटी गठित

सिमरिया/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड स्थित श्रीश्री मां दुर्गा पूजा समिति बगरा मोड़ की बैठक शिव मंदिर प्रांगण में हुई. इसमें पुरानी कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का गठन किया गया. इसमें अध्यक्ष रूपेश कुमार, उपाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद, सचिव रौशन कुमार, उप-सचिव शंभू प्रसाद, कोषाध्यक्ष शशांक कुमार बॉबी बनाये गये. संयोजक उमाशंकर सिंह, संरक्षक रंजीत केसरी, जबकि कार्यकारिणी सदस्य मुरली मनोहर सिंह, नरेश कुमार, टीपू प्रसाद, भारत शाह, जमुना प्रसाद यादव, रामनरेश प्रसाद, ध्रुव प्रसाद, अनिल प्रजापति, रंजीत कुमार, भीम साहू, रौशन कुमार, रितेश कुमार, कुंदन कुमार सिंह, राहुल केसरी को बनाया गया. मौके पर कई लोग उपस्थित थे.

बसंती देवी हत्याकांड का उद्भेदन, तीन गिरफ्तार

रायडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रायडीह पुलिस ने बसंती देवी की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मामले का उद्भेदन कर लिया है. जमीन विवाद में गला दबा कर व लाठी-डंडे से पीट कर बसंती देवी की हत्या की गयी थी. बसंती देवी की हत्या कर शव को डोभा में फेंका गया था. यह मामला नवागढ़ गोढ़ीटोली गांव का है, जहां जमीन विवाद में अपने ही रिश्तेदार नवागढ़ गोढ़ीटोली निवासी गंगा मल्लार, जगदीश मल्लार व टुपा मल्लार ने गला दबा कर व लाठी से पीट कर हत्या कर दी थी. हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को डोभा में फेंक दिया था. जब रायडीह पुलिस ने शव को डोभा से निकाल कर कब्जे में लिया, तो प्रथम दृष्टया दुर्घटना लग रही थी. लेकिन जब शव पोस्टमार्टम हुआ, तो पोस्टमार्टम में गला दबा कर व लाठी से पीट कर हत्या करने की बात सामने आयी. इस संबंध में गंगा मल्लार, जगदीश मल्लार व टुपा मल्लार से कड़ाई से पूछताछ की गयी, तो उन्होंने हत्या की बात स्वीकार की. रायडीह पुलिस ने रायडीह थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया.

ग्रामसभा में विकास योजनाओं का किया गया चयन

लिट्टीपाड़ा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत शुक्रवार को दुमगो गांव में ग्रामसभा हुई. इसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान मागा पहाड़िया ने की. ग्रामसभा में बीडीओ संजय कुमार मौजूद थे. उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना है और योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है. ग्रामसभा में उप मुखिया चंद्र देव पहाड़िया, पंचायत सचिव अमित कुमार और प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी केसी दास ने मनरेगा, 15वें वित्त आयोग, समाज कल्याण की योजनाओं की जानकारी दी. इस दौरान सड़क, पेयजल, सिंचाई, सामुदायिक भवन, कब्रिस्तान और धूमकुड़िया जैसे कार्यों का चयन किया गया. सभी चयनित योजनाओं को 02 अक्टूबर को विशेष ग्रामसभा में पारित किया जायेगा. मौके पर ग्रामीणों और कर्मियों ने ग्राम विकास के लिए नजरी नक्शा तैयार किया. ग्राम लीडर का भी चुनाव किया.

हाथकाठी में तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

हिरणपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के हाथकाठी स्थित मैदान में एएफसी क्लब की ओर से तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. इसका शुभारंभ झामुमो जिला संगठन सचिव मुसलीदीन अंसारी, युवा नेता सज्जाद अंसारी, नाजिर अंसारी आदि ने संयुक्त रूप से किया. प्रारंभिक मैच में अमरभीटा बी-7 ने जीतादो मिशन पाकुड़ को एक गोल से हराया. खेल जारी था. फाइनल में विजेता टीम को 50 हजार और उपविजेता टीम को 40 हजार रुपये, सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को 7 हजार करके पुरस्कृत किया जायेगा. मौके पर कमेटी के सुमन सोरेन, संजय बास्की, जमील सोरेन आदि मौजूद थे.

महुआ शराब या नशीला पदार्थ बेचने पर होगी कार्रवाई

केदला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। लइयो दक्षिणी पंचायत की गोसी बस्ती में शुक्रवार को नशामुक्त अभियान को लेकर गोष्ठी हुई. मौके पर मुख्य रूप से वेस्ट बोकारो ओपी के असनि जितेंद्र कुमार उपस्थित थे. महिलाओं ने कहा कि नशा को लेकर पंचायत में खराब असर पड़ रहा है. नशे से युवा पीढ़ी खराब हो रही है. पंचायत को नशामुक्त बनाने की जरूरत है. नशे के कारण कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं. महिलाओं ने कहा कि महिला समिति पंचायत में घूम-घूम कर नशा का विरोध करेगी. पंचायत को आदर्श बनाया जायेगा. महिलाओं ने ओपी पुलिस से नशामुक्त अभियान में मदद करने को कहा. जितेंद्र ने कहा कि महिला समिति ने बेहतर कदम उठाया है. पुलिस इस अभियान में महिला समिति के साथ है. पंचायत में महुआ शराब या नशे का पदार्थ बेचने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी. मौके पर महादेव महतो, रवि कुमार महतो, वासुदेव महतो, राजकुमार महतो, वासुदेव महतो, सुमन देवी, राधा देवी, शकुंतला देवी उपस्थित थे.

ठेका मजदूरों को ओवरटाइम का भुगतान नहीं, 7 को सुनवाई

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टाटा ब्लू स्कोप स्टील लिमिटेड के ठेका प्रतिष्ठान मेसर्स सिरनौट इंडिया लिमिटेड में कार्यरत मजदूरों को मई दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर काम करने के लिए दोगुने दर से ओवरटाइम का भुगतान नहीं किये जाने के मामले में शुक्रवार को उप श्रमायुक्त के कार्यालय में त्रिपक्षीय वार्ता हुई. वार्ता में जमशेदपुर मजदूर यूनियन के महासचिव अंबुज कुमार ठाकुर, ठेका प्रबंधन की ओर से सपन मुखर्जी (राजा) और उप श्रमायुक्त अरविंद कुमार उपस्थित थे. यूनियन की ओर से आरोप लगाया गया है कि ठेका प्रबंधन ने 1 मई (मजदूर दिवस) और 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) जैसे राष्ट्रीय अवकाश पर काम करने वाले मजदूरों को नियमों के अनुसार ओवरटाइम का दोगुना भुगतान नहीं किया गया.

आदिवासी महा दरबार 14 सितम्बर को

तीन राज्यों के 2000 से अधिक माझी बाबा होंगे शामिल

बिष्टुपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थित एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में रविवार 14 सितंबर को आदिवासी सांवता सुसार अखड़ा की ओर से आदिवासी महा दरबार का आयोजन किया जा रहा है. इसमें झारखंड, बंगाल व ओडिशा के करीब 2 हजार से अधिक माझी बाबा शिरकत करेंगे और अपने वजूद को बचाने व राज्य सरकार के गलत नीतियों के खिलाफ आंदोलन का आह्वान करेंगे. इसमें बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शामिल होंगे. यह जानकारी शुक्रवार को आदिवासी सांवता सुसार अखड़ा के पंचानन सोरेन, सोनाराम मार्डी, कृष्णा हांसदा, सुबोध मूर्मू व संजय मुर्मू ने बिष्टुपुर निर्मल गेस्ट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी. उन्होंने बताया कि आदिवासी महा दरबार में आदिवासी समाज के अधिकार, पेसा कानून, सीएनटी-एसपीटी, भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, सामाजिक व्यवस्था समेत अन्य ज्वलंत मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जायेगा. कानूनविद व समाज के जानकार उक्त बिंदुओं पर अपनी बातों को रखेंगे. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली सरकार अबुआ सरकार बोलकर आदिवासियों को उनकी जल, जंगल, जमीन, भाषा-संस्कृति व संवैधानिक अधिकार से बेदखल करने का काम कर रही है. रूढ़ी प्रथा, सीएनटी-एसपीटी एक्ट, समता जजमेंट, हासा, भाषा व पेसा यहां कुछ भी सुरक्षित नहीं है. राज्य में पेसा कानून लागू नहीं होने से 16 हजार ग्रामसभा को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है. आदिवासी अपने ही राज्य में सुरक्षा, रोजी-रोजगार के लिए परेशान हैं. दिशोम गुरु शिबू सोरेन जल, जंगल, जमीन व शराब के खिलाफ आवाज उठाकर लड़ते रहे हैं. लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जल, जंगल व जमीन को बेचने का काम कर रहे हैं और आदिवासियों को शराब सेवन के गर्त में धकेल कर उनके अस्तित्व को समाप्त करना चाहते हैं. आदिवासी महा दरबार में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा के बाद सभी तथ्यों से राष्ट्रपति व राज्यपाल को अवगत कराया जायेगा. साथ ही न्यायालय से भी सहयोग करने का अपील की जायेगी.

इन मुद्दों पर माझी बाबा करेंगे मंथन

भारतीय संविधान प्रदत्त अनुसूचित जनजातियों को सुरक्षा देने वाले अधिकारों पर चर्चा होगीपारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के लिए रूढ़ि प्रथा के संरक्षण पर चर्चा होगीपेसा अधिनियम एवं नियमावली पर चर्चा होगीहाइकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये जजमेंट पर विशेष चर्चा होगीबिना ग्राम सभा के बालू घाटों का ई-ऑक्शन के बारे में चर्चा होगीअनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकार और जिम्मेदारियों पर चर्चा होगीसरकार द्वारा कोल्हान में मानकी मुंडा स्वशासन व्यवस्था पर हस्तक्षेप के बारे में चर्चा होगीजमीन अतिक्रमण, अधिग्रहण तथा धर्मांतरण के रोक पर चर्चा होगी.

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन बतौर मुख्य अतिथि आदिवासी महा दरबार में करेंगे शिरकत

अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें : प्रमुख

डुमरी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राजकीयकृत प्लस टू उवि डुमरी टांगरडीह में अभिभावक-शिक्षक बैठक हुई. मुख्य अतिथि के रूप में डुमरी प्रमुख जीवंती एक्का व विशिष्ट अतिथि बीपीओ तपेश्वर साहू व नवाडीह पंचायत मुखिया चेतन लाल मिंज उपस्थित हुए. मैट्रिक व इंटर परीक्षा में विद्यालय टॉपर के अभिभावकों को प्रधानाध्यापक द्वारा सराहना करते हुए पुरस्कृत किया गया. वहीं जो विद्यार्थी रेल टेस्ट में उत्कृष्ट व उपस्थिति में शत-प्रतिशत रहे. उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया. प्रमुख जीवंती एक्का ने कहा कि विद्यालय आपका है. अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें. घर में बच्चों को पढ़ने के लिए लगातार आदत बनायें. आपके बच्चों का मेहनत ही आपकी जिंदगी में खुशियां लायेंगी. मुखिया चेतन लाल मिंज ने कहा कि शिक्षक की मेहनत में रंग तभी लाती है, जब आप सजग रहते हैं. बीपीओ तपेश्वर साहू ने कहा कि सरकार छात्र-छात्राओं को कई तरह की योजनाओं से लाभान्वित करा रही है. ऐसे योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आना होगा. प्रधानाध्यापक विकास कुमार महतो ने अभिभावकों से कहा कि विद्यालय का रिजल्ट में बेहतर प्रदर्शन के लिए छात्र, शिक्षक व अभिभावक तीनों का समन्वय होना जरूरी है. तीनों में से एक भी कमजोर होता है, तो परिणाम प्रतिकूल होता है. मौके पर प्रफुल्ल समीर मिंज, अभिषेक मिंज, शैलेन्द्र तिर्की, आशा कुमारी, नमिता टोप्पो अमरेश टोप्पो, प्रतिमा लकड़ा, शबनम हेलेना लकड़ा आदि मौजूद थे.

रैयतों ने प्रबंधन को दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम

रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जीएम के साथ रैयतों की हुई वार्ता रही असफल उरीमारी. सयाल डी परियोजना में रैयतों द्वारा किया जा रहा आंदोलन शुक्रवार को लगातार छठे दिन भी जारी रहा. इसके कारण रैयतों की अधिग्रहित जमीन पर खनन कार्य ठप रहा. शुक्रवार को रैयतों को वार्ता के लिए जीएम अजय सिंह ने तीसरी बार बुलाया. काफी देर तक चली वार्ता सफल नहीं हो सकी. वार्ता में जीएम ने बताया कि आपलोगों की मांगों के अनुरूप सभी जरूरी दस्तावेज रांची मुख्यालय भेजा जा चुका है. उम्मीद है बहुत जल्द मुख्यालय में आपलोगों के साथ उच्चस्तरीय प्रबंधन की वार्ता होगी. रैयतों ने जीएम के इस आश्वासन को खारिज करते अगले 72 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया है. रैयतों ने कहा कि यदि 72 घंटे में उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई, तो पूरे बरका-सयाल एरिया का चक्का जाम कर दिया जायेगा.

ताइक्वांडो में शैलाजीत व एनी तबिता मुर्मू ने मारी बाजी

15वीं इंडोर प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न खेलों में दिखा जोश, आइजी ने बढ़ाया हौसला

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। दुमका के इंडोर स्टेडियम में चल रहे 15वीं इंडोर प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य अतिथि संताल परगना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने आयोजित विभिन्न खेलों का अवलोकन किया. उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के प्रति लगन, अनुशासन और ईमानदारी से आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं. जिला खेलकूद संघ के सचिव उमाशंकर चौबे ने आइजी का स्वागत मेमेंटो भेंट कर किया. आइजी शैलेंद्र सिन्हा ने कैरम बोर्ड पर हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया. प्रतियोगिता के तहत ताइक्वांडो में फ्रेशर बालिका वर्ग में शैलाजीत प्रथम, विप्रा श्री द्वितीय, सुहानी मोदी तृतीय, जूनियर फेदर बालिका वर्गः एनी तबिता मुर्मू प्रथम, श्रेया जायसवाल द्वितीय, सौम्या दत्त तृतीय, सब-जूनियर बालक वर्गः श्रीजेश यादव प्रथम, रुद्रजीत मुर्मू द्वितीय, नीलय जीवान तृतीय रहे. वहीं शतरंज के पुरुष वर्ग में दूसरे चक्र के बाद घनश्याम प्रसाद साह शीर्ष पर व राजेश कुमार मिश्रा दो अंक के साथ प्रतियोगिता में बने हैं. बालक वर्ग में चौथे राउंड के बाद अनिकेत कुमार व अभिनव आर्यन शीर्ष पर, जबकि राहुल हेंब्रम, रमन राज, आयुष अग्रवाल, लकी कुमार, दीप लायक, साहित्य कुमार, विवेक भारती, निशि कुमार, सक्षम कुमार प्रतियोगिता में कायम हैं. जबकि बैडमिंटन के बालक सिंगल अंडर-15 के फाइनल मुकाबले में जेडी बास्की विनर व सार्थक जायसवाल रनर रहे. बालिका सिंगल अंडर-11: रूहानी पोद्दार विनर, अवनि कुमारी रनर रहीं. बालक सिंगल अंडर-11: दिव्यांशु राज विनर, वीरभद्र शर्मा रनर रहे. कैरम बोर्ड में बॉयज जूनियर वर्ग मो अरहान युवी फाइनल में, मोहम्मद आसिफ, विभूति कुमार सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं, जबकि पुरुष डबल्स में रियाज, सुरेंद्र मरांडी व चेतन-नितिन सेमीफाइनल में, मनीष कुमार व अभिषेक झा फाइनल में पहुंच गये हैं.

तनाव से बचने के लिए पुलिसकर्मी खेलकूद में अवश्य हों शामिल : डीआइजी

संताल परगना क्षेत्रीय तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता गुरुवार से पाकुड़ में शुरू

पाकुड़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। संताल परगना क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ, बोले डीआइजी 800 मीटर पुरुष वर्ग में देवघर के आरक्षी दिनेश ने मारी बाजी प्रतिनिधि, पाकुड़. संताल परगना क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को पाकुड़ में किया गया. तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ पुलिस उप महानिरीक्षक संताल परगना के अंबर लकड़ा ने किया. इस अवसर पर बलून उड़ा कर डीआइजी, एसपी निधि द्विवेदी ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. खेल प्रतियोगिता में दुमका, देवघर, साहिबगंज, जामताड़ा, गोड्डा व पाकुड़ के पुलिस अधिकारी व कर्मी शामिल हुए. खेल प्रतियोगिता 800 मीटर, 1500 मीटर, रिले हिट्स, 100 मीटर, पुरुष व महिला वर्ग के लिए आयोजित हुई. इसके अलावा गोला फेंक, लंबी कूद पुरुष वर्ग के लिए आयोजित हुई. डीआइजी अंबर लकड़ा का स्वागत डीसी मनीष कुमार व एसपी निधि द्विवेदी ने किया. डीआइजी श्री लकड़ा ने कहा कि खेल कूद की भावना से सभी इसमें शामिल हो. कहा कि हमें उम्मीद है कि छह जिले से अधिक से अधिक प्रतिभागी रांची में आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि आज के दौरान में फिल्ड गेम समाप्त होते जा रहे है. आज के जनरेशन वीडियो गेम्स को महत्व दे रहे हैं. इसलिए हमें पहल करते हुए लोगों को फिल्ड गेम्स को बढ़ावा देते हुए प्रेरित करने की जरूरत है. वहीं उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य चुनौती पूर्ण होता है. हम 24 घंटे ड्यूटी में तैनात रहते हैं. हमें भी तनाव होता है, तनाव से बचने के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है. कहा, खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखता है. अपने दिनचर्या में हमें आवश्यक रूप से खेलकूद को शामिल रखना चाहिए. एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि खेलकूद न केवल फिटनेस बढ़ाता है, बल्कि अनुशासन और टीम भावना भी सिखाता है. उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ के लिए यह गर्व की बात है कि ऐसे खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही है. कहा कि प्रतियोगिता में किसी की हार नहीं होती है. प्रतियोगिता में आप जीतेंगे या फिर सामने वाले से सीखेंगे. पहले दिन के खेल प्रतियोगिता में 800 मीटर, 1500 मीटर, रिले हिट्स, 100 मीटर की प्रतियोगिता आयोजित की गई. 800 मीटर रेस पुरुष वर्ग में देवघर में पदस्थापित आरक्षी दिनेश किस्कू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया.

धर्मदेव भुइयां हत्याकांड में छह गिरफ्तार

टंडवा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टंडवा पुलिस ने धर्मदेव भुइयां हत्याकांड के मामले का खुलासा करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है. वहीं हत्या में प्रयुक्त खून लगा प्लास समेत डंडे को बरामद किया है. गिरफ्तार लोगो में बानपुर खुटी टोला निवासी अजय उरांव, कमलेश उरांव, विनय उरांव, चुरामन उरांव, कुंवर उरांव व मुकेश उरांव शामिल हैं. एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने शुक्रवार को थाना परिसर में पूरे मामले की खुलासा किया. उन्होंने बताया कि 10 सितंबर को बानपुर खूंटी टोला में धर्मदेव उरांव की डायन का आरोप लगाकर हत्या कर दी गयी थी. इस संबंध में बानपुर खूंटी टोला निवासी मृतक की पत्नी बरियो देवी के फर्द बयान के आधार पर टंडवा थाना में कांड संख्या 196/25 के तहत विभिन्न बीएनएस धारा, डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम 2001 के तहत छह नामजद सहित 40-50 अज्ञात महिला-पुरुष पर मामला दर्ज किया गया. बताया गया कि उक्त लोग डायन भूत का आरोप में घर में घुसे और प्लास से पकड़ कर चाकू से चीभ को काटा. बाद में लाठी डंडा से पीट-पीटकर मार डाला. रात में ही शव को जला दिया. कांड के उद्भेदन को लेकर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर छह नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार लोगों की निशानदेही पर प्लास व डंडा को बरामद किया गया. सभी अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया. छापामारी टीम में एसडीपीओ के अलावा टंडवा थाना प्रभारी अनिल उरांव, एएसआई सौरभ कुमार व कई जवान शामिल थे.

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के 26 आवेदन स्वीकृत

पाकुड़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना पर बैठक हुई. बैठक में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों के आवेदनों पर विचार किया गया. इसमें अनुसूचित जनजाति के 07, अनुसूचित जाति के 01 एवं पिछड़ी जाति के 18 आवेदनों को मिलकर कुल 26 आवेदनों पर स्वीकृति प्रदान की गयी. ज्ञातव्य हो कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का मुख्य उद्देश्य एससी-एसटी और पिछड़े वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य आरोग्य के लिए पौष्टिक आहार प्रदान करना है. इसके तहत व्यस्क लाभुकों को तीन से पांच हजार, अव्यस्क लाभुकों को 1500 से लेकर 2500 रुपये एवं कैंसर पीड़ित व्यस्क लाभुकों को 25 हजार रुपये एवं अव्यस्क लाभुकों को 15 हजार रुपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है. इसके लिए लाभार्थियों को आवेदन के साथ राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज देना आवश्यक होता है. मौके पर परियोजना निदेशक अरुण कुमार एक्का, सिविल सर्जन डॉ सुरेंद्र मिश्रा, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन सिंह आदि मौजूद थे.

मोबाइल बच्चों का सबसे बड़ा दुश्मन

डीएवी में कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम शुरू

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में डीएवी सेंटर फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के तत्वावधान में तीन दिवसीय डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड जोन-ए के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ. सेमिनार में पांच जिले गुमला, गढ़वा, लोहरदगा, सिमडेगा व लातेहार के डीएवी स्कूल के 182 शिक्षक शिक्षिकाएं भाग ले रही हैं. मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खान, डीएवी पब्लिक स्कूल झारखंड जोन-ए के असिस्टेंट रीजनल ऑफिसर ओपी मिश्रा, डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के प्रधानाचार्य डॉ आरके साहू, डीएवी पब्लिक स्कूल गढ़वा के प्रधानाचार्य सह ऑब्जर्वर एके मंडल थे. डीएसइ नूर आलम खान ने कहा कि अलग-अलग कक्षाओं व अलग आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक ही टीचिंग टेक्निक नहीं अपनानी चाहिए. बदलते परिवेश व सामाजिक परिस्थितियों में हमें बच्चों को नशापान से बचाना चाहिए. हम शिक्षकों का अस्तित्व बच्चों से ही है. इसलिए हमें बच्चों को प्राथमिकता देनी चाहिए. एआरओ ओपी मिश्रा ने कहा कि कोविड के बाद चीजें तेजी से बदली हैं और डिजिटल लर्निंग की ओर रुझान बढ़ा है. लेकिन हमने यह देखा है कि बच्चों का सबसे बड़ा दुश्मन मोबाइल है. डॉ रमाकांत साहू ने कहा कि बच्चों को 21वीं सदी के स्किल से ओत-प्रोत करने के लिए हमें खुद भी ज्ञान व टेक्नोलॉजी से संपन्न होना होगा.

15 दिनों में बाल सुधार गृह का निरीक्षण कर रिपोर्ट दें : उपायुक्त

अनाथ बच्चों के सुरक्षित पुनर्वास पर दिया गया विशेष जोर

गुमला/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला बाल संरक्षण इकाई अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक शुक्रवार को उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में हुई. बैठक में उपायुक्त ने बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. समीक्षा में उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को हर 15 दिनों में बाल सुधार गृह की सुरक्षा व गतिविधियों का नियमित रूप से निरीक्षण कर उसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध करायें. उपायुक्त ने कहा कि बाल सुधार गृह के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. उपायुक्त ने अनाथ बच्चों के सुरक्षित पुनर्वास पर विशेष रूप से जोर दिया. इस दौरान उन्होंने स्वयं से भेजे गये 25 अनाथ बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना समेत अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ देने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने जिला सामाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक को व्यक्तिगत रूप से इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करने का निर्देश दिया. कहा कि बच्चों को योजना का लाभ लेने में कठिनाई न हो. उपायुक्त ने बच्चों के घर जाकर उन्हें योजना से लाभान्वित करने की बात कही. उपायुक्त ने बालिका गृह में बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता जतायी. कहा कि बच्चियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है.

बिटिया रानी के जन्म पर जश्न, मां और बच्ची का गाजे-बाजे और आतिशबाजी से ग्रैंड वेलकम

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड के हजारीबाग जिले से एक सुखद तस्वीर आयी है. इसमें एक खंडेलवाल परिवार ने बिटिया के जन्म पर जमकर जश्न मनाया. कार सजायी गयी. आतिशबाजी की गयी. गाजे-बाजे के साथ मां और बच्ची का जोरदार स्वागत किया गया. परिजनों ने खुशी में जमकर डांस किया. मुहल्ले में मिठाई का वितरण भी किया गया. हजारीबाग-झारखंड के हजारीबाग जिले में 21 वीं सदी की सुखद तस्वीर सामने आयी है. नजरिए में बदलाव की मिसाल दिखी है. एक खंडेलवाल परिवार ने बिटिया रानी के जन्म पर जमकर जश्न मनाया. न सिर्फ कार को दुल्हन की तरह सजाया, बल्कि मां और बच्ची के घर पहुंचते ही गाजे-बाजे के साथ उनका ग्रैंड वेलकम किया. जमकर आतिशबाजी भी की गयी. इसके साथ ही मुहल्लेवालों को मुंह मीठा भी कराया. परिवार में खुशी का माहौल था.

अब बेटियों के जन्म पर भी मनता है उत्सव

ऐसा कहा जाता है कि बेटे भाग्य से जन्म लेते हैं, जबकि बेटियां सौभाग्य से. एक वक्त था जब बेटे के जन्म पर परिवार में खुशियां मनती थीं. बेटियों के जन्म पर मायूसी छा जाती थी, लेकिन वक्त के साथ नजरिए में बदलाव आया है. अब घर में पुत्र-पुत्री के जन्म पर परिवारवाले खुशियां मनाते हैं.

बिटिया के जन्म पर मुहल्ले का मुंह किया मीठा

हजारीबाग जिले के बड़ा बाजार स्थित खंडेलवाल परिवार में बिटिया के जन्म पर जश्न मनाया गया. अस्पताल से घर आने के बाद न सिर्फ गाड़ी सजायी गयी बल्कि जमकर आतिशबाजी भी की गयी. परिवारवालों ने मोहल्ले में मिठाई खिलाई. बच्ची की दादी ने कहा कि जमाना बदल गया है. पहले वाली बात अब नहीं है. अब लड़का हो या लड़की, सबके जन्म पर अब खुशियां मनायी जाती हैं.

घर पहुंचते ही मां और बच्ची को जोरदार स्वागत

मां के चेहरे पर भी मुस्कान थी. घर पहुंचते ही इनका जोरदार स्वागत किया गया. ढोल-नगाड़े पर खुशियां मनायी गयीं. बच्ची की मां कहती हैं कि अब बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं है. बेटियां भी अब किसी से कम नहीं हैं. पुत्री को जन्म देकर वह काफी उत्साहित हैं. इसके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं. सुरेंद्र खंडेलवाल परिवार में बेटी का जन्म हुआ है. रितेश खंडेलवाल और उनकी धर्मपत्नी सोनाली खंडेलवाल के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ है. मौके पर शारदा खंडेलवाल, विनिता खंडेलवाल, प्रमोद खंडेलवाल, प्रगति, केशव, प्रतिभा सिंह, रोहित बजाज, विकास तिवारी, प्रिंस कसेरा, अशोक कुमार समेत कई लोग शामिल हुए.

अडानी के शेयर पर विदेशी ब्रोकरेज फिदा, 1815 का दिया है टारगेट प्राइस

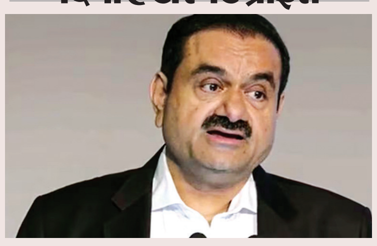

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी– अडानी पोर्ट्स के शेयर बिकवाली मोड में है लेकिन ब्रोकरेज जेफरीज इसको लेकर बुलिश है। विदेशी ब्रोकरेज को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह शेयर 1800 रुपये के पार जाएगा। आइए डिटेल में जान लेते हैं। जेफरीज के मुताबिक वित्त वर्ष 25–27 के दौरान अडानी पोर्ट्स की क्षमता में 17 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे इस अवधि में बिक्री में 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि और एबिटा में 19 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि होगी। जेफरीज ने कहा– हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 25–30 के लिए एबिटा की सीएजीआर 15 प्रतिशत रहेगी, जिसमें बिक्री में 11 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि शामिल है। ब्रोकरेज ने शेयर के लिए टारगेट प्राइस 1815 का तय किया है। अडानी के इस शेयर की वर्तमान कीमत 1392 रुपये पर है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 1,493.85 रुपये है। शेयर का यह भाव जून 2025 में था। हाल ही में अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने जहाज मालिकों और संचालकों को सूचित किया है कि उसके बंदरगाहों पर अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ द्वारा प्रतिबंधित किसी भी जहाज को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध कानूनों और नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, कंपनी ने आधिकारिक तौर पर बयान नहीं दिया है। अडानी पोर्ट्स का चालू वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में मुनाफा 6.54 प्रतिशत बढ़कर 3,310.60 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024–25 की पहली (अप्रैल–जून) तिमाही में मुनाफा 3,107.23 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही में कुल आय बढ़कर 9,422.18 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 8,054.18 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च भी सालाना आधार पर 4,238.94 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,731.88 करोड़ रुपये हो गया।

स्टार हेल्थ की कैशलेस सर्विस पर अब खतरा, बढ़ सकती है बीमाधारकों की मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस के ग्राहक हैं तो ये खबर आपको निराश कर सकती है। दरअसल, आगामी 22 सितंबर से बीमाधारकों की कैशलेस सर्विसेज बंद होने का खतरा है। इस संबंध में एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया ने स्टार हेल्थ को चेतावनी भी दी है। आपको बता दें कि एएचपीआई 15,000 से अधिक अस्पतालों का प्रतिनिधित्व करता है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ने चेतावनी दी कि वह अनुचित व्यवहार की शिकायतों के कारण 22 सितंबर से स्टार हेल्थ पॉलिसीधारकों के लिए कैशलेस सेवाएं वापस ले लेगा। यह तब तक के लिए लागू रहेगा जबतक बीमाकर्ता के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता। आपको बता दें कि अगस्त में बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस और केयर हेल्थ इंश्योरेंस का एएचपीआई के साथ क्लेम के सैटलमेंट में देरी, नए अस्पतालों को सूचीबद्ध करने में देरी, पैकेज दरों में संशोधन न करने, गैर जरूरी दस्तावेजों की मांग समेत कई विवाद हुए थे। दोनों को चेतावनी दी गई थी कि उनकी कैशलेस सेवाएं वापस ले ली जाएंगी, लेकिन अंतत: बातचीत के जरिए उन्होंने अपने मुद्दे सुलझा लिए। एएचपीआई के सदस्य अस्पतालों का आरोप है कि स्टार हेल्थ ने बढ़ती लागत के अनुरूप पुराने टैरिफ में संशोधन करने से इनकार कर दिया है। उन पर दरें और कम करने का दबाव डाला है। मनमाने ढंग से कैशलेस सेवाएं देने से इनकार कर दिया है।

अक्टूबर-दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम

अगस्त में महंगाई दर दो फीसदी से ऊपर

भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति को नुकसान होने की संभावना

- दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम
- गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगस्त महीने में मुद्रास्फीति दो प्रतिशत से ऊपर रहने के कारण अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना भी अनिश्चित नजर आ रही है। दरअसल, चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में अनुमान से बेहतर विकास दर को देखते हुए केंद्रीय बैंक के लिए इस तरह का कदम उठाना मुश्किल हो सकता है।

एसबीआई के अनुसार, अगस्त महीने में महंगाई दर दो फीसदी के स्तर से थोड़ी अधिक रही है। ऐसे में अक्टूबर में दर कटौती करना चुनौतीपूर्ण होगा। वहीं, अगर पहली और दूसरी तिमाही के विकास के अनुमान को ध्यान में रखा जाए, तो दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम दिख रही है।

इसमें यह भी कहा गया है कि सेवाओं पर जीएसटी दरों में बदलाव से गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई में 40 से 45 आधार अंकों तक की कमी आ सकती है, बशर्ते इन बदलावों का 50 फीसदी असर उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

सरकार ने कई जरूरी वस्तुओं (कुल मिलाकर लगभग 295) पर जीएसटी की दरें घटाकर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत या यहां तक कि शून्य कर दी हैं। एसबीआई इकोरैप के अनुसार, इस कर कटौती से वित्त वर्ष 26 में इन वस्तुओं की महंगाई में 25 से 30 आधार अंकों की कमी आ सकती है। बशर्ते इसका 60 प्रतिशत लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) जुलाई 2025 में 98 महीने के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद, अगस्त में थोड़ी बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई। इसका मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थों की ऊंची कीमतें थीं। कोर मुद्रास्फीति (जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं) भी बढ़कर 4.16 प्रतिशत हो गई।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई। ग्रामीण मुद्रास्फीति बढ़कर 1.69 प्रतिशत हो गई (जुलाई में 1.18 प्रतिशत से) और शहरी मुद्रास्फीति बढ़कर 2.47 प्रतिशत हो गई (2.10 प्रतिशत से)।

यह वृद्धि आंशिक रूप से आधार प्रभाव के कम होने के कारण हुई। इसका मतलब है कि वर्तमान मूल्य वृद्धि की तुलना अब पिछले वर्ष की बहुत ऊंची कीमतों से नहीं की जा रही है। अब, कीमतों में वास्तविक वृद्धि अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

केरल में महंगाई दर 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई

अगस्त में 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 26 में महंगाई 4 प्रतिशत से कम रही। केवल केरल और लक्षद्वीप में ही मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक रही। वहीं केरल में मुद्रास्फीति 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो राज्य में प्रमुख खाद्य पदार्थ नारियल तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हुई। केरल में ग्रामीण मुद्रास्फीति 10.05 प्रतिशत और शहरी मुद्रास्फीति 7.19 प्रतिशत तक पहुंच गई। मौसम के मोर्चे पर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। अगस्त और सितंबर की शुरुआत के बीच पूरे भारत में बारिश सामान्य से लगभग 9 प्रतिशत अधिक रही, जबकि कुछ राज्यों में यह स्तर इससे भी ज्यादा रहा।

अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग भी होगी

प्रमोद तिवारी ने कहा- अभी इसका परीक्षण जारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार सोने की तर्ज पर अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करेगी। एक सितंबर से देशभर में चांदी के आभूषणों और वस्तुओं की स्वैच्छिक आधार पर हॉलमार्किंग हो रही है। भारत मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद तिवारी ने कहा, अभी इसका परीक्षण किया जा रहा है और इसके बाद अनिवार्य कर दिया जाएगा। देश में पहले से ही सोने की अनिवार्य हॉलमार्किंग है, इसलिए चांदी के लिहाज से कोई बड़ा संकट नहीं होगा। बीआईएस प्रमुख ने कहा, चांदी की हॉलमार्किंग से उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा होगी। उन्हें चांदी की 100 फीसदी शुद्धता का भरोसा मिलेगा। दुकानदार भी ग्राहकों को धोखा नहीं दे सकेंगे। ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा, उन्हें मिलावटी धातु से तैयार महंगे सामानों से निजात मिलेगी। चांदी की हॉलमार्किंग में बीआईएस का चिन्ह, गुणवत्ता का मानक, और

एचयूआईडी नंबर होगा। सरकार ने चांदी की शुद्धता के छह स्तर तय किए हैं, जिनके आधार पर धातु की शुद्धता को परखा जा सकेगा। बता दें कि इससे पहले केंद्र सरकार ने विगत 4 सितंबर को कहा था कि एक सितंबर से चांदी के गहनों और अन्य वस्तुओं के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू कर दी गई है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आईएस 2112꞊2025 के प्रकाशन के साथ हॉलमार्किंग मानक को संशोधित किया है। यह पहले के 2112꞊2014 आईएस संस्करण का स्थान लेगा। बयान के मुताबिक, नई प्रणाली के तहत उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर एक सितंबर, 2025 के बाद हॉलमार्क किए गए।

22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें

दवा निर्माता व चिकित्सा उपकरण उद्योग जीएसटी दर में कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए ने दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से कहा है कि वे 22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें। प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा, जीएसटी दरों में कमी का लाभ 22 सितंबर, 2025 से उपभोक्ताओं/मरीजों को दिया जाएगा। दवाएं/फॉर्मूलेशन बेचने वाली सभी निर्माता/विपणन कंपनियां 22 सितंबर से दवाओं/फॉर्मूलेशन (चिकित्सा उपकरणों सहित) के एमआरपी को उसी अनुसार संशोधित करेंगी।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कहा कि दवा निर्माता विपणन कंपनियों, डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को संशोधित मूल्य सूची या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी। इसमें संशोधित जीएसटी दरों और संशोधित एमआरपी का विवरण होगा।

आदेश में कहा गया है कि निर्माता और विपणन कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित संचार के सभी संभावित चैनलों के माध्यम से डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को जीएसटी दरों में कटौती के बारे में जागरूक करने के लिए तत्काल उपाय करेंगी।

एनपीपीए ने अपने आदेश में कहा, उद्योग संघ 22 सितंबर, 2025 से संशोधित जीएसटी दरों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों सहित प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी कर सकते हैं।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्माता/विपणन कंपनियां दिए गए उपायों के जरिए खुदरा विक्रेता स्तर पर मूल्य अनुपालन सुनिश्चित कर सकती हैं, तो 22 सितंबर, 2025 से पहले बाजार में जारी किए गए स्टॉक के कंटेनरों या पैक के लेबल को वापस मंगाना, पुनः लेबलिंग करना या पुनः स्टीकर लगाना अनिवार्य नहीं है। 56वीं जीएसटी परिषद ने प्रमुख दवाओं पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने की सिफारिश की है। जिन दवाओं पर पहले 12 प्रतिशत की दर लागू थी, उन्हें 5 प्रतिशत की दर में नहीं बदला गया है।

मोदी सरकार दे रही क्रेडिट कार्ड, 5 लाख है लिमिट

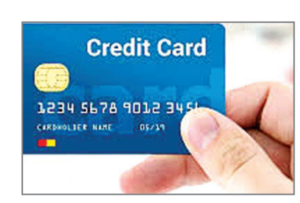

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अब तक के कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं जिसके तहत लोगों को बिजनेस के लिए लोन मिलता है। वहीं, कुछ ऐसी भी योजनाएं हैं जिसके तहत क्रेडिट कार्ड पेश किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए भी एक ऐसी योजना है।

दरअसल, बीते फरवरी महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा था कि उद्यम पोर्टल पर रजिस्टर्ड सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये तक की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड पेश किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने बताया था कि पहले साल में 10 लाख कार्ड जारी किए जाएंगे। यह कदम भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह क्रेडिट कार्ड व्यवसायों को हर दिन के काम के प्रबंधन के लिए पैसे उपलब्ध कराते हैं। उदाहरण के लिए इक्युपमेंट, सामान खरीदने और अन्य संबंधित व्यावसायिक खर्चों को पूरा करने में मददगार है। ये कार्ड व्यावसायिक व्यय पर नजर रखने में भी मदद करते हैं। इस प्रकार, खर्च की निगरानी और विनियमन आसान हो जाता है।

कपड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 5 से 10 फीसदी की गिरावट

- क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में दावा
- तीन प्रमुख कारक कपड़ा उद्योग को सहारा दे सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी टैरिफ से घरेलू कपड़ा उद्योग के राजस्व में 5-10 फीसदी की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। इस उद्योग में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग तीन-चौथाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बावजूद तीन प्रमुख कारक भारतीय कपड़ा उद्योगों को सहारा दे सकते हैं। इसमें अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच बिक्री का मजबूत वृद्धि। दूसरा चीन, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की सीमित निर्यात क्षमता खासकर उन उत्पाद श्रेणियों में जहां भारत को कम टैरिफ का फायदा है और भारतीय विनिर्माताओं का वैकल्पिक वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शामिल है। इसके अलावा यह कंपनियों की कर्जमुक्त बैलेंस शीट क्रेडिट प्रोफाइल पर पड़ने वाले दबाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी मनीष गुप्ता ने कहा कि होम टेक्सटाइल्स विवेकाधीन उत्पाद हैं। अमेरिका को इसके निर्यात इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है। खुदरा विक्रेता मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के बीच मांग को लेकर सतर्क बने हुए हैं। लेकिन 27 अगस्त से उच्च टैरिफ के कार्यान्वयन से पहले, कुछ ऑर्डरों की अग्रिम लोडिंग के कारण निर्यात में तेजी आई थी। गुप्ता ने आगे कहा कि इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी देशों में कपास आधारित घरेलू वस्त्र उत्पाद बनाने की सीमित क्षमता होने के कारण, भारत निकट भविष्य में अमेरिकी बाजार में अपनी

प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। इससे इस वित्त वर्ष में उद्योग के कुल राजस्व में गिरावट 5-10 प्रतिशत तक सीमित रहनी चाहिए। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसका असर उन कंपनियों पर ज्यादा पड़ने की उम्मीद है जो अपनी आधी से अधिक आय अमेरिका से कमाती हैं। क्रिसिल रेटिंग ने आगे कहा है कि अमेरिका में कम खरीद की भरपाई के लिए, भारतीय निर्माता यूरोपीय संघ (ईयू) और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिश करेंगे। पिछले वित्त वर्ष में भारत के घरेलू कपड़ा निर्यात में इन भौगोलिक क्षेत्रों का कुल योगदान 13 प्रतिशत था।

अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट

शाही ने कहा कि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को ऊंचे टैरिफ का कुछ बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट की आशंका है। संभावित अधिक आपूर्ति का दबाव न सिर्फ अन्य निर्यात गंतव्यों बल्कि घरेलू बाजार में भी मार्जिन पर असर डाल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजतन इस वित्त वर्ष उद्योग स्तर पर परिचालन लाभप्रदता पिछले साल की तुलना में 200–250 आधार अंकों तक कम हो सकती है।

घरेलू निर्यातक अब ब्रिटेन और यूरोपीय संघ पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और यूरोप में बढ़ते अवसरों ने भारतीय कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले हैं। हालांकि, क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक गौतम शाही के अनुसार, इन वैकल्पिक बाजारों से राजस्व बढ़ाने में समय लगेगा।

विरोध प्रदर्शनों से नेपाल के होटल उद्योग को 25 अरब का नुकसान

वित्तीय दायित्वों को पूरा करना मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी।
मंगलवार के हिंसक विरोध प्रदर्शन से नेपाल के होटल उद्योग को देश भर में करीब 2500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पर्यटन आधारित देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह बड़ा झटका है। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देश भर के लगभग दो दर्जन होटलों में तोड़फोड़, लूटपाट या आगजनी की गई। सबसे बुरी तरह प्रभावित होटलों में काठमांडू का हिल्टन होटल शामिल है। इसे अकेले 8 अरब रुपये से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है।

माई रिपब्लिका समाचार पोर्टल ने होटल एसोसिएशन नेपाल (एचएएन) की ओर से जारी एक बयान के हवाले से यह जानकारी दी। काठमांडो घाटी, पोखरा, बुटवल, भैरहवा, झापा, विराटनगर, धनगढ़ी, महोत्तरी और डांग-तुलसीपुर के अन्य प्रमुख घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड होटलों को भी हिंसा का खामियाजा भुगतना पड़ा। एचएएन ने कहा कि कई प्रभावित होटल मरम्मत और पुनर्निर्माण के बिना फिर से काम शुरू नहीं कर पाएंगे। इससे 2,000 से ज्यादा कर्मचारियों की नौकरियां प्रभावित होंगी।

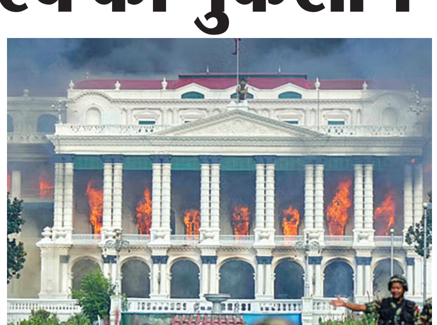

वित्तीय दायित्वों को पूरा करना बेहद मुश्किल

एचएएन ने चिंता व्यक्त की कि इस विनाश के कारण होटलों के लिए बैंकों और अन्य संस्थानों के प्रति वित्तीय दायित्वों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। इसने घटनाओं की जांच के लिए न्यायिक समिति गठित करने, दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और प्रभावित व्यवसायों के लिए मुआवजे की घोषणा करने की मांग की। एसोसिएशन ने सरकार से मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक राहत पैकेज शुरू करने का भी आग्रह किया। नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का योगदान लगभग सात प्रतिशत है।

27000 करोड़ का निवेश करेगा अदाणी समूह

बड़े उद्योग बिहार में दस्तक देने को तैयार

औद्योगिक निवेश के लिए स्पष्ट नीति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
विकास के लिए जिस क्षमता और संसाधनों की जरूरत होती है, वे बिहार में भरपूर हैं। राज्य का मानव संसाधन और टैलेंट किसी से कम नहीं है। इसी के दम पर बिहार देश के औद्योगिक नक्शे पर जगह बना सकता है। इसके लिए जरूरत है तो राजनीतिक स्थिरता और स्पष्ट नीति की।

इस आशा के पीछे अदाणी समूह का 27,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव है, जो भागलपुर के पीरपैंती में बड़ी पावर परियोजना शुरू करने को लेकर है। इस परियोजना का पहला चरण तैयार होने में 12,000 से ज्यादा इसके परिचालन फेज में 3,000 पक्की नौकरियां बिहार के युवाओं को मिलने की संभावना है। चार गुना से ज्यादा अप्रत्यक्ष नौकरियां या काम मिलने की भी उम्मीद है।

अगर सरकार की नीति स्पष्ट हो और निवेशकों के साथ संवाद कायम रहे तो कारपोरेट जगत के लिए बिहार आकर्षक निवेश स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। किसी को भी यह स्वीकारने में हिचक नहीं होनी चाहिए कि 2017 के बाद राज्य सरकार ने बिजली-सड़क जैसे बुनियादी ढांचे को विकसित करने में कसर नहीं छोड़ी है।

बिहार में बात जब बड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और उसके लिए निवेश की होती है, तो वर्षों पुरानी वही बाधाएं दिखने लगती हैं।इसीलिए, औद्योगिक निवेश के लिए स्पष्ट नीति होनी चाहिए। इस बात को कुछ उदाहरण से समझा जा सकता है। नालंदा विश्वविद्यालय के लिए मंजूरी 2015 में मिल चुकी थी। लेकिन, नई राजनीतिक संरचना में जमीन आवंटन और प्रोजेक्ट कमेटी के अधिकारों को लेकर दलों में सहमति नहीं बनी। जानकार तो यहां तक कहते हैं कि हाजीपुर आईटी पार्क से इन्फोसिस और विप्रो जैसी कंपनियां इसलिए पीछे हट गईं, क्योंकि उन्हें प्रोजेक्ट की मंजूरी प्रक्रिया में स्पष्टता का अभाव दिखा। यही कहानी जापानी मेगा फूड पार्क को लेकर सामने आ रही है।

ये उदाहरण बताते हैं कि निवेश के लिए स्पष्ट नीति और स्थिरता अहम है। निवेशकों में यह धारणा बलवती होती गई कि बिहार में नीति का आधार आर्थिक न होकर प्राथमिक रूप से राजनीतिक रहा है। घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों, लॉजिस्टिक और विनिर्माण क्षेत्र को भी राजनीतिक स्थरिता के जरिये स्थायी नीति मिले तो इसका सकारात्मक प्रभाव दिखेगा। टाटा और जेएसडबल्यू जैसे औद्योगिक घरानों ने शुरुआती रुचि दिखाई है।

पत्नी और मां से पहले एक इंसान हूं

हेट स्टोरी-2, अग्ली जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं सुरवीन चावला ने सेक्रेड गेम्स, क्रिमनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में रहीं सुरवीन ने अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को लेकर बातें की हैं।

मैंने इनकार करना भी सीखा है

कहते हैं ना कि इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे नियंत्रण में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है।

मां से पहले एक इंसान हूं

अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना।

हर बार अलग करने की कोशिश रहती

पर्दे पर इस रूप, रंग और अंदाज में मुझे पहले कभी नहीं देखा गया है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार कुछ अलग लेकर आऊं। गोपी पुथरण सर (लेखक निर्देशक) की फिल्म मर्दानी बहुत पसंद थी। वह अपने प्रोजेक्ट में औरतों को सशक्त रूप में पेश करते हैं। उनकी कहानियों में महिलाओं को पावरफुल रोल्स ही मिलते हैं। यह पहला मौका है, जब मैं किसी पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं। अनन्या भारद्वाज बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला है, जो कि बहुत कुछ करना चाहती है। उस किरदार को मैं ब्लैक एंड वाइट तो नहीं बोल सकती लेकिन वह पूरी तरह से ग्रे भी नहीं है।

महिला उद्यमियों की अलग तस्वीर पेश करेगा डू यू वाना पार्टनर

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा।तमन्ना भाटिया ने आईएएनएस से कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं। तमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो एली मैकबील था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है। डू यू वाना पार्टनर कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई। वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा।

विवेक ओबेरॉय ने भाई अक्षय की टिप्पणी पर तोड़ी चुप्पी

बीते कुछ दिनों पहले बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय के चचेरे भाई अक्षय ओबेरॉय ने विवेक के साथ अपने रिश्ते पर बात की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि दोनों में कोई रिश्ता नहीं है। इस बयान से सोशल मीडिया पर हलचल मच गई थी। अब इस पर अभिनेता विवेक ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोगों की सफलता उनकी योग्यता पर आधारित होना चाहिए। विवेक ओबेरॉय ने अपने चचेरे भाई अक्षय को लेकर विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, 'हम हमेशा एक-दूसरे के जन्मदिन, दिवाली या माता-पिता की सालगिरह पर मौजूद रहते हैं। साथ बड़े होने की हमारी कुछ बेहतरीन यादें हैं।'

अपनी सफलता के वो हकदार हैं

अभिनेता ने आगे बताया, 'उन्हें जो भी सफलता और प्रशंसा मिली है, वह पूरी तरह से उनके हकदार हैं, क्योंकि इसके लिए सिर्फ वही जिम्मेदार हैं। यह इस बात पर आधारित नहीं होना चाहिए कि आप किसके भतीजे या चचेरे भाई हैं। यह पूरी तरह से योग्यता पर आधारित होना चाहिए। अक्षय ने अपनी योग्यता के दम पर सब कुछ हासिल किया है और मुझे इस पर बहुत गर्व है।'

अक्षय ने विवेक ओबेरॉय को लेकर क्या था?

आपको बताते चलें कि अक्षय ओबेरॉय ने बीते दिन एक इंटरव्यू में कहा था, ऐसा भी नहीं था कि मैं उन्हें फोन करके उनसे संपर्क कर पाता, आप जानते ही हैं। बदकिस्मती से, मैं यह बात गर्व से नहीं, बल्कि दुख के साथ कहता हूं कि कोई सच्चा रिश्ता ही नहीं था। तो, मैं उन्हें फोन करके क्या पूछता? मैं बस अपने रास्ते पर चलता रहा।' साथ ही उन्होंने बताया था कि उन्होंने कभी विवेक के स्टारडम का फायदा नहीं उठाया। इसी के बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था।

अदिवी शेष की फिल्म डकैत में हुई अतुल कुलकर्णी की एंट्री

साउथ अदिवी शेष काफी समय से अपनी आगामी फिल्म डकैत: एक प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान शैनिल देव ने संभाली है। अदिवी के साथ इस फिल्म में मृणाल ठाकुर नजर आएंगी। वही अनुराग कश्यप भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। अब डकैत में दिग्गज अभिनेता अतुल कुलकर्णी की एंट्री हो गई है। अतुल के 60वें जन्मदिन पर फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है। वह फिल्म में गुरु की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने इस पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। वहीं अदिवी ने अतुल का स्वागत करते हुए लिखा... प्रिय अतुल कुलकर्णी सर, आपके साथ काम करना और सेट पर आपसे जिंदगी के सारे सबक सीखना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही। यह फिल्म क्रिसमस के खास मौके पर रिलीज हो रही है।

अनुष्का शेट्टी ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी नेसोशल मीडिया पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक लेने जा रही हैं। अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर एक लेटर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ब्लू लाइट छोड़कर अब मोमबत्ती की रोशनी की ओर जा रही हूं। थोड़े समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूंगी ताकि स्क्रॉलिंग की दुनिया से दूर रहूं और वहां जा सकूं, जहां से हम सबने शुरुआत की थी। दुनिया से फिर से जुड़ने और अपने काम पर ध्यान देने के लिए, जल्द ही आप सबसे फिर मिलूंगी, ढेर सारी कहानियों और प्यार के साथ। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुष्का की हालिया रिलीज फिल्म घाटी है, जिसका निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। फिल्म में अनुष्का के साथ विक्रम प्रभु मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अनुष्का शेट्टी ने इस फिल्म से करीब दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी की थी। घाटी फिल्म में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म में अनुष्का ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है।

वाहबिज दोराबजी को स्वाइप कल्चर से लगता है डर

बताया खुद का रिलेशनशिप स्टेटस

टीवी एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी का 2021 में एक्टर विवियन डीसेना से तलाक हुआ था। विवियन तो अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन उनकी पूर्व पत्नी वाहबिज दोराबजी का रिलेशनशिप स्टेटस क्या है, यह फैंस जानना चाहते हैं। हाल ही में अभिनेत्री वाहबिज दोराबजी ने इंटरव्यू में अपने रिलेशनशिप से लेकर करियर तक के बारे में खुलकर बातें की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें स्वाइप कल्चर से क्यों डर लगता है और वो लाइफ में अब कैसा पार्टनर चाहती हैं। जब वाहबिज दोराबजी से पूछा गया कि क्या वह सिंगल हैं, तो अभिनेत्री ने बताया कि वह इस समय किसी को डेट नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं खुद पर, अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं। रिश्तों के मामले में मैं बहुत पुराने जमाने की हूं। मैं 90 के दशक के प्यार में विश्वास करती हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती हूं जो मेरे जीवन में कुछ अर्थ जोड़े, जो मेरे बराबर का हो, महत्वाकांक्षी हो, फिर भी परिवार के प्रति समर्पित हो। मुझे आजकल के स्वाइप कल्चर से बहुत डर लगता है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए वाहबिज दोराबजी ने कहा, मैंने पहली बार प्यार की एक कहानी में अभिनय किया था, मुझे ठीक से साल भी याद नहीं, शायद यह 2011 के आसपास था। एक एक्ट्रेस के तौर पर, तब से मैं काफी आगे बढ़ी हूं। मजेदार बात यह है कि मैं कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थी। मैं असल में एक मॉडल बनना चाहती थी। मैं पुणे वापस नहीं जाना चाहती थी। एक के बाद एक चीजें होती गईं और मैंने ऑडिशन देना शुरू कर दिया। बाकी तो इतिहास है। वह शो हुआ और मुझे एक्टिंग से प्यार हो गया। खुशकिस्मती से, वह सुपरहिट साबित हुआ और तब से मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीवी इंडस्ट्री के बिजी शेड्यूल पर भी उन्होंने बात की। वाहबिज दोराबजी ने अपनी राय रखते हुए कहा, टेलीविजन बहुत ही डिमांडिंग इंडस्ट्री है। जब आप इस दुनिया में आते हैं तो आपको पता होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। कभी-कभी प्रसारण का दबाव होता है और आप अपने प्रोडक्शन को कम नहीं कर सकते। लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा शरीर इतना दबाव नहीं झेल पाता। मेरा मानना है कि आज की दुनिया को एक संतुलित और समग्र जीवनशैली की जरूरत है।

एक शादी से शुरू हुआ ट्यूलिप जोशी का फिल्मी सफर

फिर क्यों बॉलीवुड से हो गईं दूर

बॉलीवुड की चमक-धमक भरी दुनिया में कई ऐसे चेहरे आते हैं, जो अपनी पहली ही फिल्म से लोगों के दिलों में जगह बना लेते हैं। कुछ सितारे ऐसे भी होते हैं, जिनकी शुरुआत शानदार होती है, लेकिन सफर बहुत लंबा नहीं चल पाता। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं ट्यूलिप जोशी। मासूमियत भरी मुस्कान और सादगी भरे चेहरे के साथ जब वह स्क्रीन पर पहली बार नजर आईं, तो दर्शकों ने उन्हें दिल से अपनाया। उनका फिल्मी सफर, खास तौर से डेब्यू की कहानी बेहद दिलचस्प है।

ट्यूलिप जोशी ने मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की और फिर फूड साइंस और केमिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया। उन्हें मॉडलिंग में शुरू से ही दिलचस्पी रही। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने कुछ विज्ञापनों में काम करना शुरू कर दिया था। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया, हालांकि वे फाइनल में नहीं पहुंच सकीं, लेकिन उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास ने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया में पहचान दिलाई। ट्यूलिप की किस्मत असली मायनों में तब पलटी जब वह एक शादी में गईं। ये शादी फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा और उनकी पहली पत्नी पायल खन्ना की थी। पायल, ट्यूलिप की करीबी दोस्त थीं और उसी वजह से वह इस शादी में शामिल हुई थीं। पार्टी में ट्यूलिप की खूबसूरती और पर्सनैलिटी ने आदित्य चोपड़ा का ध्यान खींचा। बाद में उन्हें यशराज फिल्म्स की एक रोमांटिक फिल्म मेरे यार की शादी है के लिए ऑडिशन के लिए बुलाया गया। ट्यूलिप ने ऑडिशन दिया और उन्हें फिल्म में लीड एक्ट्रेस का रोल मिल गया। साल 2002 में रिलीज हुई मेरे यार की शादी है ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। फिल्म में उन्होंने उदय चोपड़ा और जिमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर की। फिल्म का म्यूजिक सुपरहिट रहा और ट्यूलिप की मासूमियत को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि, उन्हें हिंदी बोलने में थोड़ी मुश्किल होती थी, इसलिए फिल्म के लिए उन्हें हिंदी की ट्यूशन भी लेनी पड़ी। इंडस्ट्री में कदम रखते ही उन्हें सलाह दी गई कि ट्यूलिप नाम बहुत विदेशी लगता है, इसलिए उन्होंने कुछ समय के लिए नाम अंजलि भी अपना लिया, लेकिन इससे उन्हें करियर में ज्यादा फायदा नहीं मिला। मेरे यार की शादी है के बाद ट्यूलिप ने दिल मांगे मोर, धोखा, मातृभूमि, सुपरस्टार, बच्चन, जट्ट एयरवेज, और जय हो जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने न सिर्फ हिंदी, बल्कि पंजाबी, कन्नड़, मलयालम और तेलुगू फिल्मों में भी अभिनय किया।

दर्शकों ने उनकी फिल्म मातृभूमि को भी काफी पसंद किया। यह फिल्म महिला भ्रूण हत्या और भारत में महिलाओं की गिरती संख्या जैसे ज्वलंत सामाजिक मुद्दों को उजागर करती है। यह फिल्म दिखाती है कि महिला शिशु हत्या के चलते भारत के एक गांव में कोई भी महिला नहीं बची है। इस स्थिति में पुरुषों की हताशा, हिंसा और क्रूरता में बदल जाती है। फिल्म में ट्यूलिप जोशी ने कलकी नाम की महिला का किरदार निभाया, जिसे एक अमीर इंसान रामचरण अपने पांच बेटों के लिए पत्नी के रूप में खरीदता है। बाद में वह खुद भी उसका शारीरिक शोषण करता है। फिल्म में बलात्कार, घरेलू हिंसा और स्त्री की वस्तु की तरह खरीद-फरोख्त को बेहद अलग अंदाज में दिखाया गया है।

ट्यूलिप की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। फिल्मों के दौरान उनकी मुलाकात कैप्टन विनोद नायर से हुई, जिन्होंने साल 1995 तक भारतीय सेना का हिस्सा रहने के बाद आर्मी छोड़ दी और बिजनेसमैन बन गए। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर ये रिश्ता प्यार में बदल गया। करीब चार साल तक दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रहे और फिर शादी कर ली। शादी के बाद ट्यूलिप ने फिल्मों से दूरी बना ली और अपने पति के साथ बिजनेस में जुड़ गईं। विनोद नायर ने किंमया नाम की एक मैनेजमेंट और ट्रेनिंग कंसल्टिंग कंपनी शुरू की, जिसमें ट्यूलिप जोशी बतौर डायरेक्टर काम कर रही हैं। इसके अलावा, वह एक एस्ट्रोलॉजर भी हैं।

स्टार खिलाड़ी ने रचा इतिहास, धमाकेदार पारी खेलकर इंग्लैंड के लिए बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल साल्ट ने किसी इंग्लिश खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी 20 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उनका यह धमाकेदार शतक सिर्फ 39 गेंदों पर पूरा हुआ, जिससे उन्होंने 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन द्वारा बनाए गए 42 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साल्ट की यह उपलब्धि उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर के दमदार प्रदर्शन और चतुराई भरे शॉट चयन का एक अद्भुत संगम थी, जिसने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया। साल्ट ने शतक शानदार अंदाज में पूरा किया, जिसमें मिड-ऑन पर एक स्टीक ड्राइव के साथ चौका फिर एक फ्री हिट पर एक रन और कैगिसो रबाडा की गेंद पर बेथेल के तेज दो रन से हासिल किया। साल्ट का यह शतक उन्हें वैश्विक मंच पर विशिष्ट खिलाड़ियों की श्रेणी में भी शामिल करता है। वह केवल 42 पारियों में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले सबसे तेज खिलाड़ियों में से एक हैं। यह भारत के सूर्यकुमार यादव से काफी तेज है, जिन्होंने 57 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। कुल मिलाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय शतकों की बात करें तो उनसे ज्यादा सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने पांच-पांच शतक लगाए हैं, जिससे साल्ट इस प्रारूप में खेल के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गए हैं। गौर है कि आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले साल्ट ने 60 गेंदों पर 15 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 141 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड ने 304/2 का स्कोर बनाया। यह किसी पूर्ण सदस्य देश द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च टी20 स्कोर है।

सचिन तेंदुलकर बाल-बाल बचे!

प्लेन की अचानक की गई इमरजेंसी लैंडिंग, मास्टर ने शेयर किया भयावह अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हाल ही में केन्या के मासाई मारा के जंगलों में एक अजीब सी परिस्थिति में फंस गए। उनके विमान को एक भयंकर तूफान की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा कि जंगल का अपना तरीका है स्वागत करने का, हमेशा! यह घटना हमें प्रकृति की अप्रत्याशित शक्ति की याद दिलाती है, जो मासाई मारा जैसे क्षेत्रों में काफी आम है।

सचिन तेंदुलकर ने खुद बयां की कहानी

सचिन तेंदुलकर ने वीडियो में बताया कि जब वे मासाई मारा के ऊपर से उड़ान भर रहे थे, तब उन्हें दूर से ही एक भयानक तूफान दिखाई दिया। खराब मौसम के कारण पायलट को दो बार लैंडिंग रद्द करनी पड़ी, जिससे विमान के अंदर एक तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आखिरकार, रनवे साफ होने के बाद विमान को दूसरी तरफ उतारा गया। लेकिन, उनकी मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। बारिश के कारण वे कुछ समय के लिए जंगल में ही फंस गए और उन्हें मदद आने का इंतजार करना पड़ा। इस पूरी स्थिति के बावजूद, सचिन के चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अगर रात को नहीं आए, तो यहीं जंगल में... उनका यह शांत और सकारात्मक रवैया उनकी महानता को दर्शाता है।

रोहित और विराट की कमी नहीं खलेगी भारत बी टीम भी पाकिस्तानी को हरा देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने दूसरे ग्रुप चरण के मुकाबले में आमने सामने होंगे, जो 14 सितंबर को दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। एशियाई दिग्गजों के बीच होने वाले हाई वोल्टेज मुकाबले से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन का मानना है कि एशिया कप 2025 में इंडिया बी टीम भी सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को हरा देंगी।

वासन भारत की एशिया कप 1990-91 विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें एशिया कप 2025 में बल्लेबाजी जोड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस नहीं होगी। रोहित और विराट भारत टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद से टी20 से संन्यास ले चुके हैं।

अतुल वासन ने कहा, भारत की बी टीम भी इस पाकिस्तानी टीम को हरा देगी क्योंकि हालात बदल गए हैं। जब हम 90 के दशक में खेलते थे तब वे बहुत अच्छी टीम हुआ करते थे। अब स्थिति बदल गई है। मुझे रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी नहीं खलेगी क्योंकि फिर मुझे सुनील गावस्कर और कपिल देव की भी याद आने लगेगी। राजा मर गया, राजा अमर रहे। चीजें बदलती रहती हैं, नए सुपरस्टार आते हैं और यह धन-दौलत की शर्मिंदगी और मुझे चयनकर्ताओं पर तरस आता है क्योंकि सबको एक ही टीम में रखना पड़ता है क्योंकि किसे बाहर करना है और किसे चुनना है। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी मुकाबला आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हुआ था, जहां विराट कोहली के नाबाद शतक की बदौलत रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में छह विकेट से हराया था। गौर है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार जीत के बाद पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आत्मविश्वास से भरी होगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी। केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है। कुछ दिनों पहले बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। भज्जी ने मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा ही सुर्खियों में रहा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी ने कहा कि क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। हमने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के साथ नहीं खेला। मुझे लगता है कि जब तक दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधर नहीं जाते, तब तक क्रिकेट और व्यापार नहीं होना चाहिए। सरकार कहती है कि मैच हो सकता है, तो होना चाहिए। भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को आबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 का छठा मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया अपना शुरुआती मैच जीतकर ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम अपने पहले मैच में ओमान को 93 रन से हराकर दूसरे स्थान पर मौजूद है।

'हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं', पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा की गीदड़ भभकी

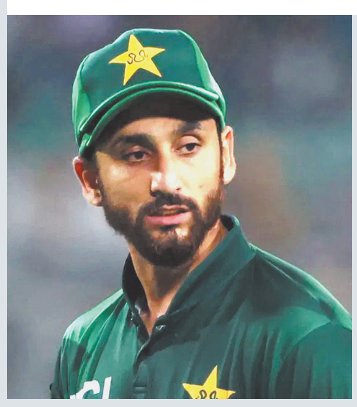

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप में भिड़ने से पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत के लिए चेतावनी जारी करते हुए गीदड़ भभकी दे डाली। पाकिस्तान ने एशिया कप में अपना पहला मैच ओमान के खिलाफ खेला और उसे 93 रन से जीत मिली।

पाकिस्तान ने ओमान के खिलाफ पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन हनाए और इसके बाद कमजोर ओमान की टीम को सिर्फ 67 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में जीत के बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दबाव की बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया और दावा किया कि उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और किसी को भी हराने में सक्षम है।

ओमान के खिलाफ मिली जीत के बाद सलमान आगा ने प्रजेंटेशन में कहा कि मुझे लगता है कि हम पिछले 2-3 महीनों से वाकई अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह बात बार-बार कह रहा हूं। हमने हाल ही में ट्राई सीरीज जीती है और यहां हमने (ओमान के खिलाफ) बहुत ही शानदार जीत हासिल की। हमें बस अच्छा क्रिकेट खेलने की जरूरत है और अगर हम अपनी रणनीति पर लंबे समय तक अमल करते हैं तो मुझे लगता है कि हम किसी भी टीम को हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए 66 रन की पारी खेलने वाले मोहम्मद हारिस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और इस खिताब को जीतने के बाद हारिस ने कहा कि टीम मुझसे जिस तरह का डिमांड करेगी मैं वो करने की कोशिश करूंगा।

सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग, सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया

हांगकांग, एजेंसी। सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने लंबा सूखा समाप्त करते हुए सत्र के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को सेमीफाइनल में विश्व के नौवें नंबर की जोड़ी चीनी ताइपे के बिंग वेई लिन और चेन चेंग कुआन को सीधे गेम में हराया।

सात्विक-चिराग ने लिन-कुआन को 21-17, 21-15 से मात दी। भारतीय जोड़ी सत्र के अपने पहले फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसे छह बार सेमीफाइनल में हार मिली थी। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी तथा चीनी ताइपे की फांग चिह ली और फांग जिन ली के बीच एक अन्य सेमीफाइनल मैच की विजेता जोड़ी से होगा। सात्विक-चिराग के लिए यह नतीजे काफी सुखद है क्योंकि उन्होंने कई चुनौतियों से पार पाकर वापसी की है।

निशानेबाज ईशा ने खत्म कराया भारत के पदक का सूखा, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

निंगबो, एजेंसी। ईशा का विश्व कप में यह पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। ओलंपियन और मिश्रित टीम पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में भारत के खिताब का सूखा समाप्त करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 20 वर्षीय ईशा ने एक रोमांचक फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी याओ कियानक्सुन को 0.1 अंक से हराया। दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ओह येजिन ने कांस्य पदक जीता।

ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक

यह ईशा का विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है और इससे भारत अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के साथ चार और देश एक स्वर्ण पदक के साथ तालिका में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। मेजबान चीन दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

भारत ने इस टूर्नामेंट में हर स्पर्धा में अपने चौथे से छठे क्रम के निशानेबाजों को उतारा है।

ईशा ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि यह पहली प्रतियोगिता थी जिससे मैंने शुरुआत की और इसमें विश्व कप का स्वर्ण पदक जीता। हां, जाहिर है कि इस साल की अगली सबसे बड़ी प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप है। हम इसके लिए बहुत कड़ा अभ्यास कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि आपको काहिरा में भारतीय टीम से बहुत अच्छी चीजें देखने को मिलेंगी।

ईशा और उनकी साथी रिदम सांगवान ने 578 के समान स्कोर के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जिससे उन्हें अंतिम दो उपलब्ध स्थान प्राप्त हुए। याओ ने 584 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही भारत की पलक गुलिया ने 586 का स्कोर किया। सुरभि राव 568 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहीं।

आठ निशानेबाजों के फाइनल में रिदम ने अच्छी शुरुआत की और पहली सीरीज के बाद वह शीर्ष जबकि ईशा दूसरे स्थान पर थीं। एलिमिनेशन के आगे बढ़ने के साथ ही दोनों भारतीय ने धैर्य के साथ अच्छे निशाने साधे। रिदम अपने 15वें निशाने पर 10.8 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर पहुंचीं लेकिन 18वें निशाने के बाद मुकाबले से बाहर हो गईं। ईशा ने इस बीच अपनी लय बनाए रखी और निर्णायक सप्तर्षी में 10.7 के दो शॉट लगाकर याओ पर मामूली बढ़त बनाए रखी।

हरभजन सिंह के बीसीसीआई में शामिल होने की संभावना, पूर्व ऑफ स्पिनर प्रमुख भूमिका के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बाद अब हरभजन सिंह का नाम भी चर्चा में है, जिन्हें बीसीसीआई के शीर्ष पद से जोड़ा जा रहा है। तेंदुलकर पहले ही सभी अफवाहों का खंडन कर चुके हैं। लेकिन 2011 विश्व कप विजेता स्पिनर ने अभी तक इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। पंजाब में जन्मे हरभजन का नाम तब सुर्खियों में आया जब पीसीए ने कथित तौर पर 45 वर्षीय हरभजन को आगामी बीसीसीआई चुनावों में एक भूमिका के लिए नामित किया। भारत के लिए 367 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन अब चुनाव लड़ने के पात्र होंगे क्योंकि उन्हें राज्य संघ का समर्थन प्राप्त है, जो किसी भी उम्मीदवार के लिए एक बुनियादी

आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार अक्सर खेल संगठनों में शीर्ष प्रशासनिक पदों पर प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को नियुक्त करने की ओर झुकी रही है। सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी जैसे पूर्व क्रिकेटर बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभाल चुके हैं। चुनाव 28 सितंबर को होंगे जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों का फैसला होगा।बीसीसीआई की पिछली वार्षिक आम बैठकों (एजीएम) को देखें, तो बड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना कम ही है। देवजीत सैकिया (सचिव), प्रभतेज सिंह भाटिया (कोषाध्यक्ष) और रोहन देसाई (संयुक्त सचिव) जैसे मौजूदा पदाधिकारियों के अपने पदों पर बने रहने की उम्मीद है।

जैस्मिन, नूपुर ने फाइनल में पहुंचकर जगाई स्वर्ण की उम्मीद; खाली हाथ लौटे पुरुष मुक्केबाज

लिवरपूल, एजेंसी। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा भारवर्ग) और नूपुर (80+किग्रा भारवर्ग) ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया। वह फाइनल में पोलैंड की जूलिया से भिड़ेंगी। दिग्गज हवा सिंह की पोती नूपुर ने तुर्किये की सेयमा को 5-0 से हराया। इससे पहले मीनाक्षी हुड्डा ने भारत का चौथा पदक पक्का किया। वह महिलाओं के 48

भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मीनाक्षी ने अंडर-19 वर्ग की विश्व चैंपियन इंग्लैंड की एलाइस पंपेरी को क्वार्टर फाइनल में हराया।

कड़े संघर्ष से गुजरा है मीनाक्षी का सफर

हरियाणा में रोहतक जिले के रुरकी गांव की 24 साल की मीनाक्षी चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता ऑटो रिक्शा चलाते हैं और मां गृहिणी हैं। उन्हें गुजारा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। निजी कोच विजय हुड्डा ने शुरुआत में खुराक, किट और यात्रा खर्च में मदद की। वह अपनी अकादमी में निशुल्क ट्रेनिंग देते हैं। 2022 में एशियाई चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली मीनाक्षी की यह पहली विश्व चैंपियनशिप है।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के 10 सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने तीन कांस्य जीते थे।

संक्षिप्त समाचार

डूसू चुनाव: एनएसयूआई का घोषणापत्र जारी, फ्री वाईएफआई से लेकर लड़कियों को पीरियड लीव तक का वादा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए एनएसयूआई ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि छात्रों से मुफ्त वाई-फाई का वादा किया गया है। इससे छात्र परिसर में कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके साथ ही लड़कियों के लिए पीरियड लीव शुरू कराने की भी घोषणा की गई है। सामान्य छात्रों के लिए घोषणापत्र जारी करने के साथ ही एनएसयूआई ने छात्राओं के लिए घोषणापत्र भी प्रस्तुत किया है। चौधरी ने कहा कि हम लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मार्ग पर चल रहे हैं और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनएसयूआई यह चुनाव छात्रों के मूल मुद्दों पर लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम एक बार फिर से दिल्ली विश्वविद्यालय में मोहब्बत की दुकान खोलेंगे, जहां विविधता, प्रेम और सभी के प्रति सम्मान हमारी प्राथमिकता में बनी रहेगी। संगठन ने अध्यक्ष पद पर जोस्लिन नंदिता चौधरी, उपाध्यक्ष पद पर राहुल झांसला, सचिव पद पर कबीर और संयुक्त सचिव पद पर लवकुश बधाना को उतारा है। वहीं, एबीवीपी अपने घोषणापत्र के लिए छात्रों के सुझावों का संकलन कर रहा है। संगठन द्वारा शनिवार को डूसू चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया जाएगा। प्रत्याशियों ने शुक्रवार दिन में दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अभियान चलाया। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आर्यन ने कहा कि यू-स्पेशल बस सेवा, किफायती मेट्रो पास, बुनियादी ढांचों का विकास और खेल सुविधाओं में वृद्धि आदि का छात्रों ने खुले हृदय से प्रशंसा की है।

दिल्ली में सरकारी स्कूल के छात्रों को नीट-जेईई और सीयूईटी की मिलेगी फ्री कोचिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को दिल्ली सरकार जेईई, नीट और सीयूईटी सहित अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी कराएगी। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय विद्या शक्ति मिशन के तहत कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी-2025) के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की घोषणा की है। इसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को मार्गदर्शन और कोचिंग सहायता प्रदान करना है। शिक्षा निदेशालय ने सर्कुलर में कहा है कि प्रवेश परीक्षाएं 12 अक्टूबर से 26 अक्टूबर के बीच सरकारी स्कूलों में आयोजित की जाएंगी। इस योजना से छात्रों को जेईई (मेन/एडवांस्ड), नीट, सीएलएटी, सीए फाउंडेशन और सीयूईटी (यूजी) सहित प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2,200 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें से जेईई, नीट, सीएलएटी और सीए फाउंडेशन परीक्षाओं में से प्रत्येक में लड़कियों के लिए 50 सीटें आरक्षित हैं। सीयूईटी में एक हजार सीट होंगी। इनमें से 150 सीट लड़कियों के लिए आरक्षित की हैं। यह कोचिंग दिल्ली के सूचीबद्ध संस्थानों के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसमें पाठ्यक्रम शुल्क, अध्ययन सामग्री और परीक्षा पत्र शामिल होंगे। 11वीं क्लास के छात्र जेईई, नीट, सीएलएटी और सीए फाउंडेशन प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए पात्र हैं। वहीं, कक्षा 12 के सभी स्ट्रीम के छात्र सीयूईटी कोचिंग के लिए आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने स्कूलों के प्रमुखों को 30 सितंबर तक छात्रों का रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया है। छात्र केवल एक ही कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

लद्दाख से डोकलाम तक नजर, चीन सीमा के पास बिछेगा रेलवे का जाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत ने अपनी पूर्वोत्तर सीमा को और मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर रेल परियोजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 500 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें पुल और सुरंगें भी शामिल होंगी। इन रेलमार्गों के जरिए चीन, बांग्लादेश, म्यांमार और भूटान से सटी दूरदराज की सीमावर्ती जगहों तक पहुंच आसान होगी।

इस परियोजना पर सरकार करीब 30 हजार करोड़ रुपये (लगभग 3.4 अरब डॉलर) खर्च करेगी और इसे चार साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब भारत और चीन के रिश्तों में हाल में कुछ नरमी के संकेत मिले हैं, लेकिन दशकों पुराने उतार-चढ़ाव वाले संबंधों को देखते हुए भारत ने दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। हालांकि हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार के संकेत दिखे हैं, लेकिन यह रेल परियोजना दशकों पुराने उतार-चढ़ाव वाले रिश्तों को ध्यान में रखकर बनाई गई दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। पांच साल पहले सीमा पर हुई झड़प के बाद, दोनों देश आर्थिक अवसरों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते व्यापारिक परिदृश्य के कारण करीब आए हैं। फिर भी, भारत अपनी सीमाओं पर सैन्य और रसद क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पिछले एक दशक में भारत ने 9,984 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण 1.07 लाख करोड़ रुपये की लागत से किया है, जबकि 5,055 किलोमीटर सड़कें निर्माणाधीन हैं। इन परियोजनाओं ने नागरिकों की आवाजाही आसान की है और सैन्य आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया संभव बनाई है। इसके अलावा, भारत ने 1962 के बाद से निष्क्रिय पड़ी एडवांस लैंडिंग ग्राउंड्स

को भी दोबारा सक्रिय किया है ताकि हेलीकॉप्टर और सैन्य विमानों की आवाजाही संभव हो सके। सूत्रों के मुताबिक, सरकार लद्दाख क्षेत्र में भी नई रेल लाइनों की संभावना पर अध्ययन कर रही है। फिलहाल रेल नेटवर्क कश्मीर घाटी के बारामुला तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान सीमा के पास 1,450 किलोमीटर नई सड़कों और डोकलाम क्षेत्र में अपग्रेडेड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया है। इसी साल उन्होंने कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाले दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का उद्घाटन भी किया।

पिछले दस वर्षों में भारत ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में 1700 किलोमीटर रेलमार्ग पहले ही बना लिया है। नई परियोजना इसी क्रम को आगे बढ़ाती है और इसका मकसद सैनिकों की तैनाती में लगने वाले समय को घटाना तथा रसद क्षमता को बढ़ाना है। उधर चीन ने भी 2017 में डोकलाम विवाद के बाद अपनी सीमा पर तेजी से ढांचा खड़ा किया है। उसने हवाई अड्डे और हेलीपोर्ट जैसे दोहरे उपयोग वाले ढांचे विकसित किए हैं, जिससे उसकी सेना को उपकरण और सैनिकों की तेज आवाजाही में मदद मिल रही है।

दिल्ली में सड़कों पर सख्ती बढ़ी तो जंगल के रास्ते ऊंटों पर करने लगे शराब तस्करी, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की सड़कों पर पुलिस का पहरा बढ़ा तो शराब तस्करों ने नई रणनीति अपनाई और जंगल के रास्ते से ऊंटों पर शराब तस्करी शुरू कर दी। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने गुरुवार रात 5 शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, तस्कर हरियाणा की अरावली पहाड़ियों के रास्ते संगम विहार तक आते और वहां से शराब अपने ठिकानों तक पहुंचाते थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान विनोद भड़ाना, सुनील भड़ाना, राहुल, अजय और सौरभ के रूप में हुई। इनके कब्जे से तीन ऊंट और देसी शराब के 1,990 पव्वे और बीयर की 24 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने तीनों ऊंटों को पशु कल्याण संस्था को सौंप दिया है।

डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि एएटीएस टीम के इंचार्ज उमेश यादव को संगम विहार के रास्ते ऊंटों पर शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पुख्ता होने पर अरावली पहाड़ी और जंगल के रास्ते गश्त बढ़ाई गई। गुरुवार रात को आरोपियों को ट्रेप लगाकर पकड़ लिया। आरोपियों ने फरीदाबाद से तस्करी कर लाई गई शराब ऊंटों पर छिपाकर ले जा रहे थे।

रात के समय निगरानी बढ़ाई - डीसीपी ने बताया कि दक्षिणी जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले 15 दिनों में पुलिस ने 11,366 पव्वे शराब, 191 बीयर की बोतलें जब्त की हैं। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही तीन कार, एक ऑटो और दो स्कूटी भी बरामद की गई हैं। पुलिस ने तस्करी रूट पर रात के समय पिकेट लगाकर सख्त निगरानी बढ़ा दी है। सख्त सुरक्षा और लगातार कार्रवाई के चलते अब तस्कर नए-नए तरीके खोज रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस की सतर्कता और पिकेटिंग से तस्करों के लिए परंपरागत रास्ते अब चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। मजबूत नेटवर्क से करते थे तस्करी – अधिकारियों का कहना है कि तस्करों ने अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए स्थानीय इलाकों के रास्तों और जंगलों का गहन अध्ययन किया था। उनका मकसद था कि शराब की खेप को बिना किसी रोक-टोक के गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। ऊंटों के इस्तेमाल ने इस काम को आसान बना दिया, क्योंकि ऊंटों को अक्सर ग्रामीण या रेतीले इलाकों में देखना सामान्य माना जाता है और उन पर संदेह कम होता है।

डेढ़ साल से तस्करी में लगे थे – पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उन्होंने जंगल के रास्ते तस्करी करने का आइडिया फिल्मों से लिया। पांचों दोस्त डेढ़ साल से इसी रूट से तस्करी कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने डेढ़ साल पहले एक ऊंट 62 हजार रुपये में अलवर से खरीदा था। बाद में दो और ऊंट क्रमशः 70 और 80 हजार रुपये में खरीदे।

रेज्युमे में भी लिखो, यौन उत्पीड़न मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी के वीसी को दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जूडिशल साइंसेज के कुलपति के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस अपराध को बिना किसी सजा के माफ नहीं किया जा सकता। दरअसल विश्वविद्यालय की ही एक फैकल्टी मेंबर कुलपति के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत की थी। हालांकि तीन महीने से ज्यादा वक्त बीतने के बाद शिकायत करने की वजह से इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी के वीसी को निर्देश दिया है कि वह अपने रेज्यूमे में भी उनके खिलाफ की गई यौन शोषण के केस का जिक्र करें और बताएं कि इस मामले में कोर्ट ने क्या फैसला दिया था। जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस प्रसन्ना बी वाराले की बेंच ने पीड़िता की याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कथित तौर पर महिला के साथ यौन शोषण की घटना अप्रैल 2023 में हुई थी।

वहीं पीड़िता ने शिकायत दिसंबर 2023 में दर्ज करवाई। समय सीमा पार होने की वजह से ही लोकल कम्प्लेन कमेटी ने शिकायत खारिज कर दी। यह शिकायत अगर 6 महीने के अंदर भी होती तो इसपर विचार किया जा सकता था। सेक्शुअल हैरसमेंट ऑफ वुमन ऐट वर्कप्लेस ऐक्ट के सेक्शन 9 के तहत कहा गया है कि पीड़ित मिलाह को लोकल कम्प्लेन कमेटी के पास तीन महीने के अंदर शिकायत करनी होगी। अगर बार-बार उसके साथ दुर्व्यवहार होता है तो शिकायत की समय सीमा 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है। बेंच ने कहा कि इस मामले में कुछ किया नहीं जा सकता लेकिन अगर अपराध हुआ है तो उसे भुलाया भी नहीं जा सकता। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, गलत करने वाले को भुलाया जा सकता है लेकिन उसकी गलत हरकतों को नहीं। याचिकाकर्ता के साथ जो कुछ भी हुआ है, टेक्निकल ग्राउंड पर उसकी जांच नहीं हो सकती लेकिन इसे भुलाया भी नहीं जा सकता। ऐसे में कोर्ट का जो भी निर्णय है उसे वीसी के रेज्यूमे में शामिल किया जाना चाहिए।

कैंसर, मौत की झूठी अफवाह से लेकर जादू-टोना तक- प्रिसिंपल की दीवानगी में महिला टीचर की सनक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सदर बाजार इलाके में एक सरकारी स्कूल की प्रिंसिपल के प्रति 22 साल की एक कॉन्ट्रैक्ट टीचर की सनक ने सभी को हैरान कर दिया। इस युवती ने अपनी पूर्व शिक्षिका, जो अब स्कूल की प्रिंसिपल हैं, की अटेंशन पाने के लिए ऐसी–ऐसी हरकतें कीं, जो किसी थ्रिलर फिल्म की स्क्रिप्ट से कम नहीं। कैंसर का झूठा दावा, अपनी मौत की अफवाह और जादू–टोने के साथ फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल तक बनाई गई।
पुलिस को अगस्त के अंत में एक 25 साल की शिक्षिका की शिकायत मिली, जो उसी स्कूल में पढ़ाती है।
शिकायतकर्ता ने बताया कि किसी ने उनके नाम से फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया, जिसमें उनकी ढ्ढ–जनरेटेड फोटोशॉप्ड तस्वीरें अपलोड की गई। इन तस्वीरों को स्कूल के स्टाफ और छात्रों को भेजकर उनकी बदनामी की कोशिश की गई।

वॉशिंगटन पोस्ट का खुलासा: मोसाद ने कतर पर हमले से कर दिया था इंकार

नेतन्याहू ने मजबूर होकर करवाई एयर स्ट्राइक

वॉशिंगटन, एजेंसी।
इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने कतर में हमास नेताओं को मारने के लिए गुप्त ऑपरेशन चलाने से इंकार कर दिया था। यह खुलासा अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोसाद के इनकार के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मजबूर होकर स्न-15 और स्न-35 लड़ाकू विमानों से हवाई हमला करने का आदेश दिया।

क्यों पीछे हटा मोसाद?

इजरायल की योजना थी कि दोहा (कतर की राजधानी) में गुप्त एजेंटों के जरिए हमास नेताओं की हत्या की जाए।

लेकिन मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया ने इस पर ऐतराज जताया। कारण था- कतर के साथ एजेंसी के रिश्ते बिगड़ सकते थे। बंधक रिहाई और युद्धविराम वार्ता पूरी तरह विफल हो सकती थी।

नेतन्याहू का इरादा

रिपोर्ट में बताया गया कि नेतन्याहू चाहते थे कि ऑपरेशन वैसा ही हो जैसा ईरान में हमास नेता इस्माइल हनिया पर किया गया था। उन्हें तेहरान में उनके कमरे में बम लगाकर मारा गया था।लेकिन कतर की जमीन पर ऐसा करने से मोसाद ने इनकार कर दिया। एक इजरायली सूत्र ने कहा-हम इंतज़ार कर सकते हैं, चाहे 1 साल, 2 साल या 4 साल। मोसाद जानता है कि कैसे करना है।

मंगलवार को इजरायल ने दोहा में हवाई हमला किया। निशाना था हमास का कार्यकारी नेता खलील अल-हय्या लेकिन वह सुरक्षित बच निकला। हालांकि हमले में उसका बेटा हम्माम मारा गया। अल-हय्या बेटे के अंतिम संस्कार में शामिल भी हुआ।

इजरायल के भीतर से उठी आलोचना

इजरायल के रक्षा प्रतिष्ठान के कई अधिकारियों ने इस हमले का विरोध किया। उनका मानना था कि यह हमला बंधक समझौते और युद्धविराम वार्ता को नुकसान पहुंचा सकता है। चैनल 12 से बातचीत में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा- ज्यादातर रक्षा प्रतिष्ठान ने इस हमले को टालने की सलाह दी थी।

अपने देश वापस जाओ

लंदन में सिख युवती के साथ 2 लोगों ने किया दुष्कर्म

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन के ओल्डबरी शहर में एक सनसनीखेज घटना देखने को मिली। 20 वर्षीय सिख महिला का 2 लोगों ने रेप किया और उसपर नस्लीय टिप्पणी करते हुए अपने देश वापस जाने की धमकी दे डाली और मौके से फरार हो गए।

यह घटना ओल्डबरी के टेम रोड पर मंगलवार की सुबह लगभग 8–30 बजे हुई। पुलिस ने मामले दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। साथ ही मामले की फोरेंसिक जांच भी जारी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपी अंग्रेज थे। उनमें से एक आरोपी के सिर में बाल नहीं थे और उसने गाढ़े रंग की स्वेटशर्ट पहनी थी। वहीं, दूसरे आरोपी ने ग्रे रंग की शर्ट पहनी थी। इस घटना के बाद स्थानीय सिख समुदाय के लोगों में गुस्सा है। पुलिस के अनुसार, लोगों गुस्सा पूरी तरह से जायज है। इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है।

ब्रिटिश सांसद ने की निंदा: ब्रिटिश सांसद प्रीत कौर गिल ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। प्रीत कौर के अनुसार, यह एक जघन्य अपराध है। साथ ही यह नस्लीय भेदभाव का भी मामला है, जिसमें पीड़िता से कहा गया कि वो इस देश से ताल्लुक नहीं रखती है। सिख समुदाय समेत सभी समुदायों को सुरक्षित महसूस करने का पूरा अधिकार है।

पाकिस्तानी मूल का मैनेजर कर रहा परेशान, भारतीयों पर करता है टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के मैनेजर पर गंभीर आरोप लगे हैं। एक कर्मचारी ने दावा किया कि वो भारतीय कर्मचारियों को परेशान कर रहा है। मैनेजर उनके खिलाफ संवेदनशील शब्दों का इस्तेमाल करता है। कर्मचारी का कहना है कि पाकिस्तानी मूल का मैनेजर हर मौके पर भारतीयों को शर्मिंदा करता रहता है, लेकिन मैनेजमेंट के सामने ऐसा कभी नहीं करता।

भारतीय कर्मचारी ने रेडिट पर पोस्ट में लिखा, पाकिस्तानी मैनेजर भारतीयों को संवेदनशील शब्दों, असंवेदनशील टिप्पणियों और शर्मिंदा करके परेशान कर रहा है। कर्मचारी ने बताया कि मैनेजर अक्सर तंज कसने वाली टिप्पणियां करता है। वह भारतीय कर्मचारियों को स्टीरियोटाइप करता है और कहता है कि हमें कुछ समझ नहीं आता। कर्मचारी ने लोगों से सलाह मांगी कि क्या किया जाए? इस मामले को एचआर और मैनेजमेंट तक ले जाएं या कंपनी छोड़कर नई नौकरी तलाश करें? उसने कहा कि फिलहाल कुछ समझ नहीं आ रहा है।

एक यूजर ने सुझाव दिया, पहले अपनी टीम के बाकी भारतीयों से बात कीजिए। अगर 50 प्रतिशत लोग आपके साथ हैं, तो एचआर को बताइए। वरना नई नौकरी ढूंढना शुरू कर देनी चाहिए। शुभकामनाएं। इस पर कर्मचारी ने जवाब दिया, मैंने यहां के बाकी टीम मेंबर्स से बात की। जैसा मैंने बताया, कई लोग मेरे जैसा ही महसूस करते हैं। दूसरे यूजर ने कहा कि अमेरिका में कार्यस्थल पर भेदभाव, नस्लवाद और पक्षपात के खिलाफ सख्त नियम हैं। ऐसी घटनाओं को लिखकर रखो, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्ड करो।

चार्ली किर्क की हत्या के बाद पत्नी एरिका का भावुक संबोधन

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी कंजरवेटिव एक्टिविस्ट और इंफ्लुएंसर चार्ली किर्क की हत्या के बाद पहली बार उनकी पत्नी ने सार्वजनिक तौर पर सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि वह किर्क की विरासत को नष्ट नहीं होने देंगी।

दरअसल, हमेशा जिस ऑफिस से उनके पति पॉडकास्ट होस्ट करते थे, वहां से बोलते हुए चार्ली किर्क की पत्नी एरिका किर्क ने कहा कि उन्हें अमेरिका, नेचर और शिकागो से काफी प्यार है। एरिका ने कहा कि चार्ली अपने बच्चों से बहुत प्यार करते थे और मुझे पूरे दिल से प्यार करता था।

सुरक्षा एजेंसियों को चार्ली की पत्नी ने दिया धन्यवाद: अपने संबोधन के दौरान एरिका ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों को धन्यवाद भी दिया, जिन्होंने उनके पति के हत्यारों को पकड़ने में मदद की थी। वहीं, एरिका ने किर्क की हत्या करने वाले 31 साल के

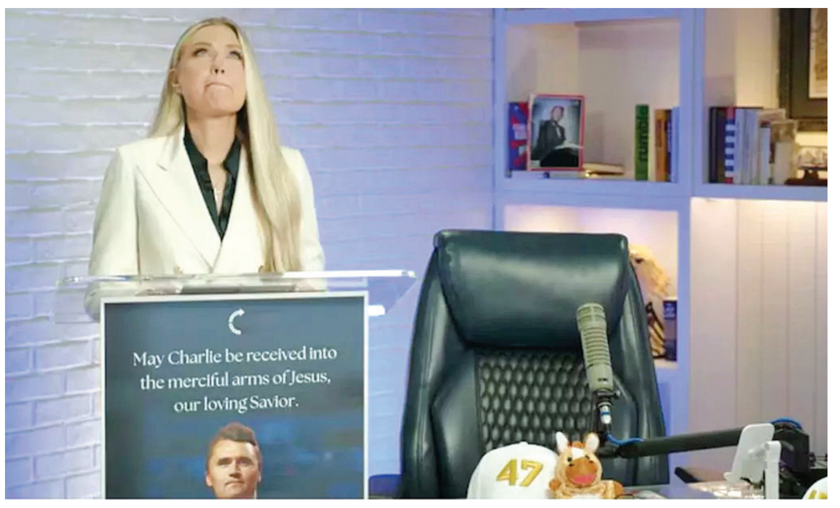

कार्यकर्ता को एक संदेश भी दिया। हालांकि, इस दौरान उन्होंने आरोपी टायलर रॉबिन्सन का नाम नहीं लिया।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, एरिका साल 2021 में चार्ली किर्क से शादी की थी। दोनों की एक तीन साल की बेटी और एक साल का बेटा है। एरिका ने कहा कि आपको इस बात का अंदाजा नहीं है कि आपने इस पत्नी के भीतर जो आग लगाई है। इस विधवा की चीखें दुनिया भर में युद्ध पुकार की तरह गूजेंगी।

इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देते हुए कहा कि मेरे पति चार्ली किर्क राष्ट्रपति से काफी प्यार करते थे। ट्रंप से उन्होंने कहा कि आपने उनका बहुत अच्छा समर्थन किया है, जैसा उन्होंने आपके लिए किया था।

कैसे हुई चार्ली किर्क की हत्या?: गौरतलब है कि एक आउटडोर कैंपस कार्यक्रम के दौरान मंच से बोलने के समय छत से चलाई गई एक गोली लगने से चार्ली किर्क की मौत हो गई। इस कार्यक्रम में करीब 30000 हजार लोग एकत्रित हुए थे। इस घटना के बाद एक बोल्ट एक्शन राइफल मिली, जिसे ही हत्या का हथियार माना गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस गोलीबारी को जघन्य अपराध कहा है।

शिक्षकों को सम्मानित करना गौरव की बात : उपायुक्त

उपायुक्त नहीं बल्कि एक विद्यार्थी शिक्षकों को सम्मानित करने आया है

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिक्षक को सम्मानित करना हमारे लिए गौरव की बात है। शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। विद्यार्थी जब अपने शिक्षक का सम्मान करते हैं, तभी राष्ट्र - विश्व का भविष्य मजबूत बनता है। आज जिला का उपायुक्त नहीं, बल्कि एक विद्यार्थी शिक्षकों को सम्मानित करने आया है। उक्त बातें उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहीं। वह शनिवार को बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-04 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल सभागार में डॉ. राधाकृष्णनन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा गुरू वशिष्ठ अवार्ड 2025 के आयोजन समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कही।

शिक्षक निराश नहीं हों, भविष्य गढ़ना आपके हाथों में है

उपायुक्त ने अपने कहा कि शिक्षक किसी भी परिस्थिति से हतोत्साहित या मायूस नहीं हों। स्थिति पर रोना नहीं है, बल्कि अवसर को पहचानना है। शिक्षक बनने का निर्णय आपने स्वयं लिया था। इसलिए किसी भी परस्थिति में मायूस नहीं होना है। पूरे विश्व का भविष्य आपके हाथों में है और आप ही नई पीढ़ी को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करें।

पाठ्यक्रम पढ़ाने से पूर्व, संवाद से बढ़ेगा आत्मविश्वास

उपायुक्त ने शिक्षकों को सुझाव दिया कि कक्षा में पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू करने से पहले शिक्षक प्रतिदिन कम से कम 05 मिनट बच्चों से संवाद करें। बच्चों से जुड़ें, उन्हें देश-दुनिया की प्रमुख घटनाओं से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास से नहीं केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे जिम्मेदार नागरिक भी बनेंगे। बच्चों को कल कक्षा में क्या पढ़ाना है उसका भी एक्सरसाइज करें।

बच्चों को चुनौतियों से पार पाने का हुनर बताएं

उपायुक्त ने अपने संबोधन में शिक्षकों से कहा कि बच्चों को यह सिखाना होगा कि अंधेरे और निराशा से कैसे बाहर आना है, टूटे मन से कैसे उबार पाना है। जीवन की कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों का डटकर सामना कैसे करना है। उन्होंने कहा कि यही शिक्षा बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की ताकत देगी।

विकास में एकजुटता और जिम्मेदारी जरूरी

उपायुक्त ने जिले के समग्र विकास में शिक्षकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर जिले को आगे ले जाना है और लोगों का विकास करना है। उन्होंने विशेष रूप से यह भी कहा कि मोलाफाइड मिस्टेक (जानबूझकर की गई गलती) किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है, यदि बोनाफाइड मिस्टेक (अनजाने में हुई गलती) हो तो उसे सुधारने के लिए निरंतर प्रयास होना चाहिए।

गुरू वशिष्ठ अवार्ड 2025 से शिक्षकों का सम्मान

आयोजन में विभिन्न विद्यालयों के दर्जनों शिक्षकों को उपायुक्त व अन्य के द्वारा प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के निर्माण और जिले के विकास में अमूल्य है। मौके पर चिन्मया विद्यालय प्रिंसिपल सुरज शर्मा, द ओरिएंटल फाउंडेशन स्कूल मोहनडीह के प्रिंसिपल डॉ. अमिर हुसैन, रेनबो पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल विपुल कुमार सिंह, डीएवी स्कूल कथारा के प्रिंसिपल डॉ. जी एन खान, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल बोकारो के अशोक कुमार पाठक, गलैक्सी पब्लिक स्कूल चास के सुबोध कुमार, दयानंद आदर्श विद्यालय के मनोज कुमार, माउंटसन सेक्टर 12 विद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. बी रीना ठाकुर, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल फादर डॉ. जोशी वारगेसी, सेक्टर 4 डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल एस के मिश्रा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक झ्र शिक्षक आदि उपस्थित थे।

बड़े परिवार वाले कर्मियों के बीएसएल देगा दो आवास

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मण्डल की एक बैठक नगर सेवा के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार के सभागार में हुई। महामंत्री प्रेम कुमार ने संघ के मांग पत्र पर चर्चा की। आवास को मरम्मत कर आवंटन तिथि से दो महीने के अंदर कर्मचारियों को सुपुर्द किया जाय या फिर आवास आवंटन के साथ पैसा दिया जाय। ई टाइप के लिए 40000, डी टाइप के लिए 60000 और सी टाइप के लिए 80000 रुपए दिया जाए। मुख्य महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि हमलोग इस पर विचार करेंगे। वैसे कर्मचारी जिनका परिवार बड़ा हो गया है और उन्हें एक अतिरिक्त आवास की आवश्यकता है तो आवेदन नगर सेवा को दे सकते हैं, लेकिन रेट नन बी एस एल वाला लगेगा। जिस पर मुख्य महाप्रबंधक महोदय ने विचार करने का आश्वासन दिया है ' गैर आवंटित आवास की जाँच पहले कर उसे कब्जा मुक्त किया जाए। उसके बाद ही आवंटित आवास की स्थिति की जाँच की जाए।, कर्मचारियों को अनावश्यक परेशान नहीं किया जाए। अनाधिकृत आवास, रोड, जमीन पर हुए अतिक्रमण से मुक्त कराकर शहर को सुन्दर बनाया जाय, बिजली और पानी का अवैध चोरी को रोका जाय, और नगर मे दो समय पानी का सप्लाई दिया जाय तथा बिजली की आपूर्ति नियमित किया जाय। बी एस एल प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द योजना बनाकर अतिक्रमण हटाया जायेगा। वार्ता मे प्रबंधन की ओर से, महाप्रबंधक, सिक्योरिटी सुनील कुमार, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के महाप्रबंधक लम्बोदर उपाध्याय, नगर सेवा के बिजली विभाग के महाप्रबंधक ए एन सिंह, समान्य अनुरक्षण के उप महाप्रबंधक संदीप कुमार, मुकेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सत्यनारायण ठाकुर, दिनेश मांझी, समिति सदस्य दिलीप कुमार, दुर्गा मांझी,घनश्याम उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तंबाकू उत्पाद अधिनियम का किया उल्लंघन तो जुर्माना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा के आदेशानुसार तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत कोर्ट परिसर, विभिन्न कार्यालयों एवं कैम्प-2 एरिया की जांच की गई, जिसमे कुल 4 व्यक्तियों द्वारा तम्बाकू खाते हुए पाया गया। जिन्हें कोटपा कानून उल्लंघन की स्थिति में अर्थ दण्ड के रूप में कुल 520 रुपए का चालान किया गया। जिला परामर्शी मो असलम ने बताया कि कोटपा संशोधन अधिनियम 2021 की धारा 6 बी के तहत कोई भी व्यक्ति /दुकानदार कोर्ट परिसर, कार्यालय के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू उत्पाद का उपयोग एवं बिक्री नही कर सकता है और न ही किसी भी व्यक्ति द्वारा तम्बाकू उत्पाद खा कर परिसर में थूक सकता है। किसी भी व्यक्ति व कर्मी द्वारा ऐसा करते हुए पाया गया तो उन्हे दण्डात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम व सिटी थाना के एस0आई0 के साथ छापामारी दस्ता उपस्थित थे।

बोकारो की मानवी सिंह बैंकाक, थाईलैंड में बिखेरेंगी सुरों का जलवा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो की लोकप्रिय गायिका मानवी सिंह नवरात्रि उत्सव में बैंकाक, थाईलैंड में सुरों का जलवा बिखेरेंगी। मानवी के संघर्ष, मेहनत और जुनून का परिणाम है यह उपलब्धि। संगीत के प्रति मानवी की दीवानगी प्रशंसनीय है। झारखंड व बिहार में स्टेज शो के जरिए अपनी गायकी से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली मानवी सिंह अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुति देने जा रही हैं। हिंदू धर्म सभा विष्णु मंदिर के तत्वावधान में, बैंकाक, थाइलैंड में 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित हो रहे शारदीय नवरात्रि उत्सव में प्रस्तुति देने जा रहीं मानवी सिंह झारखंड की धरती पर जन्मी और पली-बढ़ी हैं। भक्ति, लोकगीत व फिल्मी गीतों की वह एक कुशल गायिका हैं। मानवी सिंह बोकारो के सरस्वती शिशु मंदिर में कुछ समय तक शिक्षिका के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। संगीत को अधिक समय देने के लिए ही उन्होंने अध्यापन कार्य को छोड़ दिया।

भू धसान क्षेत्र के प्रभावित लोगों में दहशत

केंदुआ (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के केंद्रीय संयोजक सह समाजसेवी दिलीप सिंह शनिवार को कुसुंडा क्षेत्र के गोधर 6 नंबर बस्ती पहुंचे जहां भूधंसान की घटनाओं से स्थानीय लोग दहशत में हैं। निरीक्षण के दौरान बड़े-बड़े गोफ भूमिगत भूधंसान के गड्ढे जिससे जहरीली गैस निकल रही है दिखाई दिए।. स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस क्षेत्र मे लगातार हो रहे भूधंसान के कारण उनके घर और जीवन दोनों खतरे में हैं। उन्होंने मांग किया कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को जल्द सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किया जाए और भूधंसान के गड्ढों को बालू से भरकर स्थायी समाधान किया जाए।

भारतीय रेस क्रॉस सोसाइटी ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

टुंडी (धनबाद)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को ग्राम पंचायत राजाभीठा प्रखंड टुंडी में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद के द्वारा स्वास्थ्य कैंप लगाया गया।इस कैंप में महिला पुरूष एवं बुजुर्गों सहित 125 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। बी पी शुगर एवं दवाई निःशुल्क प्राप्त किया।कुछ पुरूष महिलाओं एवं बच्चों को खांसी की भी लम्बी अवधि की शिकायत मिली है उनके बलगम भी ली गई है जो सदर अस्पताल धनबाद में जांच हेतु दिया गया है। शिविर में भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, आजीवन सदस्य डाक्टर मेजर चंदन,आजीवन सदस्य डाक्टर हरिनारायण प्रसाद, आजीवन सदस्य गिरजा नन्द ओझा, आजीवन सदस्य प्रकाश लायक, आजीवन सदस्य डाक्टर राजेश कुमार सिंह, सरपंच राजेश सिंह , राजेन्द्र सिंह आजीवन सदस्य कृष्ण कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

जैन मिलन केंद्र में हुआ आत्म-शुद्धि, क्षमा और सेवा का संगम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पर्युषण पर्व की पूणार्हुति के अवसर पर जैन धर्म से जुड़े लोगों ने रविवार को जैन मिलन केंद्र, बोकारो में संयुक्त रूप से क्षमा याचना दिवस एवं विश्व मैत्री दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों द्वारा गाये भक्ति गीत से की गई। इस अवसर पर जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा, क्षमा याचना दिवस केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। यह दिन हमें यह सिखाता है कि क्षमा से बड़ा कोई धर्म नहीं और क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, आत्मबल का प्रतीक है। इस अवसर पर तपस्या करने वाले तपस्वीयों को श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर बहुमान किया गया।जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने कहा,क्षमा माँगना केवल एक औपचारिक परंपरा नहीं, बल्कि यह आत्म-उन्नति और आत्मचिंतन की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है। कार्यक्रम का संचालन सुशील बैद ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल सांधवी, सुभाष जैन, विपुल मेहता,चंदन बांठिया,अंकित जैन का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 17 सितंबर को मेगा रक्तदान शिविर का भी आयोजन करने का निर्णय लिया गया। जिसके संयोजक चंदन बांठिया ने कहा यह रक्तदान शिविर थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए समर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में प्रकाश कोठारी ने सभी अतिथियों, दाताओं और समाज के सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

धर्म गुरूओं को साथ ले चलाया जा रहा है बाल विवाह के खिलाफ अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी एवं जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रेन की और से शुक्रवार से बाल विवाह समाप्त करने को लेकर वैश्विक अंतरधार्मिक अभियान (12-14 सितंबर 2025) बोकारो के प्रसिद्ध राम मन्दिर से धार्मिक गुरुओं ने शुरूआत की है। पेटरवार प्रखंड में धर्मगुरुओ ने सामूहिक शपथ लेकर बाल विवाह को जड़ से समाप्त करने कि अपील की। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि बाल विवाह धार्मिक रूप से बहुत बड़ा जुर्म है। धर्म हमें सिखाता है कि बचपन सिखने, विकास और आध्यत्मिक विकास के लिए होता है। ब्राह्मचार्य आश्रम के बाद ही गृहस्त आश्रम होता है। जो इस बात का प्रतिक है कि शिक्षा और परिपकता के बाद विवाह होना चाहिये। बाल विवाह इस पवित्र व्यवस्था उलंघन करता है।, और दुःख का कारण बनता है। धर्म गुरुओं ने कहा कि धर्म का अनुवाई होने के नाते आइये हम अपनी बेटियों कि रक्षा करें, और सुनिश्चित करें कि किसी भी बच्चे को वयस्क होने के पहले विवाह बंधन में न धकेला जाय। आइये हम सब मिलकर धर्म के मार्ग पर चले और कहेः बाल विवाह कि समाप्ति, भारत कि समृद्धि है।धर्म की शिक्षा इस बात कि जोर देती है कि समाज कि उन्नति लड़कियों कि शिक्षा औरसाशक्तिकरण पर निर्भर करती है बाल विवाह बच्चों का शिक्षा और सम्मान छीन लेती है। उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद करने कि आवह्वान आवाम से किया। बाल विवाह समाप्त करने के लिए वैश्विक अंतरधार्मिक अभियान (12-14 सितंबर 2025) के तहत धनबाद जिला के प्रशिद्ध मंदिरो, मशजिदो, गुरुदवारा, गिरजाघरों में धार्मिक गुरुवो के साथ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर धर्मगुरु आदि सहित रवि कुमार राय ,अनिल हेंब्रम, विकास कुमार गोस्वामी ,सूर्यमणि देवी, सोनी कुमारी, मंजू देवी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बोकारो पुलिस ने किया चोरों के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा

दो किलो चांदी व सोने के जेवरात सहित 3 लाख से ज्यादा नकद बरामद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम ने धनबाद के जोरापोखर थाना क्षेत्र से गिरोह के तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चोर दिनदहाड़े बाइक से घूमकर बालीडीह और गोमिया थाना क्षेत्र सहित सरकारी आवासों को निशाना बनाते थे। इनके साथ ही चोरी के जेवरात खरीदने वाले दो दुकानदारों राहुल कुमार वर्मा और रवि रंगराव को भी जोरापोखर और झरिया से दबोचा गया है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने चोरों के पास से 3 लाख 7 हजार 600 रुपये नकद बरामद किए। उनकी निशानदेही पर जेवरात खरीदने वालों से 97 ग्राम गलाया हुआ सोना, एक किलो गलाया गया सोना, चांदी के 15 जोड़े पायल, चार जोड़े बिछिया, एक सीकरी, 20 सिक्के, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल और चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार भी जब्त किए गए। गिरोह का सरगना राजू अंसारी है, जिसके साथ फैयाज अंसारी और आबिद अंसारी भी सक्रिय थे। तीनों धनबाद के जोरापोखर के रहने वाले हैं। इन अपराधियों पर कई मामलों में आरोप दर्ज हैं—राजू अंसारी पर 55, फैयाज पर 25 और आबिद पर 19 केस दर्ज हैं। ये सभी मामले धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि यह एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह है, जो दिन के उजाले में बंद सरकारी घरों की रेकी कर चोरी करता था। वारदात के बाद ये अपराधी एक ही दिन में कई थाना क्षेत्रों में चोरी को अंजाम देकर फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार यह गिरोह धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में सक्रिय था। उनकी गिरफ्तारी से जिले में लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगेगा।

स्कूल आधारित बाल अधिकार प्रशिक्षण का आयोजन

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बगदा में सहयोगिनी संस्था द्वारा बाल अधिकार, बाल विवाह एवं बाल हिंसा संबंधी कानून पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव तथा अभिवंचित वर्ग की किशोरी तथा महिलाओं के बीच जेंडर जागरूकता एवं हिंसा की रोकथाम को लेकर चर्चा भी की गई। सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर, एवं टांगटोना पंचायत के 19 गांव में किशोरी एवं युवा महिला समूह बनाकर नेतृत्व क्षमता विकसित करने सहित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर उनके जीवन में बदलाव लाया जा रहा है । जेंडर, घरेलू हिंसा, कूपोषण , स्वास्थ,बाल विवाह एवं बाल संरक्षण को लेकर समूह में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्कूलों में सुरक्षित और जागरूक माहौल बनाना तथा हर बच्चे को गरिमा के साथ जीवन जीने एवं आगे बढ़ने का अधिकार है। शिक्षक मो इरशाद ने कहा कि संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि सभी लोग सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार है ।सभी को रोजगार करने, व्यवसाय चुनने का अधिकार है। बच्चों को हमेशा अपने अधिकारों के साथ साथ कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहना चाहिए। संस्था की एनिमेटर संगीता देवी ने बताया कि बगदा पंचायत में किशोरी समूह एवं युवा महिला समूह के साथ मिलकर काम कर रहे है।जिसमे किशोरियों के जीवन कौशल , नेतृत्व क्षमता को विकसित किया जा रहा है। रेखा देवी ने कहा कि किशोरिया आज अपने हक अधिकार को लेकर आवाज उठा रही है। समूह के माध्यम से किशोरियों को नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की हिंसाओं के खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट किया जा रहा है। बगदा स्कूल के प्रधानाध्यापक राजेश कुमार ने कहा कि किशोरावस्था में बच्चों को बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक शिक्षा बहुत जरूरी है बच्चों के विकास के लिए इस तरह की गतिविधियां बहुत ही जरूरी है बाल विवाह होने से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक सेहत को नुकसान पहुंचता है।

धनबाद में नोटरी संघ का गठन, अरुण कुमार सिन्हा बने अध्यक्ष

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बार एसोसिएशन धनबाद के लाइब्रेरी हॉल में नोटरी मजिस्ट्रेटों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नोटरी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान सर्वसम्मति से नोटरी संघ, धनबाद का गठन किया गया। नवगठित संघ में अरुण कुमार सिन्हा को अध्यक्ष, कुन्दन कुमार वर्मा को उपाध्यक्ष, हीरालाल चौहान को सचिव, राजन डॉन को सह सचिव एवं मीडिया प्रभारी, जगरनाथ महतो और अनिता कुमारी शर्मा को संगठन सचिव, अनूप कुमार साव को कोषाध्यक्ष तथा कामेश्वर मंडल को सह कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कमल कुमार गुप्ता, जितेंद्र प्रसाद कर्ण, अंजनी सिन्हा, नरेश प्रसाद, बलिराम यादव और चक्रपाणि झा का चयन किया गया।

मानव अधिकार प्रोटेक्शन का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मानव अधिकार प्रोटेक्शन का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह रिंग वेडिंग हाल में संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता डॉक्टर एस के सिंहा एवं मंच संचालन मानस प्रसून ने की। इस मौके पर इस संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता सहित राज्य एवं प्रदेश के कई पदाधिकारी उपस्थित हुए। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुप्ता ने कहा कि संगठन झारखंड प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्षशील है। यह संगठन सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि 25 राज्यों में चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा नंदन सिंह ने कहा कि संगठन के लिए काम करना एवं पीड़ित लोगों को मदद करना कि हमारा उद्देश्य और लक्ष्य है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 211 करोड 97 लाख 3 हजार रूपए रिकवर

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय लोक अदालत का शनिवार को झारखंड के मुख्य न्यायाधीश त्रिलोक सिंह चौहान ने ऑनलाइन रांची से उद्घाटन किया। धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी ने इस मौके पर कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत अब परिचय का मोहताज नहीं रह गया है। वह लोगों के स्वाद व आदत में शामिल हो चुका है। नेशनल लोक अदालत संविधान के परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक कदम है ,नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है।हमारा संविधान हर लोगों को सामाजीक , आर्थिक एवं सस्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है । उन्होंने कहा कि बिना प्रशासनिक सहयोग के हम समाज तक न्याय नहीं पहुंचा सकते। लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बबार्दी से बचा जा सकता है ।इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है. साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में फिर से बन जाता है। लोगों मे प्रेम ,शाति ,समृद्धि और समरसता बनी रहे यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है । डीडीसी धनबाद सादात अनवर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम आदमी के हित के लिये लगाये जाते हैं जिला प्रशासन हर वक्त समाज के लोगों की सेवा में डालसा के साथ कंधे से कंधे मिलाकर काम कर रहा है। धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि डालसा आम लोगों के हित मे लगातार काम कर रहा है । एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से व्यापक पैमाने पर मुकदमों का निष्पादन किया जा रहा है। जिसमें समय की बचत के साथ-साथ वादकारियों को विभिन्न कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है। अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि विवादों एवं मुकदमो के निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 13 बेंच का गठन किया गया था जिनके द्वारा दोपहर 2 बजे तक विभिन्न तरह के दो लाख 91 हजार 12 विवादों का निपटारा कर 12 अरब 44 करोड़ तीन लाख 22 हजार 704 रूपए की रिकवरी की गई। जिसमें 37 हजार 130 ऐसे मुकदमे थे जो विभिन्न अदालतों में लंबित थे । वहीं 2 लाख 53 हजार 882 प्री लिटिगेशन के मामले निष्पादित हुए शाम तक यह आंकड़ा और अधिक बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पदाधिकारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया । न्यायिक पदाधिकारियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुभाष, लेबर जज रमाकांत मिश्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, आरती माला ,अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पी एस घोष, सिविल जज एंजेलिना जॉन, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, रेलवे मजिस्ट्रेट मनोज कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, रजिस्ट्रार आइ जेड खान ,स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार, सर्टिफिकेट ऑफिसर रवींद्रनाथ ठाकुर, जिला उपभोक्ता फोरम की सदस्य शिप्रा डालसा के पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के टीम, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो न्याय सदन में आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो अनिल कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आज नालसा द्वारा लॉन्च वीर परिवार सहायता योजना 2025 अंतर्गत सैनिकों/ भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिवारों को विधिक सहायता पहुंचाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो में डेडीकेटेड से का उद्घाटन हुआ। न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान मुख्य न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय सह-मुख्य संरक्षक झालसा, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय कार्यकारी अध्यक्ष झालसा , झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मेजर जनरल सज्जन सिंह मान जीओसी-23 इन्फैक्ट्री डिविजन एवं अन्य झालसा के सदस्यगण की उपस्थिति में आभासी रूप से उद्घाटन किया गया। साथ ही आज साल का तीसरा राष्ट्रीय लोक अदालत का भी उद्घाटन व आयोजन न्याय सदन, बोकारो में किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय अरविंद कुमार न०.1. पीठासीन पदाधिकारी, श्रम न्यायालय अनुज कुमार, व अन्य न्यायिक पदाधिकारीगण, साथ-साथ अधिवक्तागण, सरकारी विभागों, बैंक एवं बीमा कंपनीयों के अधिकारीगण कर्मचारीगण, पीएलवी गण, एवं बड़ी संख्या में मुकदमों के पक्षकार, लाभुक उपस्थित रहें। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंकिग चेक बाउंस, बिजली, पारिवारिक, दीवानी, श्रम, उत्पाद, वन विभाग, मोटरयान के अलावा सभी आपराधिक सुलहनीय मामलों को चिन्हित कर उसके निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय बोकारो में छः (06) एवं अनुमंडल न्यायालय तेनुघाट में तीन (03) बेंचो का गठन किया गया था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com